हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 1981

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

शुक्रवार 13 मार्च, 1981

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(5)1
बैठक का निलम्बन (सस्पैंशन)	(5)5
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुररारम्भ)	(5)6
तारांकित प्रश्न संख्या 2047 पर आधे घंटे की चर्चा की मांग	(5)9
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुररारम्भ)	(5)9
निमय 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(5)17
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(5)36
ध्यानाकर्शण सूचना –	

गांव पाढ़ा के सरपंच श्री टेक चन्द की थाना घरौंदा में मृत्यु से उत्पन्न कानून तथा व्यवस्था की स्थिति सम्बन्धी	(5)38
वक्तव्य –	
गृह मंत्री द्वारा गांव पाढ़ा के सरपंच श्री टेक चन्द की थाना घरौडा में मृत्यु से उत्पन्न कानून तथा व्यवस्था की स्थिति सम्बन्धी	(5)40
11.3.81 की चौ. जगजीत सिंह पोहलू एम.एल.ए. के निलम्बन सम्बन्धी निर्णय को रद्द करने की मांग	(5)44
वर्श 1980–81 के सप्लीमेंटरी ऐस्टीमेटस (तीसरी किश्त) पेश करना	(5)48
ऐस्टीमेटस कमेटी की वर्श 1980–81 के सप्लीमेंटरी ऐस्टीमेंटस (तीसरी किश्त) पर रिपोर्ट पेश करना	(5)48
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(5)48
वाक आउट	(5)83
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(5)84
बैठक का समय बढ़ाना	(5)88
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(5)88

वैयक्तिक स्पश्टीकरण –	
डा. मंगल सैन द्वारा	(5)88
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(5)89
बैठक का समय बढ़ाना	(5)92
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(5)92

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार 13 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़, में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Country Liquor and Indian made Foreign Liquor shops in the State.

***2047. Sh. Bhale Ram**: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state –

(a) the number of country liquor vends and Indian made foreign liquor shops checked by the Government during the month of December, 1980;

(b) the numbe rof samples of liquor found spurious from the aforesaid liquor vends and wine shops togetherwith the names of the contractors of the said vends/shops; and

(c) the action taken by the Government against the guilty persons referred to in part (b) above?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौ. मेहर सिंह राठी):

(ए) दिसम्बर, 1980 के महीने में राज्य की सारी शराब की दुकानें – 341 देसी शराब की ओर 253 अंग्रेजी शराब की चैक की गई थीं। यह चैकिंग आबकारी और पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई थीं।

(बी) विभिन्न दुकानों के 216 नमूने अवैध शराब के पाये गये। इसके फलस्वरूप 12 दुकानों के लाईसैंस कैन्सिल किए गए और इनकी इमानतें जब्त की गई।

(सी) इन दुकानों के लाईसैसियों के विरूद्ध मुकदमें दर्ज कराये गये हैं। इन दुकानों के लाईसैंसियों के नामों की सूची सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरणी

उन दुकानों एवं लाईसैंसियों के नाम जिनके लाईसैन्स कैन्सिल किए गए हैं।

क्रमांक	दुकान का नाम	लाईसैंसी का नाम

1	देसी शराब की दुकान कालांवाली	श्री किशन जाल एंड कम्पनी
2	देसी शराब की दुकान देबन	श्री जगन्नाथ
3	देसी शराब की दुकान, सासन (फरीदाबाद)	श्री मोती राम भाटिया
4	देसी शराब की दुकान, नरवाना मण्डी	श्री कृश्ण लाल एण्ड कम्पनी
5	देसी शराब की दुकान, नारवाना टाऊन	यथोपरि
6	देसी शराब की दुकान, पटियाला रोडद्व नरवाना	यथोपरि
7	एल–2, वैंड, कालांवाली	श्री लाल चन्द
8	एल–2, वैंड, रेलवे रोड, शाहबाद	श्री बूटा राम
9	एल–2, वैंड, चांद मार्केट, शाहबाद	श्री बूटा राम
10	एल–2, वैंड, प्रताप मार्केट, शाहबाद	श्री जगवासाया एंड कम्पनी
11	देसी शराब की दुकान, उचाना	श्री रणधीर सिंह एंड कम्पनी

12	देसी शराब की दुकान, बाटा चौक, फरीदाबाद	श्री रोहतास चन्द गोयल एंड कम्पनी

श्री भले राम: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि कालांवाली में ठेकेदार किशन लाल था और नरवाना में भी किशन लाल था तो मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या ये दोनों ठेकेदार एक्साइज मंत्री के रिश्तेदार थे? इसके साथ साथ नम्बर दो पर देसी शराब की दुकान जगन नाथ के नाम पर है। क्या यह जगन नाथ हमारे ट्रांसपोर्ट मंत्री ही हैं या कोई और है?

चौ. मेहर सिंह राठी: जो शराब के ठेकेदार होते हैं वे अपने रिश्तेदार का नाम लिख कर नहीं देते। वे तो अपन आप का नाम लिख कर देते हैं। (शोर)

श्री भले राम: स्पीकर साहब, मैंने यह भी पूछा था कि नम्बर दो पर जो श्री जगन नाथ का नाम दिया गया है वह हमारे ट्रांसपोर्ट मंत्री है या कोई और हैं? (हंसी)

चौ. मेहर सिंह राठी: इसमें हमारे मंत्री चौ. जगन नाथ का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एक आवाज: ये आपके ग्राहक तो हैं (शोर एवं हंसी) आपकी गुड बुक्स में हैं।

चौ. मेहर सिंह राठी: मेरी गुड बुक्स में तो और भी बहुत लोग हैं। अगर मैं उनके नाम बता दूंगा तो यहां पर हंसी होगी। मैं इस महकमें का वजीर हूं और मेरे पास मेरे ग्राहकों की पूरी लिस्ट हैं। (हंसी)

डा. मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, अभी बताया गया है कि दिसम्बर के महीने में सभी दुकानों की जहां पर देसी और फौरन लोकर के ना से शराब बेची जाती है, जांच पड़ताल करवाई गई। क्या उनकी नालेज में है कि कालांवाली और नरवाना में शराब पीने से सैकड़ों आदमी मारे गये? इनकी पार्टी के लोगों ने भी, जो आज वजीर बने हुए हैं और मंत्री पद से हटे हुए हैं सबने जुडिशियल इन्क्वायरी की मांग की थी। मैं जानना चाहता हूं कि क्या उसकी जुडिशियल इन्क्वायरी करवाई जाएगी?

चौ. मेहर सिंह राठी: सरकार का ऐसा कोई विचार नहीं है।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्वायंट को जरा क्लियर कर दूं। इन्होंने यह कहा कि सैकड़ों आदमी शराब पीकर मर गए। उसमें 63 आदमी मरे थे (शेम शेम की आवाजें) अध्यख महोदय, जो कार्यवाही आज की सरकार ने की है आज से पहले ऐसे मामले में किसी भी प्रान्त की सरकार ने नहीं की यानी किसी भी सरकार ने इतना सख्त एक्शन नहीं लिया।

हमने 302 का मुकदमा दर्ज करवाया और अगर कोई बेनामी भी था तो उसको भी अरैस्ट किया है। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह: पहले इतनी मौतें भी इस तरह से कभी नहीं हुई। (शोर)

चौ. भजन लाल: ये कहते है कि पहले मौतें नहीं हुई। मैं इसकी बताना चाहता हूं कि और राज्यों में भी बहुत मौतें हुई हैं। बिहार में आपने सुना होगा आज से दो अढ़ाई साल पहले कितने आदमियों की मौतें हुई। इसी प्रकार से दिल्ली में जब डा. साहब की पार्टी का राज था उस समय कितनी मौतें शराब पीने से हुई (शोर) मैं किसी को गाली नहीं देता। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि दिल्ली में भी ऐसी ट्रेजडी काफी हुई हैं। दिल्ली में 302 का केस दर्ज नहीं किया गया था बल्कि 304 का केस दर्ज हुआ था और उसको भी अन–ट्रेस्ड घोशित कर दिया था। तो जितनी कार्यवाही इस मामले में आज की सरकार ने की है उतनी किसी भी सरकार ने नहीं की। (शोर)

डा. मंगल सैन: दिल्ली में जो लोग मरे थे उन्होंने सरकारी दुकानों से शराब नहीं ली थी बल्कि प्राइवेट दुकानों से ली थी, इसलिये मरे थे, यहां पर सरकारी दुकानों का सवाल है। (शोर)

चौ. भजन लाल: ये सरकारी दुकानें नहीं हैं। सरकार इनकी लाइसैंस देती है और प्राइवेट आदमी शराब बेचते हैं।

इनको यह भी नहीं पता कि सरकारी दुकान किसे कहते हैं और ठेका किसे कहते हैं। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, शराब कहां से आती है? सरकारी डिस्टिलरी में शराब बनती है या लोगों ने घरों में भट्ठी लगा रखी है?

चौ. भजन लाल: स्पीकर सहाब, अब मैं क्या बताऊं। अगर मैं उस पालिसी का जिक्र कर दूं जब चौ. वीरेन्द्र सिंह और सतवीर सिंह मलिक एक्साइज मंत्री थे तो ठीक नहीं रहेगा। उस वक्त हम 53 एम.एल.एज. ने लिखकर दिया था और उसमें बाबू मूल चन्द जैन जी भी शामिल थे कि आपको यह पालिसी गलत है। आप जो ठेके अलाट करने जा रहे हैं या पालिसी गलत है। ऐसा करने से उस वक्त करोड़ो रूपये का घपला हुआ था और 12 करोड़ रूपये का सरकारी खजाने का नुकसान हुआ था। (शोर) जहां तक शराब की मिकस करने का सवाल है उसके बारे में निवेदन यह है कि डिस्टिलरी से शराब निकलती है वहां से सील बन्द शराब निकलती है लेकिन अगर ठेकेदार अपने घर में जाकर उसमें कुछ मिक्स कर दें तो उसमें हमारा क्या कसूर है? हमने ठेकेदारों के यहां जब रेड किये तो उनके पास ढक्कन पकड़े गये और बोतलों के लेवल पकड़े गये। सरकार ने उनके खिलाफ पूरी कार्यवाही की है और किसी के साथ कोई रियायत नहीं की है।

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, जैसे अभी मुख्यमंत्री जी ने स्वीकार किया है कि 63 के लगभग मौतें हुई हैं (विघ्न) सरकारी दुकानों से अवैध शराब पीने की वजह से ....

श्री अध्यक्ष: उन्होंने सरकारी दुकानें नहीं कहा था। It is not a Government shop.

Dr. Mangal Sein: Licences were given by the Government, Sir.

Mr. Speaker: I am convinced that it will not be right to call it a Government shop, it is a licensed one. As far as I know, practically every shop in every market has to take a licence. जिस चीज से भी वे डील विद करते हैं उसके लिये लाइसैंस लेना पड़ता है। इसलिये वे सरकारी दुकानें नहीं कहला सकतीं।

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं इसको थोड़ा सा और क्लियर कर दूं कि अगर किसी डाक्र को सरकार सर्टीफिकेट देती है और वह किसी को गलत इन्जैक्शन लगा देता है तो इसमें सरकार का कोई कसूर नहीं है।

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, जब सरकार औकशन करती है तो जिसके नाम दुकान अलौट होती है उसी दुकानदान का शराब बेचने का हक होता है। तो वह प्राईवेट कैसे हो गया क्योंकि उसे लाइसैंस तो गवर्नमैंट ने दिया है?

चौ. राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, ठेकों पर जो शराब सप्लाई होती है उसे एक्साइज इन्स्पैक्टर और अफसर भी चैक करते हैं। (शोर)

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, डिस्टिलरीज में केवल सरकार के द्वारा शराब तैयार की जाती है ओर वही आगे बेची जाती है। ठेकेदार कोई अलग से अपनी शराब नहीं लाते ..... (शोर)

Mr. Speaker: I think that is not a corrent version. What is to prevent him from getting 'Sharab' from any of the distillaries which are private such as Mohan Meakins.

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, यह बात नहीं है। हर दुकानदार सरकार की होल सेल की दुकान से शराब खरीदता है, उसके अलावा वह कहीं से भी शराब नहीं खरीद सकता। दूसरी बात यह है कि इसनके एक्साइज इन्सपैक्टर और डिस्ट्रिक्ट एक्साईज आफिसर भी होते हैं जिनकी डियूटी है कि वे इन वैडज को जब भी चाहे चैक कर सकते हैं। तो यह उनकी साजिश से और इलाके के पौलिटिशियंज की साजिश से हुआ है। मुझे यह कहते हुए शर्म आती है। मुझे यह बताया जाए कि वे ठेकेदार सरकार की होल सेल की दुकान से शराब खरीदते हैं या कहीं और से भी खरीद सकते है? (विघ्न) मेरा सवाल यह है कि कालांवाली और नरवाना में शराब पनी से जो आदमी मरे हैं, यह बड़ी अफसोसनाक बात है उन लोगों ने जिन दुकानों से शराब

खरीदी है उनकी गवर्नमैंट ने औक्शसन की है और वहां जो शराब बेची जाती है वह होल सेल सरकारी वैडज से खरीदी जाती है। क्या सरकार बतायेगी कि होल सेल सरकारी वैडज के इलावा किसी दूसरी जगह से भी शराब खरीदी जाती है?

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, जिस तरह कपड़े, चीनी वगैरा की दुकानों को हम लाइसैंस देते हैं उसी तरह शराब की दुकानों को लाईसैंस देते हैं, इसमें कौन सी बुरी बात है। सरकार का लाईसैंस देने का एक ढंग है और उस ढंग के मुताबिक दुकानदारों को लाइसैंस दे दिये, इसमें सरकार का क्या कसूर है? इसके इलावा जिस किसी ने कोई कसूर किया था हमने उसको दण्ड दिया और वे लोग आज भी जेल के अन्दर हैं जिनकी आज तक जमानत भी नहीं हुई है। (व्यवधान एवं शोर)

बैठक का निलम्बन

श्री मूल चन्द जैन: इस बात पर तुम इतना गर्व क्यों करते हो? (व्यवधान एवं शोर)

चौ. मेहर सिंह राठी: बाबू जी आप बड़ी * * * *

श्री मूल चन्द जैन: * * * *

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि * * * * ये शब्द अनपार्लियामेंटरी हैं, इनको एक्सपंज करवाया जाए। इनको हाउस की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए। (व्यवधान)

Mr. Speaker: No un-parliamentary language will be recorded. (Interruptions.) Order please, order.

श्री मूल चन्द जैन: * * * *

Mr. Speaker: Babu Ji, please sit down. I would appeal to both the sides of the House to calmly listen to the Chief Minister. (Interruptions.) No interruptions please.

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, सी.एम. साहब को समझायी। (व्यवधान एवं शोर)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, इनको भी समझाओ। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Babu Ji, I would request you to please sit down. (Interruptions.)

श्री मूल चन्द जैन: मैं बड़ा ठंडा हूं। लेकिन अगर जान भी देनी पड़े तो दे सकता हूं, आप क्या समझते हैं। (व्यवधान एवं शोर)

Mr. Speaker: I adjourn the House for fifteen minutes.

(The Sabha then adjourned and re-assembled at 9.59 a.m.)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

राव बंसी सिंह: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया था कि नाजायज शराब के 216 सैम्पल्ज परए गए और 12 केसिज में सख्त से सख्त सजा दी गई। लेकिन मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि बाकी जो केस बचे हैं उनके खिलाफ क्या ऐक्शन लिया गया है?

10.00 बजे

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, ऐक्शन तो हरेक के खिलाफ हुआ है। यह बात दूसरी है कि जुर्म के अनुसार किसी के खिलाफ ज्यादा हुआ है और किसी के खिलाफ कम हुआ है। जैसे दफा 302 वाले की फांसी हो जाती है और दूसरों को कम सजा हो जाती है। इन केसिज में भी कुछ लोग तो जेल में हैं लेकिन जिन्होंने केवल पानी मिलाया था उनको कम सजा हुई है। स्पीकर साहब, जैसा जिसने जुर्म किया था उसके मुताबिक सजा हरेक को देंगे, छोड़ेंगे किसी को नहीं।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, पुनः बैठक के लिये क्या बैल बजी थी?

श्री अध्यक्ष: जी हां। I heard it myself.

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, हमें बैल सुनाई नहीं दी। (शोर)

चौ. संत कंवर: लगता है कि अपोजीशन गैलरी की बैल कटवा दी गई है। (हंसी एवं शोर)

श्री अध्यक्ष: एक साथ अगर आप चार पांच साहेबान बोलेंगे तो मुझे कुछ सुनाई नहीं देगा। (विघ्न) मैं आपको बता देना चाहता हूं कि अब मैं हाउस को स्ट्रिक्टली चलाऊंगा। I have tolerated enough indiscipline and lack of decorum in the House and now I am going to enforce strictness. At one time, not more than one member will speak and only the member who is called upon by the Chair to speak will stand. If any body else wants to speak, he will try to catch my eye and he will speak only after due permission of the Chair. I will request all sections of the House to kindly cooperate with me in enforcing discipline and maintaining the decorum of the House.

As far as the question of ringing the bell is concerned, if it did not ring in the other lobby. then the Vidhan Sabha Secretariat will taken immediate action to see that the bell is installed in the other side also.

Shri sumer Chand Bhatt.

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, मुझे भी समय दीजिए। मैं पहले भी कई बार खड़ा हुआ था।

Mr. Speaker: Swamiji, please sit down. I have asked sh. Sumer Chand Bhatt to ask the supplementary. I will give you a chance later on.

श्री सुमेर चन्द भट्ठ: स्पीकर साहब, मैं वजीर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि जब 216 केसिज में उन लोगों का जुर्म एक था तो सजा एक क्यों नहीं?

चौ. मेहर सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, जुर्म एक नहीं था। कुछ तो सीरियस केसिज थे जिनके लाईसैंस कैन्सिल कर दिए गए हैं। कुछ ने पानी मिलाया हुआ था उनको कम सजा दी गई है। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले कहा कि जिस तरह से लाठी मारने वाले, सिर फोडने वाले और गाली गलौच करने वाले को दफा 323, 325, 326 के तहत अलग अलग सजा होती है उसी तरह से इन केसिज में भी जुर्म के मुताबिक सजा दी गई है। (विघ्न) सिर फोड़ने वाले और गाली दनै वाले को भारत जैसे डैमोक्रेटिव कंटरी में एक जैसी सजा नहीं होती, दूसरे देशों में कहीं अगर होती हो तो अलग बात है।

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जहरीली शराब पीकर के जो 63 आदमी मर गये थे सरकार मानवीय दृश्टिकोण से उनके परिवारों को मुआवजा क्यों नहीं दे देती?

श्री अध्यक्ष: आप कहां की बात कर रहे हैं?

स्वामी अग्निवेश: कालांवाली और नरवाना दोनों जगहों की।

Mr. Speaker: It has nothing to do with the main question and, therefore, it is disallowed.

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं यह कहना चाहात हूं कि केवल लाईसैंस कैन्सिल करना कोई सजा नहीं हैं क्या सरकार ने दोशियों को सजा दिलाने के लिए उनके खिलाफ कोई मुकदमें दर्ज किए हैं?

चौ. मेहर सिंह राठी: मुकदमें भी चल रहे हैं। 76 आदमी अभी भी जेल के अन्दर हैं। उनकी जमानत भी नहीं हो रही है। उनको छोड़ने के लिये हम तैयार नहीं हैं।

स्वामी आदित्यवेश: आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से हय जानना चाहूंगा कि जिन 12 शराब के ठेकेदारों के लाईसैंस कैन्सिल किए गए हैं उनमें से कितने व्यक्तियों को सन् 1981–82 के लिये लाईसैंस दिए गए हैं?

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, यह इत्तलाह इस वक्त मेरे पाास नहीं है। इसके लिये तो इन्हें सैपरेट नोटिस देना पड़ेगा। वैसे वे ले नहीं सकते क्योंकि वे जो जेल में हैं, उनकी तो जमानत भी नहीं हुई है। जो ठेकेदार ब्लैक लिस्ट हो जाते हैं उनको हम दुबारा लाईसैंस नहीं देते।

श्री मूल चन्द मंगला: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने क्वैश्चन के पार्ट (बी) और (सी) के जवाब में कहा है कि –

"216 sample from various vends have been found spurious. Licences of 12 vends have been cancelled and their securities have been forfeited....."

मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि 216 केसिज में से केवल 12 के ही लाईसैंस क्यों कैन्सिल किए गए और बाकियों के साथ रियायत क्यों की गई?

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, एक दुकान से हम कई नमूने ले लेते हैं क्योंकि ये भाई जानते हैं कि शराब कोर्ठ 100 तरह की होती है। कई बार तो एक दुकान से हम 100 नमूने भी ले लेते हैं जबकि उसका लाईसेंस एक होता है। (विघ्न) कोई लाभ परी है, कोई पीली परी है ओर कोई हरी परी है। उदाहरण के तौर पर पर मैं बता दूं कि जींद में 4 दुकानें हैं लेकिन सैम्पल हमने 179 लिये है। (विघ्न)

चौ. हुक्त सिंह: स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि दिसम्बर 1980 से पहले कितनी दुकानें चैक की गई ओर कितने सैम्पल्ज भरे गए?

श्री अध्यक्ष: इसके लिये आपको सैपरेट नोटिस देना पड़ेगा क्योंकि यह सवाल केवल दिसम्बर महीने से सम्बन्धित था, उससे पहले की इन्फर्मेशन इसमें नहीं मांगी गई थी।

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, इसके लिये ये सैपरेट नोटिस दे दें जवाब दे दिया जाएगा।

तारांकित प्रश्न संख्या 2047 पर आधे घंटे की चर्चा की मांग

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, इस पर आधे घंटे की चर्चा होनी चाहिए।

चौ. राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि इस सवाल पर हाफ एन आवर डिसकशन होना चाहिए। यह बड़ा इम्पौटैंट मामला है और सारी अपोजीशन इस बात को चाहती है। सबने इस नोटिस पर साईन भी कर रखे हैं।

Mr. Speaker: This is no question. If you send the notice to me in writing, I will examine it.

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री दीप चन्द भाटिया: स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि फरीदाबाद में मोती राम भाटिया को इस साल शराब का ठेका कैसे मिल गया जबकि पिछले साल वह शराब के केस में पकड़ा गया था? (शोर)

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, हो सकता है कि उसका जुर्म साबित न हुआ हो। वैसे जो ठेकेदार ब्लैक लिस्ट हो जाता है उसको हम कंसिडर नहीं करते हैं। उसने किसी दूसरे नाम से ठेका ले लिया हो तो उसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता। (विघ्न) हम इंक्वायरी करवा लेंगे, माननीय सदस्य उसका नाम लिख कर मुझे दे दें या मेरे कमरे मैं आकर मुझ से बाम कर लें।

श्री अध्यक्ष: इस लिस्ट में मीती राम भाटिया का नाम तो है।

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, मुझे विश्वास ळे कि अब उसके नाम पर ठेका नहीं गया होगा।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि क्या इन ठेकों पर जो गड़बड़ हुई है उसका कारण सरकार द्वारा जारी किया गया वह सर्कुलर नहीं है जिसके तहत यह कहा है कि पुलिस इन ठेकों की तलाशी न ले और न रेड करे?

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, पुलिस की रेड तो हमने शुरू करवाई है और पुलिस हर रोज रेड करती है। सारे सैम्पल्ज तो 2373 लिए गए थे और उनमें से 216 गलत पाए गए हैं। 6 गाड़ियों हमने अलग से इस काम के लिए मुकर्रर कर दी हैं। एक गाड़ी के जिम्मे हमने दो जिले कर दिये हैं। (शोर)

स्पीकर साहब, आयंदा हम इस तरह की बात नहीं होने देंगे। (विघ्न)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मेरा सवाल यह था कि कालांवाली और नरवाना में जो नाजायज शराब बिकी और वाक्यात हुए उसका कारण चिट्ठी तो नहीं है जो इन्होंने जारी की थी और जिसमें कहा था कि पुलिस ठेकों की रेड नहीं करेगी?

Mr. Speaker: the present position is that the police can conduct the raids. Now there is no use to go into the background of the whole matter.

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, बहुत से लोगों ने रिप्रजैन्टेशन दी थी और उस वक्त श्री बलवन्त राय तायल जी इस महकमें के वजीर हुआ करते थे। उन्होंने कहा था कि कांस्टेबल, हैड कांस्टेबल और ए.एस.आई. रेड करते हैं ओर हमें बहुत परेशान करते हैं इस लिये कम से कम क्लास वन आफिसर रेड करे। हैड कांस्टेबल, ए.एस.आई. का कांस्टेबल रेड न करें। हमने डी.एस.पी. रैंक के आफिसर को चैंकिग के लिये पावर दे दी और यह कहा कि इससे नीचे का अधिकारी ठेकों पर रेड न करे लेकिन जब यह महसूस हुआ कि बहुत ज्यादा ट्रेजरी हो गई है तो हमने ए.एस. आई. तक के अधिकारी को भी पूरा अधिकार दे दिया कि वे भी ठेकों की चैकिंग कर सकते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह: हमने इस सवाल के बारे में लिख कर दिया है कि हाफ एन आवर डिस्कशन होनी चाहिए।

Mr. Speaker: I have already said that if a notice is received, I will see to it. (Interruptions.) Personally, however, I feel that we have spent sufficient time on this question.

Incentive to farmers producing best crops

***2059. Ch. Sant Kanwar**: Will the Minister for Agriculture be pleased to state –

(a) whether any incentive are given by the Government to those farmers who produce best crops; if so, the details thereof; and

(b) the names of the farmers who produced best crop of Bajra during the current year in district Rohtak together with the incentives given to them?

कृशि मंत्री (श्री शमशेर सिंह):

(क) फसल प्रतिस्पर्धा स्कीम जिसके तहत किसानों को महत्वपूण्र फसलों का अधिक उत्पादन करने के लिये इनाम दिये जाते थे, वह वर्श 1973–74 से बन्द कर दी गई थी, क्योंकि इस स्कीम का बड़ा सीमित लाभ था। इसलिये अब अधिक फसल पैदा करने वाले किसानों को व्यक्तिगत तौर पर कोई ईनाम नहीं दिया जाता है। कृशि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये सरकार किसानों

को अच्छे बीजों कीटनाशक दवाईयों तथा फासफेटिक खादों पर अनुदान के रूप में प्रोत्साहन देती है।

(ख) उपरोक्त ''क'' के सम्बन्ध में दिये गये उत्तर के दृश्टिगत प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

चौ. संत कंवर: स्पीकर साहब सन् 1973–74 से पहले बढ़िया फसल पैदा करने वाले किसानों को इनसैन्टिव दिया जाता था जिसके कारण किसानों में अच्छी फसल पैदा करने की होड़ लगती थी। मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या दुबारा इनसैन्टिव देने वाली स्कीम को चालू करेंगें?

श्री शमशेर सिंह: अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले अर्ज किया है, उसका लाभ बहुत सीमित था। चन्द किसानों को लाभ मिल पाया था यानी जो बहुत अमीर किसान थे सिर्फ उनको ही लाभ पहुंचता था। उसको रिवाइज करके सरकार ने पालिसी बनायी है कि इसकी बजाए छोटे और साधारण किसानों को लाभ किस तरह से पहुंचाया जाये। इसके लिए पांच छः फैसले सरकार ने लिये हैं वे मैं आपकी आज्ञा से हाउस में पढ़ना चाहता हूं – जो अच्छे और नये किसम के बीज हैं उन पर सरकार सबसिडी देती हैं इसी तरह से पैस्टीसाइड, वीडीसाइ ड और इन्सैक्टीसाइड के लिये भी सबसिडी दी जाती है। फास्फेटिक फर्टिलाइजर और चनले परभी सबसिडी देने का फैसला किया है। छोटे किसानों की फसलों पर बिना पैसे लिए हुए एरियल स्प्रे किया जाता हे ओर जो

दरमियाने किसान हैं या बड़े किसान हैं उनसे भी ग्रेडेशन से चार्जिज लिए जाते हैं। इस पर भी सबसिडी है। इसी तरह जिप्सम पर भी सबसिडी है। अध्यक्ष महोयद उसके अलावा लैन्ड लैवलिंग और अन्डर ग्राउन्ड वाअर चैनल परभी सबसिडी है। स्प्रिकलिंग इरीगेशन पर भी सबसिडी है और एक्सपलोरेटिड टयूबवैल अगर कामयाब न हो तो कोई चार्जिज नहीं है। जो साइटिफिक एक्सटेंशन वर्क है उसकी भी फ्री सर्विस किसानों को दी जाती है।

श्री अध्यक्ष: यह सबसिडी सिर्फ स्माल फारमर्ज और मार्जनल फारमर्ज को ही दी जाती है या हर बड़े फारमर को भी दी जाती है?

श्री शमेशार सिंह: अध्यक्ष महोदय जैसे बीज हैं, इनमें सभी फारमर्ज को दी जाती है। पैस्टीसाइड, वीडीसाईड ओर इनसैक्टीसाइड में भी सभी फारमर्ज को दी जाती है। बाकी जिप्सम पर जो छोटे किसान हैं उन्हें पचास परसैन्ट और बड़े किसानों को 25 परसैन्ट सबसिडी दी जाती है।

चौ. हरस्वरूप बूरा: मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सन् 1973–74 से पहले जो इनसैन्टिव दिया जाता था, वह क्या था?

श्री शमशेर सिंह: तीन तरह के कम्पीटिशन होते थे। एक देश स्तर पर, दूसरा प्रान्त स्तर पर और तीसरा जिला स्तर होता था। तीन तीन प्राइज देश ओर प्रान्त स्तर पर दिये जाते थे

और दो प्राइज जिला स्तर पर दिये जाते थे। उनकी रकम इस प्रकार थी – देश स्तर पर पहले प्राइज पांच हजार का, दूसरा तीन हजार का और तीसरा प्राइज दो हजार का होता था। प्रान्त स्तर पर पहला प्राइज तीन हजार का दूसरा दो हजार का और तीसरा एक हजार का होता था। इसी प्रकार से जिला स्तर पर पहला प्राइज 600 रूपये का और दूसरा प्राइज 400 रूपये का होता था।

Mr. Speaker: I must congratulate the Hon. Minister again on a very clear and a detailed reply.

चौ. उदय सिंह दलाल: स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया है कि जिप्सम पर सबसिडी दी जाती है लेकिन मैं एक बात क्लियर करना चाहता हूं कि पहले 83 परसैन्ट सबसिडी दी जाती थी और दो रूपये कुछ पैसे एक कट्टे के हिसाब से चार्ज किये जाते थे लेकिन इस सरकार के आने के पश्चात आठ रूपये कुछ पैसे कट्टे के चार्ज किये जाते हैं। सबसिडी 83 परसैन्ट से घटा रक 50 परसैन्ट कर दी है। इसलिये मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि जो मैं कह रहा हूं क्या यह बात सच है?

श्री शमशेर सिंह: अध्यक्ष महोदय जो बात दलाल साहब ने कही है वह सच है। पिछले सालों में छोटे फारमर्ज को 83 परसैन्ट सबसिडी दी जाती थी और बड़े फारमर्ज को पचास परसैन्ट जिप्सम पर सबसिडी दी जाती थी। सरकार ने यह सबसिडी रिवाइज की है। पहले यह प्रोग्राम काफी पापुलर हो चुका

था। अब बड़े किसानों को 25 परसैन्ट और छोटे किसानों को पचास परसैन्ट सबसिडी दी जाती है लेकिन मुख्यमंत्री जी को रिप्रजैन्टेशन दिया गया है कि इस पर गौर किया जाए और सबसिडी अधिक दी जाए। इन्होंने अफसरों की एक हाई लैवल पर कमेटी बनायी है जिसकी दो चार दिन में मीटिंग भी होने वाली है कि इस सबसिडी को दुबारा रिवाइज करके ज्यादा किया जाए या नहीं।

श्री गुलजार सिंह: मंत्री महोदय ने जवाब दिया कि किसानों को अच्छे बीज, दवाईयों और जिप्सम पर सबसिडी दी जाती है। देखने में आया है कि जो अच्छी क्वालिटी के बीज और अच्छी दवाइयां मार्किट में आती हैं, आम साधारण किसान को वे रियायत पर नहीं मिल पाती हैं। क्या मंत्री महोदय सबसिडी देने के तरीके में सुधार करेंगे ताकि साधारण किसान को जिसकी एप्रोच नहीं है ये बीज और इवाइयां मुहैया हो सकें।

श्री शमशेर सिंह: सरकार पहले ही इस बात पर बहुत तफसील से गौर कर रही है कि सारे सिस्टम को किस तरह से स्ट्रीम लाईन किया जाये। आनरेबल मैबर कोई कंकरीट सुझाव देंगे तो जरूर गौर करेंगे।

चौ. उदय सिंह दलाल: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब क्लियर नहीं आया।

श्री अध्यक्ष: उन्होंने जवाब क्लियर कर दिया है। आप जो कह रहे थे वह दुरूस्त है कि पहले 83 परसैन्ट सबसिडी दी जाती थी लेकिन अब 50 परसैन्ट दी जाती है।

चौ. उदय सिंह दलाल: पहले दो रूपये कुछ पैसे भाव था लेकिन अब 8 रूपये कुछ पैस कट्टे का भाव है।

श्री शमशेर सिंह: सबसिडी कम होने से रेट ज्यादा हो गये हैं।

श्री भागीराम: स्पीकर साहब मंत्री महोयद से जानना चाहूंगा कि जिस तरह से मंत्री जी ने बताया है कि बीज पर सबसिडी वगैरह देते हैं। काफी बड़े बड़े लोगों को ही पता है कि बीज पर सबसिडी दी जाती है। इसी साल सरकार की तरफ से हर जिले में चने के बीज पर सबसिडी दी गई थी। वह बीज ब्लैक में बेचा गया। थोड़ा बहुत किसी को दिया गया वरना सारा का सारा बीज ब्लैक में बिका है। हिसार में ब्लैक में बिका है। क्या यह बात सही है या नहीं?

श्री शमशेर सिंह: अध्यक्ष महोदय इस सप्लीमेंटरी का मेन सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं। मेरे पास इस बात की इन्फर्मेशन भी नहीं है। अगर कोई इन्स्टान्स बतायेंगे तो जरूर गौर करेंगे।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): चने के सीड के विशय में सरकार के पास शिकायत आयी थी। हिसार, भिवानी और सिरसा में ज्यादा चना बोया जाता है। इन जिलों में सरकार ने चने का

बीज भेजा था लेकिन भव ऊंचा हो गया जिसके कारण ऐसा हुआ। यह बात ठीक है और कुछ थोड़ी बहुत गलतियां सरकार के नोटिस में आयी हैं। हम बाकायदा जांच करवा रहे हैं। विजीलैन्स डिपार्टमैंट जांच कर रहा है। जिस किसी अधिकारी का कसूर मिलेगा उसे माफ नहीं किया जायेगा।

Compensation for the land acquired for the construction of roads in district Bhiwani

***1947. Sh. Surender Singh**: Will the Minister for Public Works (Buildings and Roads) be pleased to state –

(a) the total amount of compensation to be paid for the land acquired for the construction of roads in Bhiwani district as at present; and

(b) the time by which the payment of compensation to the land owners is likely to be made?

लोक निर्माण मंत्री (कंवर राम पाल सिंह):

(क) 8.30 लाख रूपये।

(ख) अगले एक वर्श में इन बकायों की अदायगी करने के लिये पूरे प्रयत्न किये जायेंगे।

श्री सुरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब के ''बी'' भाग में कहा है कि "all effects will be made to

clear these dues within the next one year" यह बड़ा वेग रिप्लाई है। स्पीकर साहब, भिवानी जिले में पहले ही अकाल पड़ा हुआ है और जिन जिन किसानों को पैसा देना है उनके बारे में सरकार को पता है। तो क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो 8.30 लाख रूपये मुआवजा देने के बकाया हैं, क्या सरकार दो महीनों में इस मुआवजे को दिलाने की कोशिश करेगी?

कंवर राम पाल: स्पीकर साहब, पैसा देने के लिए प्रोसीजर है। जिस समय तक एवार्ड नहीं आ जाता उस समय तक पेमैंट नहीं हो सकती। पहले एवार्ड ठीक समय पर न होने का एक कारण यह भी था कि जो एल.ए.ओज. वहां लगते थे उनकी कोशिश यही होती थी कि वे वहां पर न रहे। पिछले सैशन में भी मुख्यमंत्री महोदय ने यह अश्योरेंस दी थी कि एल.ए.ओज. के ट्रांसफर जल्दी नहीं होंगे। जब से हमने ट्रांसफर की पालिसी चेंज की है इस काम में काफी प्रगति हुई है।

श्री अध्यक्ष: अब तो उनके लिये स्पैशल पे भी सैन्क्शन हो गई है।

कंवर राम पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, इसीलिये तो इस साल पेमैंट के कार्य में काफी प्रोग्रैस हुई है। पीछे हम 55 लाख रूपये के करीब पेमैंट प्रतिवर्श के हिसाब से करते थे लेकिन जब से ट्रांसफर की पालिसी चेंज की है तब से हमने पिछले साल 1 करोड़ 60 लाख रूपये की पेमैंट की है।

श्री सुरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं ऐसा समझता हूं कि शायद इन केसो में एवार्ड हो चुके हैं। इसलिये मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस मामले पर शीघ्र गौर करें ताकि वहां के किसानों को अधिक दिक्कत का सामना न करना पड़े।

Mr. Speaker: In this respect, I would say taht non payment of compensation causes a lot of hardship. जैसा अभी आनरेबल मैम्बर ने कहा है कि भिवानी वगैरा में अकाल की स्थिति है, इसलिए I would request the Government to take urgent steps to clear the payment of compensation within 3 or 4 months instead of one year.

कंवर राम पाल सिंह: जी जमीन एक्वायर की गई उसकी पिछले एक साल से 1 लाख 3 हजार 5 सौ रूपये की पेमैंट बकाया है। एक और सड़क सिवानी–तलवंडी–बादहशापुर है इसके लिए एक्वायर की गई जमीन की भी पेमैंट पिछले एक साल से बकाया है। स्पीकर साहब, हमारे पास एक साल से तीन साल तक की बकाया रकम 5912 रूपये है, तीन साल से पांच साल तक की बकाया राशि 70253 रूपये है और पांच साल से ज्यादा की बकाया रकम 6 लाख 50 हजार 65 रूपये है। यह पांच साल की बकाया रकम उस समय की है जिस समय क्रैश प्रोग्राम चला था। यह पेमैंट उस जगह की है जहां पर हमने किसानों की जमीन एक्वायर करके सड़कें तो बना दीं लेकिन पेमैंट नहीं की। हमारी यह पूरी कोशिश है कि इसकी पेमैंट जल्दी से जल्दी की जा सके।

चौ. रिजक राम: मंत्री महोदय ने बतया है कि साढ़े आठ लाख रूपये के करीब पेमैंट उस समय की जायेगी जिस समय इस जमीन का एवार्ड हो जायेगा। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या जमीन का एवार्ड आ चुका है या नहीं?

कंवर राम पाल सिंह: अध्यक्ष, महोदय, कुछ ऐसी जमीने हैं जिनका एवार्ड हो चुका है और कुछ ऐसी हैं जिनका अभी तक एवार्ड नहीं हुआ है। जैसा कि मैंने अभी भिवानी के केस में बताया है कि इसको रकम का अनुमान लगा लिया गया है लेकिन अभी तक उस जमीन का एवार्ड नहीं हुआ है। जिस समय एवार्ड हो जायेगा उसी समय यह पेमैंट कर दी जायेगी।

डा. मंगल सैन: जिस जमीन के बारे में इस प्र न में उल्लेख है वह जमीन कब एक्वायर की गई थी और कब एवार्ड घोशित किया गया?

श्री अध्यक्ष: इन्होंने अभी बताया है कि 5 साल से ज्यादा की बकाया रकम साढ़े 6 लाख रूपये है।

कंवर राम पाल सिंह: कहां कहां पर जमीन एक्वायर की गई और कितनी–कितनी एक्वायर की गई इसके लिये अलग से नोटिस दे दीजिए, बता दिया जायेगा।

डा. मंगल सैन: क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह 8.30 लाख रूपये किस–किस जमीन के बकाया हैं?

कंवर राम पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, यह पैसा किसी एक सड़क के लिये एक्वायर की गई जमीन का बकाया नहीं है, बल्कि भिवानी जिले में सड़कों के निर्माण के लिए अर्जित की गई भूमि के लिये इस समय मुआवजे की कुछ देय राशि का है।

श्री अध्यक्ष: अगर आपके पास पूरी इन्फर्मेशन है तो बता दीजिए वरनास अलग से नोटिस के लिये कहिए।

कंवर राम पाल सिंह: स्पीकर साहब, इसके लिए अलग से नोटिस दें।

चौ. अजीत सिंह: जो यह साढ़े आठ लाख रूपये के करीब रकम जिस समय से बकाया है तब से लेकर जिस समय तक यह पेमैंट की जायेगी क्या उस पर कोई ब्याज आदि सरकार देगी या नहीं?

कंवर राम पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, सरकार की पालिसी है कि अगर हम जमीन लेकर उस पर सड़क बना लेते हैं और पेमैंट नहीं करते है तो जिस समय पेमैंट की जाती है उस समय उस राशि पर ब्यान भी दिया जाता है।

श्री अध्यक्ष: अगर आप जमीन एक्वायर कर लें और सड़क नहीं बनाये तो क्या उस सूद नहीं देंगे?

कंवर राम पाल सिंह: स्पीकर साहब, यदि जमीन एक्वायर कर लेते हैं और सड़क नहीं बनती तो भी उस राशि पर ब्याज दिया जाता है।

श्री अध्यक्ष: जब जमीन एक्वायर करने के बाद नोटिफिकेशन हो जाता है और सरकार पेमेंट नहीं करती है तो उस स्थिति में क्या करते है?

कंवर राम पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, यदि एवार्ड नहीं होता और हम जमीन का पोजैशन ले लेते हैं तो भी उस राशि पर ब्यान देते हैं।

चौ. हरस्वरूप बूरा: अध्यक्ष महोदय, एक एल.ए.ओ. के पास काफी एरिया एलोकेट होता है और यही मुश्किल होती है कि उसके पास समय नहीं है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सरकार का एल.ए.ओ. की संख्या बढ़ाने का कोई विचार है?

कंवर राम पाल सिंह: सन् 1977 तक हमारे पास एक एल.ए.ओ. होता था। एन 1977–78 के बाद दूसरे एल.ए.ओ. की पोस्ट मन्जूर हुई है। उसके बाद से पेमैंट में काफी प्रोग्रैस हुई है।

श्री रणसिंह मान: एवार्ड जल्दी दिए जा सकें कया इसके लिए महकमें को कोई निर्देश दे रखें हैं या दिए जाने वाले हैं?

कंवर राम पाल सिंह: यह आदेश दिए जा चुके हैं कि एवार्ड जल्दी से जल्दी दिए जाएं।

चौ. जयनारायण: क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि पिछले साल जो पेमैंट किसानों को की गई है उसमें ब्याज कितना है?

श्री अध्यक्ष: इसके लिए अलग से नोटिस चाहिए।

श्रीमती सुशमा स्वराज: मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि इस बकाया राशि का रेट आफ इन्ट्रैस्ट क्या है?

कंवर राम पाल सिंह: जो रेट गवर्नमैंट का फिक्सड है उसी के हिसार से हम देते हैं।

Smt. Sushma Swaraj: I do not know, the rate of interest, Sir.

Mr. Speaker: This information can easily be available from the department.

Smt. Sushma Swaraj: Then why is it not given in the House? (Interruptions.)

Mr. Speaker: Order please. Kindly listen the reply.

Finance Minister (Ch. Khurshid Ahmed): This information has been provided in the Land Acquisitioin Act. The hon. Member can read that Act.

चौ. गंगा राम: स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी को भी पता नहीं है, वह भी पूछने लग रहे हैं। (व्यवधान व शोर)

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय 6 प्रतिशत सूद देते हैं।

Mr. Speaker: Question Hour is not over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Expenditure incurred on the creation of tehsils, sub-tehsils in the State.

***1943. Sh. Hira Nand Arya**: Will the Minister for Revenue be pleased to state the total increase in expenditure on administration on the sub-tehsils, tehsils and sub-divisions created during the last three years?

राजस्व मंत्री (चौ. शेर सिंह): पिछले तीन वर्शो में राज्य में सब–तहसीलों, तहसीलों तथा उपमंण्डल की स्थापना पर लगभग 8,66,572 रूपये का अतिरिक्त खर्च बढ़ा है।

Ad-hoc appointments

***1952. Ch. Har Swarup Bura**: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to stop ad-hoc appointments in the various Departments of the State Government with effect from 31st March, 1981?

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal): No, please.

Kuloi and Jindran Minors

***2056 Chaudhri Hari Chand Hooda :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the Kiloi and Jindran Minors in District Rohtak have been made perennial; if not, the reasons therefor?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह): किलोई तथा जिन्दरान माईनर परीनियल हैं तथा निर्माणधीन हैं।

Report of the Vigilance Department regarding embezzlement of salees tax

***1973. Chaudhri Ude Singh Dalal :** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state whether any report has recently been submitted by the Director, Vigilance, Haryana, to the Government regarding embezzlement of Sales Tax in District Rohtak; if so, the action taken thereon ?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौ. मेहर सिंह राठी): हाल ही में तो ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है किन्तु निदेशक, चौकसी विभाग, हरियाणा ने काफी पहले एक शिकायत की छान बीन की थी जिसमें यह आरोप था कि दो ट्रकों ने सेल्ज टैक्स चैक बैरियर, बादली के रास्ते इस बैरयिर को बाई–पास करके

दिल्ली को माल ढोया है और उसमें टैक्स की चोरी है। निदेशक, चौकसी की रिपोर्ट जनवरी, 1979 में प्राप्त हुई थी। उस रिपोर्ट पर विचार करने के बाद बादली बैरियर पर तैनात रहे कर्मचारियों की जवाबतलबी की गई थी। उनके उत्तर प्राप्त हो चुके हैं और अब विचारधीन हैं।

Concessional rate in electricity tariff

***1988. Shri Ran Singh Mann :** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state-

(a) whether any concession was given in electricity rates to any area in the State during 1980-81; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to give such concessions to the areas which are as backward or even more backward that the areas referred to in part (a) above?

Irrigation & Power Minister (Sardar Tara Singh) :

(a) Yes. From September, 1980 a concessional rate of 12 paise per unit for metered agricultural pumping sets and Rs. 10 per BHP per month for flat rate agricultural consumers was made applicable to district Mohindergarh in view of the scarcity of water and abnormal depth.

(b) No.

Construction of Barwala-Jind road

***2067. Shri Jai Narain Verma :** Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state the date on which construction of Barwala-Jind road was completed and whether the said road has been opened for traffic; if not, the reasons therefor ?

Public Works Minister (Kanwar Ram Pal Singh) : Barwala-Jind road wa completed in February, 1980 except the bridge over Barwala Branch Canal at Km. 8.52. The road has been opened to Traffic except for the through traffic due to non-completion of the bridge over Barwala Branch Canal. It has not been possible to construct this bridge for want of closure in the Canal on account of acute demand of irrigation water by the cultivators.

Grants for the construction of chaupals for the persons belonging to Scheduled Castes and Backward Classes.

***2014. Chaudhri Ram Lal Wadhwa :** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state-

(a) the districtwise toatl amount of grants given for the construction of each Chaupal for th epersons belonging to Scheduled Castes and Backward Classes in the State during the period from 1.4.1979 to 31.3.1980 and 1.4.1980 to-date, separately; and

(b) the districtwise total amount of grants out of the grants referred to in part (a) above given after the present Congress (I) Ministry was formed, separately ?

Minister of State for Public Works (Smt. Shakuntla Bhagwarla):

(a)& (b) Statements are laid on the Table of the House.

Statement-I

Statement showing the Districtwise total amount of grant given for construction of each chaupal for the persons belonging to Scheduled Castes and Backward Classes in the State during the period from 1-4-1979 to 31-3-1980.

Sr. No.	Name of Place	Amount sanctioned
1	Bishangarh	10000.00
2	Kolan I	2500.00
3	Kolan II	2500.00
4	Khatoli	5000.00
5	Boh	8000.00
6	Dhankar	5224.00
7	Sahibpur	3000.00

8	Mandhoure	4500.00
9	Kakru	6500.00
10	Nanhera	8000.00
11	Ghasitpur	6000.00
12	Panjokhera I	6500.00
13	Panjokhera II	9000.00
14	Tundla	7000.00
15	Rampur (Satsri)	3000.00
16	Mohri	7000.00
17	Majri	4000.00
18	Dhurana	3000.00
19	Jansui	3000.00
20	Kalarheari	4000.00
21	Nadali	10000.00
22	Shahpur	6000.00
23	Mohara I	4000.00
24	Mohara II	4000.00
25	Nanhera III	5000.00
26	Ambala Cantt.	2500.00

	(Cross Road)	
27	Ramba Road	5100.00
28	Ambala Cantt. (Mochi Mandi)	5000.00
29	Ambala Cantt. (Rangia Mandi)	10000.00
30	Ambala Cantt. (Basti Jonkidig)	10000.00
31	Ambala Cantt. (B.C. Bazar)	5000.00
32	Suller	5000.00
33	Seeoli	9000.00
34	Kalu Majra	2000.00
35	Naggal	1000.00
36	Mokha Majra (Dhurkhara)	2233.00
37	Sardaheri	2850.00
38	Dhanduri	3800.00
39	Duliana	4000.00
40	Bita	4500.00
41	Rukri	2500.00

42	Tepla I	2900.00
43	Tepla II (Chhapra)	3700.00
44	Sarakpur	8000.00
45	Ramgarh	1500.00
46	Alawalpur	7000.00
47	Dera Salimpur	2000.00
48	Sirasgarh	9000.00
49	Sewan majra	9000.00
50	Kalpi	6000.00
51	Hema Majra	5000.00
52	Binjalpur	3000.00
53	Kasrela	5000.00
54	Uplana	5000.00
55	Tandwali	3000.00
56	Gola	1200.00
57	Rajokhori	3900.00
58	Subri	6000.00
59	Toka	2000.00
60	Sajanmajri	2000.00

61	Tandwal	3750.00
62	Manka Manki	4250.00
63	Suhana	1000.00
64	Sarakpur	2600.00
65	Rampur	4000.00
66	Toba	2500.00
67	Dyalgarh	5000.00
68	Kenkpur	2000.00
69	Khurdi	5000.00
70	Jhar Chandna	10000.00
71	Bahadurpur	6000.00
72	Sultanpur	7500.00
73	Mali Majra	5000.00
74	Harnaul	5000.00
75	Amadalpur	5000.00
76	Tejli	5000.00
77	Chhapar	5000.00
78	Sabapur	10000.00
79	Ratauli	5000.00

80	Hargarh	6000.00
81	Kherafarm	5000.00
82	Jaghadri (Harijan Basti)	10000.00
83	Machrauli	3000.00
84	Ramgarh Majra	2000.00
85	Shahkumaspur	6000.00
86	Kurali	6000.00
87	Katarwali	6000.00
88	Pipuwala	6000.00
89	Nagla Jagir	6000.00
90	Ramkheri	6000.00
91	Bhagwanpur	6000.00
92	Makhaur	6000.00
93	Kapuri Khurd	6000.00
94	Marwa Khurd	7000.00
95	Nawasahar	1000.00
96	Jagdhauli	10000.00
97	Chhachhrauli	7500.00

98	Taharpur Kalan	7000.00
99	Bhur Kalan	10000.00
100	Dhimel	5000.00
101	Balachaur	3000.00
102	Kharwan I	10000.00
103	Kharwan II	7500.00
104	Ledi	3700.00
105	Kotmustarka	3500.00
106	Kotbaswa Singh	5000.00
107	Kisan Pura	5065.00
108	Devodhar	2000.00
109	Nandwal	10000.00
110	Jaitpur I	4400.00
111	Bahadurpur	5000.00
112	Khijri	2800.00
113	Ganauli	2000.00
114	Khadri	1500.00
115	Naraingarh I	10000.00
116	Naraingarh II	7500.00

117	Isham Nagar	10000.00
118	Kurasan	10000.00
119	Husani	10000.00
120	Shadipur	7000.00
121	Dera	10000.00
122	Rathali	7500.00
123	Chaju Majra	10000.00
124	Kilak Husani	10000.00
125	Gadhauli	10000.00
126	Geoli	6000.00
127	Todarpu (Nayagaon)	10000.00
128	Kalyana	6000.00
129	Nasraluli	10000.00
130	Haveli	9000.00
131	Rachkeri	10000.00
132	Panjlasa	10000.00
133	Noshera	10000.00
134	Banodi	7500.00

135	Lotan	7500.00
136	Lakhoora	7500.00
137	Batuara	7500.00
138	Handikhera	7500.00
139	Rehore	10000.00
140	Manak Tabra	7500.00
141	Rukri	9000.00
142	Kot	7500.00
143	Jaloli	12000.00
144	Sultanpur	7500.00
145	Raiwali	10000.00
146	Sukhdershanpur	7500.00
147	Bherli	10000.00
148	Hangola	10000.00
149	Harroli	10000.00
150	Toka	9000.00
151	Shahzadpur I	10000.00
152	Shahzadpur II	10000.00
153	Mauli	12000.00

154	Nagal	7500.00
155	Barwala	10000.00
156	Hangola	10000.00
157	Kheri	7500.00
158	Manglore	10000.00
159	Baragarh	7500.00
160	Kalal Majri	9000.00
161	Ali Pur	10000.00
162	Ali Pur	1500.00
163	Kheri	10000.00
164	Tharwa	10000.00
165	Dhana	5500.00
166	Fatehgarh	2400.00
167	Bagwali	3250.00
168	Bilaspur	6000.00
169	Shahpur	7500.00
170	Dhandaru	7500.00
171	Baramly	7500.00
172	Khurdi	2500.00

173	Pateri	6000.00
174	Mangloonr	1500.00
175	Nagal Jatan	2500.00
176	Rajpura	2700.00
177	Saidapur	2500.00
178	Nagalrutal	10000.00
179	Bar	10000.00
180	Karanpur	10000.00
181	Chandi Mandir	10000.00
182	Rampur Jangi	12500.00
183	Pinjore	7500.00
184	Majri	10500.00
185	Kona (Kolfateh Singh)	17500.00
186	Chikan (Narainpur)	10000.00
187	Chikan (Derabasi)	10000.00
188	Majra Mehtab	10000.00
189	Kharak Manghali	10000.00
190	Manakpur Nanak	10000.00

	Chand	
191	Chandi Mandir	7500.00
192	Shahpur	2500.00
	Total	1248822.00
2. District Bhiwani		
1	Balkara	10000.00
2	Pandwan	5000.00
3	Balkara	10000.00
4	Badal	10000.00
5	Narsingwas	5000.00
6	Khatibatter	10000.00
7	Balali	10000.00
8	Chiriya	2000.00
9	Khawa	10000.00
10	Gudha	3000.00
11	Garwa Kharkrai	4000.00
12	Siwani	10000.00
13	Dhulkot	10000.00
14	Mahtani	10000.00

15	Bawra	4000.00
16	Bilawal	10000.00
17	Dhanesri	10000.00
18	Bilawal	10000.00
19	Atela Naya	10000.00
20	Pichopa Khurd	10000.00
21	Pichopa Khurd	10000.00
22	Kakroli Hatoi	10000.00
23	Talwandi Badhhapur	10000.00
24	Harita	2500.00
25	Sipar	10000.00
26	Lahari Jatu	10000.00
27	Bohal	10000.00
28	Baloyali	10000.00
29	Misri	3000.00
30	Ranila	10000.00
31	Makrani	10000.00
32	Sanwar	5000.00

33	Rawaldhi	10000.00
34	Khatiwas	10000.00
35	Loharwara	10000.00
36	Makrani	8000.00
37	Hindol	10000.00
38	Achina	10000.00
39	Hindol	10000.00
40	Bas Khurd	6000.00
41	Bairan	10000.00
42	Budheri	10000.00
43	Behal	10000.00
44	Kural Ka Bas	2000.00
45	Pahari	10000.00
46	Dhani Khurd	10000.00
47	Kaluwas	9500.00
48	Moluwala Tank Bhiwani	10000.00
49	Tigrana (Pana Sajran)	7000.00

50	Devsar Gate Bhiwani	10000.00
51	Bawri Gate Bhiwani	10000.00
52	Kairu	5000.00
53	Jitanwas	10000.00
54	Legha Hetan	10000.00
55	Mitathal	10000.00
56	Haluwas	10000.00
	Total	481000.00
3. District Faridabad		
1	Pali	5000.00
2	Palwali	5000.00
3	Badshahpur	3000.00
4	Bhiwapur	2000.00
5	Kawar	1000.00
6	Tigaw	2000.00
7	Sotai	5000.00
8	Kharwali	5000.00

9	Chhasa	5000.00
10	Mohan	6000.00
11	Garkhar	6000.00
12	Dayalpur	5000.00
13	Dhoj	2000.00
14	Jawan	3000.00
15	Ghughera	6000.00
16	Chandhar	10000.00
17	Karwan	7500.00
18	Dighot	10000.00
19	Mandoli	7500.00
20	Baroli	7500.00
21	Gudrawa	7500.00
22	Maptolibijay gar	5000.00
23	Atoha	7500.00
24	Babnikhera	5000.00
25	Bala	2000.00
26	Silothi	5000.00
27	Bamchari	3000.00

28	Gudrana	5000.00
29	Bhatowa	2500.00
30	Kushak	6000.00
31	Buhlwana	2000.00
32	Baswa	3000.00
33	Amroli	3000.00
34	Dakera	2000.00
35	Baroli	3000.00
36	Bidhawali	6400.00
37	Rerozepur Rajpur	3500.00
	Total	175500.00
4. District Gurgaon		
1	Molahera	10000.00
2	Budehra	5000.00
3	Dharampur	5000.00
4	Khandsa	5000.00
5	Mohamadpurihadsa	10000.00
6	Fajalpur	10000.00
7	Farukhnagar	5000.00

8	Batihajipur	5000.00
9	Sarhol	6000.00
10	Kadipur	5000.00
11	Kanhai	5000.00
12	Kherakhurampur	5000.00
13	Mewka	5000.00
14	Kherimajra Dhankot	5000.00
15	Musedpur	5000.00
16	Rajpura	5000.00
17	Dhatiawas	5000.00
18	Nurgarh	10000.00
19	Jasat	5000.00
20	Khalilpur	10000.00
21	Nanukalan	10000.00
22	Lohada	10000.00
23	Mirjapur	5000.00
24	Patodi	10000.00
25	Kharkhadi	5000.00

26	Tikli	5000.00
27	Mundawar	7000.00
28	Naharpurbasan	5000.00
29	Garhibajidpur	3000.00
30	Harchandpur	4000.00
31	Alipur	5000.00
32	Fajalwas	1000.00
33	Gamroye	10000.00
34	Kasan	1000.00
35	Tikli	8000.00
36	Garaitpurwas	4000.00
37	Tauru	8000.00
38	Nuh	5000.00
39	Salamba	1500.00
40	Raniyaki	5000.00
41	Sund	5000.00
42	Sunari	10000.00
43	Sahsehla	7000.00
44	Doha	3000.00

45	Basai/Meo	5000.00
46	Mandikhera	2500.00
47	Patanudeypuri	5000.00
48	Bhadas	2500.00
49	Nagina	10000.00
50	Bubalheri	10000.00
51	Akhnala	10000.00
52	Agon	10000.00
53	Humjapur	10000.00
54	Guhana	10000.00
55	Dungra Shejapur	10000.00
56	Bichhor	5000.00
57	Nathangaon	2000.00
58	Sikrawa	2000.00
59	Nai	5000.00
60	Papra	5000.00
61	Rajpur	5000.00
62	Lahingakala	2500.00
63	Sinhar	2500.00

64	Lehariwari	2500.00
65	Singalheri	2500.00
	Total	382500.00
5. District Hissar		
1	Mangali Singran	6250.00
2	Raipur	10000.00
3	Jahod Khera	2500.00
4	Budak	2500.00
5	Ludas	2500.00
6	Adampur	2500.00
7	Bhiwani Rohilan	1250.00
8	Chickanwas	1250.00
9	Kajla	1250.00
10	Ladwi	6250.00
11	Mallapur	6250.00
12	Thaska	6250.00
13	Bandaheri	6250.00
14	Sarsawa	10000.00
15	Ghursal	10000.00

16	Chickanwas	5000.00
17	Choudhriwali	6250.00
18	Gawar	6250.00
19	Gorchi	6250.00
20	Kajla	5000.00
21	Hindwan	5000.00
22	Balsamand	2500.00
23	Matershan	5000.00
24	Balsamand	10000.00
25	Kumber Chankothi	2500.00
26	Haroli	1250.00
27	Hukamwali	2500.00
28	Alwalwas	1250.00
29	Alika	2500.00
30	Pinghal	1250.00
31	Kirori	2500.00
32	Behbalpur	1250.00
33		
34	Uklana N.A.C.	2500.00

35	Barwala N.A.C.	2500.00
36	Kumbhakhera	2500.00
37	Rajthal	2500.00
38	Banbhori	2500.00
39	Narnaund	10000.00
40	Kothkalan	2500.00
41	Ayalki	10000.00
42	Sadalpur	10000.00
43	kharakheri	2500.00
44	Manawali	2500.00
45	Bodiwali	2500.00
46	Ramsara	2500.00
47	Hajampur	1280.00
48	Moth Rengran	1500.00
49	Rajpura	2500.00
50	Shekhupura	10000.00
51	Moth Karnail	6250.00
52	Rajli	9300.00
53	Anipura	10000.00

54	Badchappar	2500.00
55	Uglan	2500.00
56	Kandol	2500.00
57	Chaubara	10000.00
58	Kirmara	10000.00
59	Gorakhpur	1250.00
60	Lakhrian	2500.00
61	Nehla	2500.00
62	Kumharia	1275.00
63	Agroha	2500.00
64	Bhirarana	2500.00
65	Bhawhan	2500.00
	Total	281154.00
6. District Jind		
1	Brah-Khurd	5000.00
2	Jalalpur Kalan	10000.00
3	Pindara	5000.00
4	Radhana	10000.00
5	Radhana	10000.00

6	Barsola	5000.00
7	Nirjan	10000.00
8	Shahpur	10000.00
9	Habitpur	10000.00
10	Dalamwala	10000.00
11	Jind City	5000.00
12	Meharara	5000.00
13	Meharara	10000.00
14	Malvi	10000.00
15	Karela	10000.00
16	Nidana	10000.00
17	Boowana	5000.00
18	Pauli	2500.00
19	Dhigana	10000.00
20	Lajwana Kalan	6000.00
21	Kherenti	7700.00
22	Meharara	5000.00
23	Rindhana Colony	5000.00
24	Karsola	7000.00

25	Lalitkhera	10000.00
26	Hamirgarh	10000.00
27	Dharodi	4000.00
28	Hamirgarh	2500.00
29	Kaloda Khurd	10000.00
30	Balerkhan	10000.00
31	Dhandoli	10000.00
32	Garhi	10000.00
33	Kharal	7000.00
34	Shanpur	4000.00
35	Hatt	5000.00
36	Singhana	10000.00
37	Budha-Khera	10000.00
38	Nimnabad	7000.00
39	Dharoli	10000.00
40	Bahadurgarh	10000.00
41	Kheri-Khemwati	10000.00
42	Karkhana	5000.00
43	Majra-Rohera	5000.00

44	Mundh	5000.00
45	Thua	10000.00
46	Burana	10000.00
47	Budain	10000.00
48	Khatkar	8000.00
49	Baroda	5000.00
50	Kheri-Masania	5000.00
51	Uchana Kalan	10000.00
52	Genda Khera	9000.00
53	Badanpur	10000.00
54	Badanpur	10000.00
55	Kherimasania	5000.00
56	Baroda	5000.00
57	Kalyat	10000.00
58	Kalyat	10000.00
59	Manadi Kalan	5000.00
60	Simla	10000.00
61	Bhana-Bragmna	10000.00
62	Kurar	10000.00

63	Mataur	10000.00
	Total	499700.00
7. District Karnal		
1	Kachhwa	10000.00
2	Rawar	10000.00
3	Rawar	10000.00
4	Bargaon	2500.00
5	Bhawaji Khalsa	2500.00
6	Randauli	5000.00
7	Shambli	10000.00
8	Jundla	10000.00
9	Nissing	10000.00
10	Bastali	3500.00
11	Katiaheri	2400.00
12	Bijna	4000.00
13	Shambli	4000.00
14	Gularpur	10000.00
15	Balu	6700.00
16	Bairsal	10000.00

17	Keor	10000.00
18	Keor	5000.00
19	Panjokhra	5000.00
20	Kirmach	2400.00
21	Samana Bahu	10000.00
22	Pakhana	8000.00
23	Hathira	10000.00
24	Hathira	5000.00
25	Kalram	10000.00
26	Dinger Majra	9500.00
27	Panori	3000.00
28	Rair Kalan	5000.00
29	Baroli	500.00
30	Kalheri	3500.00
31	Hassanpur	3140.00
32	Phaphrana	10000.00
33	Kherisarafali	6000.00
34	Pangala	1300.00
35	Pangala	10000.00

36	Uplana	1750.00
37	Belona	5000.00
38	Shekhupura	2500.00
39	Shekhupura	10000.00
40	Alawala	2500.00
41	Jabhala	5000.00
42	Jai Singhpura	5730.00
43	Chorkarsa	1580.00
44	Mandi	7500.00
45	Dikadla	6000.00
46	Gawalara	10000.00
47	Shacharmalpur	5000.00
48	Naraina	10000.00
49	Naraina	10000.00
50	Tajpur Kalan	8000.00
51	Garhi Chhaju	10000.00
52	Gawalra	10000.00
53	Dharamgarh	7000.00
54	Kalkha	6000.00

55	Atawla	10000.00
56	Pardhana	8000.00
57	Joshi	6000.00
58	Dharamgarh	2500.00
59	Nayoltha	5000.00
60	Adhmi	10000.00
61	Ghhajpur Kalan	10000.00
62	Nimbri	10000.00
63	Karnal	50000.00
	Total	463000.00
8. District Kurukshetra		
1	Kheri Ram Nagar	10000.00
2	Pobala	5000.00
3	Shahpur	5000.00
4	Bodhni	5000.00
5	Kaulapur	5000.00
6	Daulatpur	10000.00
7	Kanipla	5000.00
8	Adhon	5000.00

9	Mirzapur	5000.00
10	Lukhi	5000.00
11	Bagthla	5000.00
12	Gumthala Garhu	9500.00
13	Sirsala	5000.00
14	Uranai	5000.00
15	Dabkheri	5000.00
16	Dhurala	1333.00
17	Hartan	7000.00
18	Dabkhera	5000.00
19	Chhota Bas	5000.00
20	Chhari	10000.00
21	Bhagwanpur	5000.00
22	Bahlolpur	5000.00
23	Bapda	5000.00
24	Bhago Majra	10000.00
25	Sandhala	4000.00
26	Salimpur	2000.00
27	Sili Kalan	10000.00

28	Thaska Khadar	4000.00
29	Gumthala Rao	3000.00
30	Bakali	10000.00
31	Garhi Gujran	9000.00
32	Gajlana	5000.00
33	Bubka	5000.00
34	Mohri	5000.00
35	Damli	7000.00
36	Barthala	10000.00
37	Sarai Sukhi	10000.00
38	Khera	5000.00
39	Jandheri	5000.00
40	Dhantori	10000.00
41	Bibipur	5000.00
42	Mughal Majra	5000.00
43	Jainpur	5000.00
44	Dhanani	5000.00
45	Chhapra	5000.00
46	Manu Majra	5000.00

47	Nagla	5000.00
48	Ahmadpur	5000.00
49	Barthali	7000.00
50	Ajrana Kalan	5000.00
51	Deo Majra	5000.00
52	Landhi	5000.00
53	Thol	5000.00
54	Jadaula	10000.00
55	Karora	4500.00
56	Sanch	6000.00
57	Pindarsi	10000.00
58	Urnecha	5000.00
59	Buchi	5000.00
60	Garhi Roran	5000.00
61	Fatehpur	5000.00
62	Lahar Majra	5000.00
63	Barna	5000.00
64	Sarsa	6000.00
65	Batehri	10000.00

66	Kamoda	5000.00
67	Jamba	5000.00
68	Kheri Matrwa	5000.00
69	Chuhar Majra	5000.00
70	Rasina	5000.00
71	Teontha	5000.00
72	Teheh Newal (B)	6000.00
73	Teheh Newal (R)	6000.00
74	Balbehra	10000.00
75	Chaku Ladana	10000.00
76	Kalse	6000.00
77	Bhuna	6000.00
78	Gagarpur (B)	6000.00
79	Mohanpur	6000.00
80	Kheri Gulamali	10000.00
81	Tatiana (B)	5000.00
82	Tatiana (R)	10000.00
83	Harigarh Kingan	10000.00
84	Kheri Gulamali	10000.00

85	Kakheri	6000.00
86	Paprala	6000.00
87	Neemwala	6000.00
88	Salimpur	10000.00
89	Daba (B)	8000.00
90	Malikpur	10000.00
91	Kharoundi	6000.00
92	Azimgarh	6000.00
93	Guldhera	9000.00
94	Mehmudpur	4000.00
95	Sadarheri	2000.00
96	Sega	5000.00
97	Khanoda	5000.00
98	Kheri Raiwali	5000.00
99	Kheri Sandalwali	5000.00
100	Kasan	10000.00
101	Naina	10000.00
102	Baba Ladana	10000.00
103	Kiehhana	7500.00

104	Teek (b)	5000.00
105	Kotra (R)	5000.00
106	Kotra (B)	5000.00
107	Jaswanti	10000.00
108	Dohar (R)	5000.00
109	Dohar (B)	5000.00
110	Teek (B)	5000.00
111	Manas	5000.00
112	Guhna	4000.00
113	Deora	9000.00
114	Kasap	9000.00
	Total	718833.00
9. District Narnaul		
1	Kharoli	2500.00
2	Mandola	2000.00
3	Akoda	3000.00
4	Daroli Jant	2500.00
5	Bawana	2500.00
6	Khotodra	2500.00

7	Jonawas	4000.00
8	Udeen	2500.00
9	Rewasa	3000.00
10	Bhandor Unchi	2500.00
11	Dholi	4000.00
12	Khatiwas	10000.00
13	Pathrwa	10000.00
14	Modhogarh I	5000.00
15	Modhogarh II	5000.00
16	Mohindergarh	4200.00
17	Kurahwta	10000.00
18	Gujjerwas	2000.00
19	Kotea	2000.00
20	Gudha	2000.00
21	Buchawas	2000.00
22	Jhagroli	2000.00
23	Talwana	2000.00
24	Chelawas	2000.00
25	Dhanoda	10000.00

26	Kalwari	10000.00
27	Bawanea	10000.00
28	Kharana	10000.00
29	Jhigawana	10000.00
30	Lisana	1000.00
31	Ramagarh	1000.00
32	Sebhajpur Khalsa	3000.00
33	Phideri	3000.00
34	Lekhnor	3000.00
35	Bithwana	5000.00
36	Fadni	6000.00
37	Mondea Khera	8000.00
38	Jaitrawas	10000.00
39	Thotwal	7000.00
40	Nand Rampurbas	10000.00
41	Kharggwas	10000.00
42	Kaluwas	4000.00
43	Basirpur	5000.00
44	Mehmedpur	1000.00

	Hamidkha	
45	Rampura	5000.00
46	God	5000.00
47	Jankhani	4000.00
48	Narnaul (Koli Mohalla)	5000.00
49	Bhankri	5000.00
50	Mayee	10000.00
51	Baskirarod	10000.00
52	Dhalehra	10000.00
53	Azam Nagar	10000.00
54	Dhanota	5000.00
55	Seka	3000.00
56	Dholehra	3000.00
57	Beniyaheri	3000.00
58	Dhani Bhathotha	5000.00
59	Mosnuta	5000.00
60	Serohi-Bahali	3000.00
61	Morund	3000.00

62	Nangal Dargu II	10000.00
63	Mandhana	10000.00
64	Dostpur	10000.00
65	Kojinda	10000.00
66	Dokhara	5000.00
67	Mamrea Ahir	4000.00
68	Mandala	2000.00
69	Siha	3000.00
70	Rajpur	5000.00
71	Bohka	4000.00
72	Mamrea Thather	4000.00
73	Nandhla	10000.00
74	Khol (Prepor)	10000.00
75	Gothra Thappakher	10000.00
76	Khori	7000.00
77	Bachhod	1000.00
78	Nang Tehri	1800.00
79	Bargaon	2000.00
80	Silaspur	2000.00

81	Salimpur	1000.00
82	Nasebpur	2000.00
83	Uninda	5000.00
84	Khaspur	3000.00
85	Gerhi Ruthal	2000.00
86	Ateli	5000.00
87	Barkoda	2000.00
88	Gugerwas	5000.00
89	Tajpur	7000.00
90	Sobhapur	7000.00
91	Fahtehpur	7000.00
92	Silarpur II	4000.00
93	Bhilwana	7000.00
94	Dublana	5000.00
95	Jewra	5000.00
96	Chilhor	3000.00
97	Tehna Depalpur	4000.00
98	Maseet	2000.00
99	Borli Kalan	5000.00

100	Rohrai	4000.00
101	Mohdeenpur	5000.00
102	Kishangarh	3000.00
103	Boreakamalpur	10000.00
104	Biharipur	10000.00
105	Motala Kalan	10000.00
106	Nangal Ugra	5000.00
107	Dharchana	5000.00
108	Dharan II	10000.00
109	Mohmedpur	6000.00
110	Tekla	5000.00
111	Panwar	4000.00
112	Ibrahimpur	4000.00
113	Aselwas	4000.00
114	Banipur	3000.00
115	Jhabuwa	5000.00
116	Bawel	5000.00
117	Bawel	5000.00
118	Barwal	5000.00

119	Heri Chandpur	10000.00
120	Bidawas	10000.00
121	Mangeaser	6000.00
122	Behrampur Bhorengi	10000.00
123	Mukendpur Bassi	8000.00
124	Sahapur II	4000.00
125	Shehpur	10000.00
126	Sahapur I	4000.00
	Total	672000.00
10 District Rohtak		
1	Jassia	5000.00
2	Sanghi II	5000.00
3	Dhamar II	5000.00
4	Makrauli Khurd	10000.00
5	Chamarian II	5000.00
6	Gandhi Camp Rohtak	5000.00
7	Bhalaut	2000.00

8	Khidwali	2000.00
9	Dhamar I	2000.00
10	Rurki I	5000.00
11	Sundana	2000.00
12	Shimli II	10000.00
13	Kailanga II	4000.00
14	Kherari	10000.00
15	Bhagotipur	10000.00
16	Farmana badshahpur II	8000.00
17	Azaib	10000.00
18	Mokhra	10000.00
19	Girawar II	2000.00
20	Bhaini Maharajpur	2000.00
21	Kheri Meham	2500.00
22	Meham-urdu-pana	2000.00
23	Bhaini Bharaon	2000.00
24	Behalba I	2500.00
25	Atail	1000.00

26	Gandhra	9000.00
27	Dataur I	10000.00
28	Dataur II	10000.00
29	Khurampur I	10000.00
30	Khurampur II	10000.00
31	Bupania I	5000.00
32	Bupania II	2500.00
33	Loa Khurd	3000.00
34	Asanda II	5000.00
35	Rohad II	10000.00
36	Ladrawan II	10000.00
37	Kasar	10000.00
38	Paranala	10000.00
39	Beri II	3000.00
40	Majra Dubaldhan II	3000.00
41	Siwana-II	5000.00
42	Dubaldhan Dikan	10000.00
43	Malikpur	10000.00
44	Paharipur	5000.00

45	Jahajgarh	5000.00
46	Chamanpura	7000.00
47	Bhadana	2500.00
48	Dhaur	2500.00
49	Kheri Khumar	3000.00
50	Munda Kheri I	3000.00
51	Surakhpur	3000.00
52	Sondhi	3000.00
53	Girawar	1000.00
54	Mungan	5000.00
55	Bhadani	10000.00
56	Jondhi	7000.00
57	Boria	10000.00
58	Kutani	7000.00
59	Fezabad	7600.00
60	Rewari Khera	10000.00
61	Kablana I	10000.00
62	Kablana II	10000.00
63	Dujana	10000.00

64	Mundakhera II	10000.00
65	Jhajjar	8000.00
66	Surehti II	10000.00
67	Kanwa	10000.00
68	Sureli	10000.00
69	Mundhera	10000.00
70	Mubarakpur	10000.00
71	Chandol	10000.00
72	Jakhala	10000.00
73	Ahmadpurpartal	10000.00
74	Kosli	10000.00
75	Mundhera I	10000.00
76	Gudiani I	10000.00
77	Gudiani II	10000.00
78	Bhurthala	7000.00
79	Mundhera II	10000.00
80	Jaitpur	1000.00
81	Kilrod	3000.00
82	Ushmapur	2500.00

83	Surehti I	2500.00
84	Sailanga	2000.00
85	Ladain	1000.00
86	Birohar II	1000.00
87	Akeri Madanpur	1000.00
88	Karoli	2000.00
89	Jolri	2000.00
90	Gwalison	1000.00
91	Bilochpura	1000.00
92	Matanhail	2000.00
93	Shajjahanpur	1000.00
94	Bisoha	10000.00
95	Kiroda	10000.00
	Total	578850.00
11. District Sonepat		
1	Thana Khurd	10000.00
2	Rukhi	10000.00
3	Kharkhoda	10000.00
4	Pugthala	7500.00

5	Salimsar Majra	10000.00
6	Joshi Chauhan	10000.00
7	Jakholi	5000.00
8	Jakholi	10000.00
9	Sewali	4000.00
10	Bhainswan Khurd	10000.00
11	Nahri	3000.00
12	Mirjapur	8000.00
13	Jauli	10000.00
14	Jauli	8000.00
15	Udasipur	7000.00
16	Dev Nagar Sonepat	9500.00
17	Masad Mahalla	5000.00
18	Rithal	2000.00
19	Ahulana	10000.00
20	Gurmar	2000.00
21	Shaidpur	10000.00
22	Khanda	2000.00
23	Masad Mahalla	9500.00

24	Lal Darwaja	9500.00
25	Samri	3000.00
26	Livaspur	2500.00
27	Bhaswan Khurd	2500.00
28	Chhichhirana	2500.00
29	Garhwal	2500.00
30	Thaska	2500.00
31	Ratangarh	2500.00
32	Dubata	2500.00
33	Bega	2500.00
34	Akbarpur Barota	2500.00
35	Rabhara	2500.00
36	Anwali	2500.00
37	Kahani	2500.00
38	Bil Bilan	2500.00
	Total	217500.00
12. District Sirsa		
1	Rangri Khera	5000.00
2	Baragudha	7500.00

3	Near Ravi Dass Temple Rania Gate, Sirsa	10000.00
4	Mohalla Laklhi Talab, Sirsa	5000.00
	Total	27500.00

Statement II

Statement showing the Districtwise total amount of Grants given for Construction of each Chaupal for the persons belonging to Scheduled Castes & Backward Classes in the State during the period from 1-4-1980 to-date (15-12-1981)

District Ambala		
1	Jansui	3000.00
2	Janetpur	3000.00
3	Tandwal	3000.00
4	Mehamadpur	10000.00
5	Alipur	3500.00
6	Harra	9000.00
7	Gaganpur	5000.00

8	Barara	10000.00
9	Kesri	2000.00
10	Tandwal	1250.00
11	Adhoya	500.00
12	Hema Majra	1000.00
13	Sohana	2000.00
14	Binjalpur	1000.00
15	Dersalimpur	2500.00
16	Sawan Majra	1000.00
17	Dalyana	1500.00
18	Alawalpur	1000.00
19	Sardaheri	2400.00
20	Sarlalpur	850.00
21	Sarakpur	725.00
22	Kaserla	3400.00
23	Uplana	1300.00
24	Nahout	2000.00
25	Tejli	5000.00
26	Amajalpur	1500.00

27	Barthal	4055.00
28	Sarawi	4046.00
29	Chaharwala	2838.00
30	Malakpur	4000.00
31	Nagla Jagir	3000.00
32	Baragarh	7500.00
33	Barauli	7500.00
34	Natwal	10000.00
35	Hangola	3000.00
36	Prail	10000.00
37	Naraingarh	10000.00
38	Dhamoli	10000.00
39	Korwakhurd	7500.00
40	Handkheri	2500.00
	Total	163364.00
2. District Bhiwani		
1	Jaitai	10000.00
2	Dhanana	10000.00
3	Morwala	2000.00

4	Mandhi Piran	10000.00
5	Shayam Kalan	10000.00
6	Dandma	10000.00
7	Mohmad Nagar	10000.00
8	Budhera	10000.00
9	Dankora	10000.00
10	Amirwas	10000.00
11	Sohansra	10000.00
12	Badal	5000.00
13	Dudiwala Kishanpura	10000.00
14	Kasidharni	10000.00
15	Bilawal	10000.00
16	Kadma	3000.00
	Total	140000.00
3. District Faridabad		
1	Sohand	5000.00
2	Dadota	5000.00
3	Dudhola	5000.00

4	Dudhola	7000.00
5	Sotai	5000.00
6	Chandawali	5000.00
7	Badrola	5000.00
8	Khaika	5000.00
9	Bidhawali (Akbarpur)	5000.00
10	Sohanroadpur (Palwal)	7000.00
11	Lakarpur	8000.00
12	Basantpur	8000.00
13	Bhagwanpur	8000.00
14	Sahadpur	8000.00
15	Itmadhpur	8000.00
16	Mowai	8000.00
17	Bajirpur	8000.00
18	Burana	10000.00
	Total	120000.00
4. District Gurgaon		

1	Jharsa	10000.00
2	Bai Khera	5000.00
3	Rajpura	5000.00
4	Mirjapur	5000.00
5	Nurgarh	10000.00
6	Khotiwas	5000.00
7	Pataudi	10000.00
8	Kherla Punahana	5000.00
	Total	55000.00
5. District Hissar		
1	Kumbha	5000.00
2	Saleemgarh	10000.00
3	Shahpur	6000.00
4	Chhan	10000.00
5	Amani	7000.00
6	Kumbha	10000.00
7	Balsamand	5000.00
8	Chenet	10000.00
9	Hansi	7000.00

10	Tohana	10000.00
11	Puthi Mangal Khan	7000.00
12	Gajuwala	5000.00
13	Rajli	10000.00
14	Damkora	10000.00
15	Mujadpur	10000.00
16	Kimara	5000.00
	Total	127000.00
6. District Jind		
1	Sangat pura	10000.00
2	Jind City (Balmiki)	10000.00
3	Barsola	10000.00
4	Jind City (Near Ram Gate Jind)	10000.00
5	Paju Kalan	5000.00
6	Khera-Khemawati	5000.00
7	Ludana	10000.00

8	Dhilowal	10000.00
9	Burg-dehar	10000.00
10	Kharak Bhura	10000.00
11	Baroda	10000.00
12	Lodhar	10000.00
13	Data Singh Wala	10000.00
14	Sindh	10000.00
15	Narwana	10000.00
16	Makhand	5000.00
	Total	145000.00
7. District Karnal		
1	Katlaheri	10000.00
2	Indri	10000.00
3	Sawaran Majra	10000.00
4	Patehra	6000.00
5	Arjanthali	5000.00
6	Karhas	10000.00
7	Garhi Chhaju	4000.00
8	Dharamgarh	3000.00

9	Bapoli	5000.00
	Total	63000.00
8. District Kurukshetra		
1	Untsal	6000.00
2	Mathana	10000.00
3	Jiwerheri	8000.00
4	Umri	7000.00
5	Jiwerheri	10000.00
6	Jamalpur	10000.00
7	Gajlana	5000.00
8	Bubka	5000.00
9	Gumthala Rao	9000.00
10	Behlopur	4000.00
11	Bhagwanpur	5000.00
12	Hartan	3000.00
13	Ladwa (B)	10000.00
14	Baronda	10000.00
15	Dhandhala	10000.00
16	Lal Chhapar	10000.00

17	Niwarsi	10000.00
18	Salempur	5000.00
19	Baraichpur	5000.00
20	Salempur	10000.00
21	Kakehri	5000.00
22	Teontha	5000.00
23	Kutubpur	10000.00
24	Ruhan	10000.00
25	Jorasikalan	5000.00
	Total	180000.00
9. District Narnaul		
1	Pathrwa II	5000.00
2	Gadania	5000.00
3	Raja Bass	5000.00
4	Sundrah	5000.00
5	Bhagot	5000.00
6	Bhandor	5000.00
7	Palda	5000.00
8	Roliawas	5000.00

9	Chimnawas	5000.00
10	Pranpura	5000.00
11	Derlikhurd	5000.00
12	Mandhea Khurd	5000.00
13	Kumrodha	5000.00
14	Balwas Jampur	3000.00
15	Dabri	5000.00
16	Kamalpur	5000.00
17	Jonawas	5000.00
18	Rewari	10000.00
19	Chhureawas	5000.00
20	Keshopur	5000.00
21	Kaldawas	5000.00
22	Banipur II	4000.00
23	Kunjpura	5000.00
24	Chandpura	5000.00
25	Silarpur II	5000.00
26	Bhateni	8000.00
27	Nangal Pipa	5000.00

	Total	140000.00
10. District Rohtak		
1	Brahna	4500.00
2	Dubaldhan (Majra)	7000.00
3	Farmana Badshahpur	2000.00
4	Ghurthala	3000.00
5	Mokhra Khas	10000.00
6	Tumba Heri	10000.00
7	Bharangi	10000.00
8	Bahu	5000.00
9	Kulasi	5000.00
10	Shidipur	5000.00
11	Jhajjar	10000.00
12	Mahrauli Kalan	5000.00
	Total	76500.00
11. District Sonepat		
1	Bazana Khurd	10000.00

2	Dehisra	7000.00
3	Shehri	10000.00
	Total	27000.00
12. District Sirsa		
1	Bhiwan	10000.00
2	Nejadalla Kalan	10000.00
3	Madosignana	10000.00
4	Dhingtania	10000.00
5	Rasulpur	10000.00
	Total	50000.00
Statement III		
The Districtwise total amount of grants given after the present Congress (I) Ministry was formed (Correct upto 15.2.81)		
1	Ambala	776884.00
2	Bhiwani	140000.00
3	Faridabad	120000.00
4	Gurgaon	125500.00
5	Hissar	405154.00

6	Jind	355700.00
7	Karnal	526000.00
8	Kurukshetra	180000.00
9	Mahindergarh	140000.00
10	Rohtak	116800.00
11	Sonepat	250500.00
12	Sirsa	65000.00
	Total	3204538.00

Birdge oon S.Y.I. Canal

***1992. Ch. Jagdish Kumar Baniwal**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state –

(a) whether it is a fact that a bridge on S.Y.I. canal near Jan Sui Head (between Ambala and Ismailabad) is under construction; if so, the date on which its construction was started and the date fixed by the Government for its completion;

(b) whether extension of time for the completion of this bridge has been granted to the contractor; if so, the details thereof;

(c) whether the Government has imposed a penalty for not completing the bridge within the stipulated period; if not, the reasons thereof; and

(d) the total amount sanctioned by the Government for the construction of the bridge mentioned in part (a) above?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(क) जनसूई के निकट एस.वाई.एल. नहर पर पुल पहले ही पूर्ण हो चुका है।

(ख) समय में वृद्धि न मांगी गई और न दी गई।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) रूपये 316043

Disabled persons in the State

***2085. Smt. Dr. Kamla Verma**: Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state –

(a) the number of registered disabled persons in the State;

(b) the number of disabled persons who got Government service during the period from January, 1980 to January, 1981; and

(c) the number of persons out of those referred to in part (b) above appointed as gazetted officers?

Minister of State for Public Works (Smt. Shakuntla Bhagwati):

(a) 1644

(b) 691

(c) 4

TA drawn by Officers in the Local Government Department

435. Sh. Mool Chand Jain: Will the Minister for Local Government be pleased to state the total amoutn of travelling allowance drawn by various officers in the Local Government Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

स्थानीय शासन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): वांछित सूचना निम्न प्रकार है:—

1979—80	1980—81
4015.55 रूपये	7768.15 रूपये

T.A. drawn by Officers in the Cooperation Department

436. Sh. Mool Chand Jain: Will the Minister for Cooperation be pleased to state the total amount of travelling allowances drawn by various officers in the Cooperation Department on account of official tours during the year 1979-80 and 1980-81 upto-date?

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): सहकारिता विभाग में अधिकारियों द्वारा इन वित्तती वर्शो में लिया गया यात्रा भत्ता निम्न प्रकार से है:–

1979–80	1980–81
74420.50 पैसे	98601.80 पैसे (15.2.81 तक)

T.A. drawn by Officers in the Revenue Department

437. Sh. Mool Chand Jain: Will the Minister for Revenue be pleased to state the total amount of travelling allowance drawn by various officers in teh Revenue Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 upto-date?

Revenue Minister (Ch. Sher Singh): The requisite information is given in the attached statement.

STATEMENT

Statement showing the T.A. drawn by Gazetted Officers of Revenue Department, Haryana posted at State Head-quarters a Chandigarh during the years 1979-80 (upto 24-2-81)

Sr. No.	Designation of the post.	Amount of T.A.

		drawn during	
		1979-80	1980-81 (upto 24-2-1981)
		Rs.	Rs.
1	Financial Commissioner, Revenue	2525.90	6865.00
2	Member, Sales Tax Tribunal	925.80	2015.75
3	Joint Secretary Revenue	1994.75	7172.00
4	Deputy Secretary Revenue	532.30	1782.50
5	Under Secretary Revenue (Admn.)	60.50	594.40
6	Officer on Special Duty (Revenue)	44.20	322.40
7	Superintendents	2081.35	3696.70
8	Private Secretaries	1844.35	4703.35
9	Reserach Officer (Gazetteers)	120.85	1440.35
10	Chief Stamp Auditor	1961.30	388.25
11	Editor Gazetteers	3611.35	12108.50

T.A. drawn by Officers in the P.W.D. (B&R)

438. Sh. Mool Chand Jain: Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state the total amount of

travelling allowance drawn by various officers in the Public Works Deapartment (B&R) on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 upto-date?

Public works Minister (Kanwar Ram Pal Singh): The total amount of travelling allowance drawn by various officers in the P.W. (B&R) Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 (upto 3-3-81) is given below:–

1979-80	1980-81 (upto 3-3-81)
Rs.	Rs.
532545	640138

Selection of Clerks by the S.S.S. Board

441. Ch. Rizaq Ram: Will the Chief Minister be pleased to state –

(a) the number of candidates who applied to the Subordinate Services Selection Board for the post of Clerks for which a test was held in the year 1978;

(b) the number of post-graduates, graduates and matriculates alongwith their divisions out of those referred to above;

(c) the number of candidates selected by the S.S.S. Board for the posts referred to in part (a) above; and

(d) the number of post-graduates and graduates out of the those referred to in part (c) above?

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal):

(a) 77079

(b) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

(c) 2007

(d) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

ध्यानाकर्शण सूचना –

गांव पाढ़ा के सरपंच श्री टेक चन्द की थाना घरौंडा में मृत्यु से उत्पन्न कानून तथा व्यवस्था की स्थिति सम्बन्धी।

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज मुझे सर्वश्री राम लाल वधवा और मूल चन्द जैन, एम.एल.एज. साहेबान द्वारा पुलिस स्टेशन घरौंडा में श्री टेक चन्द सरपंच, गांव पाढ़ा की मौत से पैदा हुई ला एण्ड आर्डर की हालत के बारे में दो काल अटैन्शन मोशन्ज के नोटिसिज प्राप्त हुए हैं। मैं इनको मन्जूर करता हूं। चौ. राम लाल वधवा व श्री मूल चन्द जैन अपने नोटिस पढ़ दें और मंत्री महोदय अपना जवाब दे दें।

Ch. Ram Lal Wadhwa: Sir, I want to draw the attention of the House towards a matter of urgent public importance, namely (Interruptions.)

कामरेड शंकर लाल: मैं वधवा साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि आप तो कम से कम हिन्दी में पढ़ दें।

चौ. राम लाल वधवा: मैं आपके साथ सहमत हूं कि हिन्दी में ही पढ़ना चाहिए लेकिन मेरे पास अंग्रेजी में अवेलेबल है हिन्दी में अभी तक मुझे मिला ही नहीं है।

Mr. Speaker: English, Hindi and Punjabi, these are the three languages, which are authorised for use in the House.

Finance Minister (Ch. Khurshid Ahmed): We have no objection, Sir, if it is read out in the English language.

चौ. राम लाल वधवा: आप पहले हिन्दी में बंटवा दिया करें। पहले आप अंग्रेजी मैं कापियां बंटवाते हैं फिर हिन्दी में बंटवाते हैं।

श्री अध्यक्ष: इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि हिन्दी और अंग्रेजी में, दोना में ही, कापियां साथ की साथ बंट रही हैं। हो सकता है कि किसी मैम्बर के पास पहले अंग्रेजी की कापी पहुंच गयी हो लेकिन कईयों के पास हिन्दी की भी पहुंच गयी होगी। आप अपना मोशन पढ़ें।

चौ. राम लाल वधवा: मेरै तो पड़ौसी के पास भी अभी हिन्दी की कापी नहीं है। खैर, मैं अंग्रेजी में ही पढ़ देता हूं।

I dran the attention of the House towards a matter of urgent public importance, namely, - one Sh. Tek Chand, Sarpanch of Village Padha was called to the Police Station at Gharaunda in Karnal district in connection with some inquiry, in relation ot death of a young girl whose body was found in a pond in December, 1980, on 7-3-9181. He was allegedly beaten up mercilessly and ultimately his body was thrown on the road early in the morning of 8th March, 1981. On hearing the death of the Sarpanch, the villagers of village Padha and people of Gharaunda collected outside the Police Station Gharaunda demanding the action against the guilty Police officials. The Police lathi-charged the people without any reason. It is alleged by the villagers that a Minister of Haryana was staying at Rest House, Gharaunda and at his instance, Sh. Tek Chand, Sarpanch was called at the Police Station and was severely beaten up causing his death. It is alleged that it is a political murder. The people of Haryana are very much agitated on this matter and there is great resentment amongst the people. It is a very serious matter of law and order of the State resulting tension in the area. The people are demanding judicial inquiry into this serious matter of rugent public importance and therefore, call the attention of the State Government and urges upon the Home Minister to make statement on the floor of the House and takes the House into confidence in this regard.

श्री मूल चन्द जैन: मैं हाउस के सदस्यों से क्षमा चाहता हूं कि मेरे पास हिन्दी में कापी आ तो गयी है लेकिन वह इतनी ज्याद कलीयर नहीं है इसलिये मैं भी अंग्रेजी में ही पढ़ना चाहूंगा।

I draw the attention of the House towards a matter of urgent public importance that a case under section 302 IPC was registered against the S.H.O. and certain other police officials of Gharaunda Police Station in Karnal District on the 6th March, 1981, 3 police officers were arrested on the allegation of the murder of Sh. Tek Chand, Sarpanch, V. Padha, Police Station Gharaunda on the night between 5th/6th March. Post mortem of the dead body of the deceased was held at PGI, Chandigarh under the orders of the Hon'ble High Court. The arrested police officers have been remanded to police custody. A peaceful protest meeting was being held yesterday at Gharaunda. A brutal lathi charge was made on the persons gathered there. The speakers in the meeting were also assaulted by the police and 7 of the leaders present there were taken into custody, in order ot take revenge upon the people as to why they compelled th police to register the case U/s 302 IPC. A grim situation of law and order has developed in the area. Even the where-abouts of the arrested persons are not known as they are alleged to have serious injuries at the hands of the police. A false case has been registered against them.

The matter is of urgent public importance and the Home Minister is required to make a statement thereon.

वक्तव्य –

गृहमंत्री द्वारा गांव पाढ़ा के सरपंच श्री टेक चन्द की थाना घरोंडा में मृत्यु से उत्पन्न कानून तथा व्यवस्था की स्थिति सम्बन्धी।

श्री जय नारायण वर्मा: पोसवाल साहब, आप तो जवाब हिन्दी में ही दे।

गृहमंत्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): हमारे साथी अंग्रेजी में पढ़े और मैं उसका जवाब हिन्दी में दूं अच्छा नहीं लगता।

This incident relates to case FIR No. 60 dated 6.3.81 u/s 279/304-A IPC and FIR No. 61 dated 6.3.81 U/s 302 IPC Police Station Gharauda. The background details are as follows:-

A case FIR No. 295 dated 31-12-80, u/s 302/201 IPC had been registered in the Police Station Gharaunda in which a headless and limbless body of a young girl was found. Later on the limbs were found floating in a pond in village Padha and the name Sunder Kaur was found tatooed on one of the arms. During the course of investigation of this case it was found that one Sher Singh of village Padha had got a ration card prepared and one of his daughter's name as written in the application for ration card was Kumari Sunder. The ration card application was verified by Sh. Tek Chand Jat Sarpanch of village Padha Police Station Gharaunda. The said Tek Chand ws called on 5.3.81 through Head Constable Amar Singh No. 450 and Const. Man Phool Singh No. 83 in Polcie

Station to assist in ascertaining the present whereabouts of Sher Singh. He stayed of his own accord at Police Station for the night as he had to go back to his vilalge via Karnal, which would have meant his reaching home very late. Tek Chand went out of the Police Station in the morning between 6.00 A.M. to 6.30 A.M. to answer the call of nature and while crossing the G.T. Road in front of the Police Station he was reportedly run over by a speedinly truck. A care FIR No. 60 dated 6.3.81 u/s 279/304-A IPC was registered in the Police Statioin Gharaunda. Information was sent to village Padha immediately. On this information Sat Pal s/o the deceased Tek Chand accompained by Sh. M.S. lather Ex-M.P. and some other persons met the Senior Superintendent of Police Karnal in his office and said that they suspected foul play in the death.

Teh Senior Superintendent of Police, Karnal assured them of justice but about 1500 people blocked the traffic on G.T. Road at Gharaunda. The mob became violent but the Police controlled the situation trafully adn peacefully. Traffic was resumed after the blockade was lifted at about 4.40 P.M.

On the complaint of Sh. Sat Pal S/o the deceased Tak Chand Sarpanch, a case FIR No. 61 dated 6.3.81 u/s 302 IPC ws registered in Police Station Gharaunda. ASI Krishan Kumar S.H.O., H.C. Amar Singh No. 450 and Const. Manphool Singh No. 83 were arrested in this case on 6.3.81 itself. The post-mortem of the deceased, Tek Chand was got doen from General Hospital Sector-16, Chandigarh on the request of Sat Pal, the s/o the deceased, in order to satisfy him about the cause of death. It is reported in the post-mortem that the

injuries of the ceceased were anti-mortem which falsifies the allegations taht deceased was first killed and then thrown infront of a truck. Moveover, no such injuries have been found on the dead body which may suggest any torture by the Police. The dead body of the deceased was peacefully cremated in the village on 8.3.81.

The accused police officers i.e. ASI Krishan Kumar, H.C. Amar Singh and Constable Manphool Singh were remanded to Police Custody upto 12.3.81. They have since been set at liberty by the Court on 12.3.81.

No lathi charge was resorted to on the public either on 8th or 9th March, 1981. However, on 9th March a crowd of 200/250 people instigated the public to take revenge for the death of Sarpanch Tek Chand against the police and also assaulted the policement. Consequently 7 persons were arrested in cases FIR No. 64 & 65 dated 9.3.81 u/s 353/332/186/506 IPC Police Station Gharaunda. All the seven accused arrested on 9.3.81 in case FIR No. 64 and 65 dated 9.3.81 U/s 353/332/186/506 IPC P.S. Gharaunda were produced before C.J.M., Karnal on 10.3.81 and were sent to judicial lock-up. However they were released on bail on 11.3.81.

It is wrong to suggest that any Minister was staying in Rest House Gharaunda on the day of occurrance or that Sh. Tek Chand Sarpanch was called to Police Station at his behest. Some Ministers happened to pass through Gharaunda when the crowd had tried to block traffic after the incident and helped in diffusing the situatin. Now the situation is peaceful.

चौ. राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, स्टेटमैंट के लास्ट पैरा में लिखा है कि कोई मिनिस्टर वहां से गुजरा था। मैं यह पूछना चाहता हूं कि वह कौन मिनिस्टर था जो वहां से गुजरा और क्या मेरी जानकारी के मुताबिक यह ठीक नहीं है कि राठी साहब वहां से गुजरे थे और उनको थाने के अन्दर ले जाकर बरामदे में यह दिखाया गया कि यह खून पड़ा है जहां उस सरपंच को मारा गया था?

श्री कन्हैया लाल पोसवाल: स्पीकर साहब, पोस्ट मारटम रिपोर्ट मुकम्मल आ चुकी है और इस रिपोर्ट से कही कोई चीज जाहिर नहीं होती कि इस तरह की कोई बात हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): स्पीकर साहब, जहां यह ऐक्सीडेंट हुआ था, यह उस वक्त के और उस जगह के फोटो लिए हुए हैं और वे फोटो मैं आपके पास भेज रहा हूं। आप भी फोटो देखकर महसूस करेंगे कि सिर से खून बह रहा है। अगर आदमी को मार कर डाल दिया जाए तो मरने के बाद खून नहीं निकलेगा। जहां ऐक्सीडेंट हुआ है वहां के फोटो लिए हुए हैं और आप महसूस करेंगे कि किस तरह से सड़क पर खून पड़ा हुआ है।

चौ. संत कंवर: किसी भी ऐक्सीडेंट में फोटोग्राफर इतनी जल्दी नहीं पहुंचता, इस केस में फोटोग्राफर इतनी जल्दी

कैसे पहुंच गया? स्पीकर साहब, उसको जान बूझकर मारा गया है (शोर एवं व्यवधान) जुडीशियल इंक्वायरी कराई जावे।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौ. महेर सिंह राठी): स्पीकर साहब, मैं नियम धर्म से सब बात ठीक बताऊंगा। मैं 6 तारीख को डेढ़ बजे के करीब थाने पहुंचा था और छः पौने छः तक वहां रहा। जब मैं वहां पहुंचा तो वहां पर ट्रैफिक रूका हुआ था। मैं गाड़ी को नजदीक ही खड़ी करके थाने में चला गया। वहां पर लोग काफी ऐजीटेटिड थे और पुलिस भी थोड़ी हीट में थी। मैंने वहां पर लोगों को समझाया कि आप सब शान्ति में रहे, पूरा न्याय दिलाया जाएगा। वहां पर कुछ भाईयों ने जिनमें लाठर साहब भी थे, खून की बात कही और मुझे भी कुछ शक हुआ। स्पीकर साहब दरवाजों पर वहां रंग कि हुआ था और वह रंग काफी पुराना था लेकिन वहां पर एक मक्खी भी नहीं बैठी थी। मैंने उसी वक्त कहा कि यहां की सफाई करों। कैमिकल वालों को वहां बुलाया क्योंकि मुझे भी शक था कि मार दिया गया है। स्पीकर साहब, मैं वहां पर (थाने में) चार घंटे रहा। अपनी पूरी तसल्ली की और लोगौं को तसल्ली कराई। वहां पर जो भी लोगों ने डिमांड की वह पूरी की। उन्होंने कहा कि पोस्ट मारटम चण्डीगढ़ में होना चाहिए। उन भाइयों की पूरी तसल्ली की। स्पीकर साहब, उसके बाद जब फैसला हो गया तो ट्रैफिक खोल दिया गया। बौडी को चण्डीगढ़ लाया गया। पी.जी.आई. में पोस्ट मारटम करने के लिये मैंने कहा। लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

उसके बाद जनरल अस्पताल वालों को पोस्ट मारटम करने के लिये कहा लेकिन उन्होंने भी मना कर दिया। मैंने खुद भी पी.जी.आई. और जनरल हास्पीटल वालों से पोस्ट मारटम करने के लिये कौन्टैक्ट किया लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि जहां डैथ हुई है वहां पर ही पोस्ट मारटम होना चाहिए। मैं उन लोगों को सी.एम. साहब के पास ले गया। मैंने कहा कि इन लोगो की तसल्ली होनी चाहिए नहीं तो इन लोगों के दिमाग में शक रहेगा। स्पीकर साहब, मैरे दिमाग में भी शक था। इन्होंने मैरे सामने हाई कोर्ट के जज से कौन्टेक्ट किया। इन्होंने एडवोकेट जनरल को एक दरखास्त लेकर चीफ जस्टिस के पास भेजा। उन्होंने पोस्ट मारटम करने की इजाजत दी। पी.जी.आई. में पोस्ट मारटम किया गया।

श्री अध्यक्ष: मेरा ख्याल है कि उस दिन इतवार था। मैं भी वहीं पर था।

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, मैं गाड़ी लेकर खुद गया। अपनी गाड़ी उनको दी। मैंने उनको कहा कि पूरी सहूंलियत आपको दी जाएंगी जिससे कि उनके दिमांग में कोई शक न रहे कि पोस्ट मारटम नहीं करवाया। मैंने डाक्टरों को कहा कि आप निश्पक्ष रूप से पोस्ट मारटम करो। किसी भी आदमी का आप पक्ष न लो। जब डाक्टर लोग अन्दर चले गये तो गांव वालों ने कहा कि आप चले जाओ। स्पीकर साहब,ख मैं वहां दो घंटे बैठा रहा जिससे कि इन गांव वालों को पूरा इंसाफ मिल सके। स्पीकर

साहब, जब रात को बौडी गई तो बौडी जाने से पहले मैंने सारी बात की तसल्ली कर ली। मेरी कोशिश यही थी कि ये लोग सही सलामत वहां पर चले जाए। स्पीकर साहब, इनको कोई दर्द नहीं है ये तो वैसे ही बात बना रहे हैं। स्पीकर साहब, जब पोस्ट मारटम की रिपोर्ट आ चुकी है तो फिर कोई बात शक वाली रहनी नहीं चाहिए।

चौ. संत कंवर: रिपोट्र बदलवाने के लिये डाक्टर्ज पर दबाव डाला गया डाक्टर्ज से सिफारिश की गई थी।

चौ. मेहर सिंह राठी: स्पीकर साहब, मैं वहां पर तीन–चार घंटे रहा। उन गांव वालों को पूरा इंसाफ देने की कोशिश की और जैसा उन्होंने कहा वैसा किया गया।

श्री अध्यक्ष: मैं अपनी तरफ से औबजरवेशन करना चाहता हूं कि उस वक्त मैं मौके पर मौजूद था और मंत्री महोदय इतने एजीटेटिड थे जितने कि आज हमारे दोस्त भी ऐजीटेटिड नहीं हैं। I have not the least doubt in my mind that what the Hon. Minister Sh. Mehar Singh Rathee, did, he did it from the core of his heart and proceeded according to his conscience.

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, जो भाशण अभी होम मिनिस्टर साहब ने यहां पर दिया, उसके आखिरी पैरा से पहले पैरा में उन्होंने कहा है कि –

"No lathi charge was resorted to on the public either on 8th or 9th March, 1981. However, on 9th March a crowd on

200/250 people instigated the public to take revenge for the death of Sarpanch Tek Chand against the police and also assaulted the policemen....."

स्पीकर साहब, मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि पुलिस असौल्ट करने की बात, यह कहां का वाक्या है? आया यह थाने के सामने का की बात है या कि जलसे के पास की बात है? (शोर)

श्री कन्हैया लाल पोसवाल: यह घरौंडा का ही वाक्या है। पुलिस स्टेशन के पास जहां उन लोगों ने पुलिस के आदमियों को मारा वहां का यह वाक्या है। बाबू जी मैं आपको बताऊं, आप तो खुद वकील हैं, सब कुछ एफ.आई.आर. में दर्ज है। (शोर)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सरकार से पूछना चाहता हूं कि सरकार इस वाक्या की जुडिशियल इंक्वायरी करवाने के लिये तैयार है कि नहीं? क्या पुलिस ने बदले की भावना से गिरफ्तारियां नहीं की और उन्हें पिटवाया?

श्री कन्हैया लाल पोसवाल: बाबू जी, यह सारा मामला तो अब निपट गया है, इसलिये अब इस स्टेज पर जुडिशियल इंक्वायरी की क्या जरूरत है?

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मेरा प्रश्न यह है कि जुडिशियल इंक्वायरी यह देखने के लिए होनी चाहिए कि क्या पुलिस ने कहीं बदले की भावना से तो यह सब कुछ नहीं किया? (शोर)

चौ. रिजक राम: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा यह कहना चाहता हूं कि राठी साहब ने जिस दिलचस्पी से साथ ऐसा काम किया है, वे धन्यवाद के पात्र हैं लोगों से हमदर्दी दिखायी है और सही मंत्री का रोल अदा किया है।

Mr. Speaker: That I can vouch for myself because i saw it with my own eyes.

11.3.1981 को चौ. जगजीत सिंह पोहलू एम.एल.ए. के निलम्बन सम्बन्धी निर्णय को रद्द करने की मांग

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, चूंकि यह क्वैश्चन आवर के बाद जीरो आवर का समय है, मैं आपकी इजाजत से एक दो बातें कहना चाहता हूं .....

श्री अध्यक्ष: जैन साहब, जीरो आवर खत्म हो चुका है और कन्वैन्शन के मुताबिक यह बातें जीरो आवर में उठायी जानी चाहिएं। The proceedings have not started.

एक आवाज: अध्यक्ष महोदय, अभी तक तो जीरो आवर की ही बात चल रही थी। (शोर)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मैंने पहले एक मोशन दिया है जो कि पोहलू साहब की हाउस से सस्पैंशन को विदड्रा करने के बारे में है। अगर आप इजाजत दें तो मैं उसे मूव करूं।

Mr. Speaker: The motion has been received in my office and I am examining it.

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मुझे उम्मीद है कि आप मन्डे को इस बारे में कोई न कोई जरूर निर्णय दे देंगे। (शोर)

Mr. Speaker: I will examine it. Immediately after the sitting, I am leaving for Delhi. I don't think I will have time today. But on Monday morning I will come back and see to it.

श्री कंवल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने लाबी में मेरे साथ जो दुर्व्यवहार किया। (शोर व व्यवधान)

Mr. Speaker: I have received all the reports on the case. The matter is under my active examination and I will give my decision on it.

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, अगर आप इजाजत दें तो मैं अर्ज करूं। स्पीकर साहब, पहले दिन आपने फरमाया था कि बजट सैशन का आरम्भ हो रहा है और अच्छे मूड में बात होनी चाहिए और कल जो लाबी में घटना हुई, जिसके बारे में आपने कहा है कि मामला विचारधीन है। आपने बाबू मूलचन्द जैन को आश्वासन दिलाया है कि आप उनके मोशन पर एक्टिवली विचार कर रहे हैं और सोमवार तक कुछ न कुछ निर्णय कर पायेंगे। इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि यह बड़ी नाखुशगवार सी बात हो रही है आपको आज मजबूर होकर हाउस को एडजर्न करना पड़ा

और यह कहना पड़ा कि हाउस में अनुशासन सख्ती से एनफोर्स करना पड़ेगा। स्पीकर साहब मैं आपकी बात से कायल हूं। जब लीडर आफ दी हाउस लीडर आफ दी अपोजीशन को ऐसा नाजेबा शब्द कहे तो ऐसी बातों से सारे हाउस का डेकोरम जाता रहता है। (शोर)

Mr. Speaker: As far as the incident of this morning is concerned, I am not passing any judgement. I am not in a position to pass any judgement till I study the record. डाक्टर साहब, आपका जजमैंट पास करना फेयर नहीं है।

Dr. Mangal Sein: Sir, I have not passed any judgement मैंने तो यह अर्ज की है कि यह बड़ी अनफारचुनेट बात है, बड़ी अनप्लेजैन्ट बात है कि मुख्यमंत्री साहब ने .....(शोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आपने कहा है कि मुख्यमंत्री ने ऐसा कहा है (शोर) I myself cannot pass any judgement unless I have seen the record.

Dr. Mangal Sein: Sir, I have not passed any judgement. I am trying to submit कि आज तो चीफ मिनिस्टर साहब ने ही कहा है। कल जो लाबी में हाथा पाई हुई है, स्पीकर साहब वह भी बड़ी अनफारचुनेट बात थी (शोर)

Mr. Speaker: All right. What I will say is that I entirely disagree with what you are saying. It was not the Chief Minister who said it. Teh exchage was from both sides. I

say, that was from both sides and that is why I adjourned the House. मैं इस विशय पर कुछ कहना नहीं चाहता था जब तक कि मैं रिकार्ड को न देख लेता। (शोर व व्यवधान) मैम्बर साहेबान, अगर एक साइड से बात होती, चाहे कोई भी साइड होती तो मे। उस चैक करता लेकिन दोनों साइडज से बातें शुरू हो जाती हैं, अब शुरू आत किसने करी (शोर) जो मैंने सुना शुरूआत इस साइड (विरोधी पक्ष) से हुई। (शेम शेम की आवाजें) But I will check the record again और मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं ट्रैजरी बैन्चिज की बजाये अपोजिशन को ज्यादा महत्व देता हूं। अगर इस साइड से शुरूआत होती तो शायद मैं चैक करता कि ऐसा नहीं होना चाहिए लेकिन बाबू मूलचन्द जैन जी के बारे में मेरे दिल में इतनी इज्जत है कि मैं उनको चैक भी नहीं कर सका लेकिन बात इधर से (अपोजीशन की तरफ) भुरू हुई मैंने सोचा कि दोनों सीनियर लैजिस्लेटर हैं and I adjourned the House on that matter. उस वक्त हाउस को एडजर्न करना मैं आपने माइंड में जस्टीफाई न कर सका। लेकिन जब इतने सीनियर आदमियें में यह बातें शुरू हो गई तो मैंने यह समझा कि ऐसे सीरियस वातावरण में हाउस नहीं चल सकेंगा। इसलिये मैंने यह मुनासिब समझा कि हाउस को 15 मिनट के लिए एडजर्न कर दिया जाए। बाबू मूल चन्द जैन की मैं दिन से इज्जत करता हूं, वे बुजुर्ग भी हैं। जितनी मैं उनकी इज्जत करता हूं और किसी की उतनी इज्जत नहीं करता। So kindly don't take up the matter again. I think it is better if we just drop that matter. I do not want to

see the record and would like to just drop the matter. So just let us drop the matter.

श्री बलदेव तायल: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय केवल कांग्रेस पार्टी के ही लीडर नहीं हैं बल्कि वे हरियाणा में लीडर आफर दि हाउस भी हैं। उनकी जिम्मेदारी अपोजीशन के प्रति भी कुछ है। केवल उनकी जिम्मेवारी अपनी ही पार्टी के प्रति नहीं है। उनको यह देखना चाहिए और उनके लिये यह लाजमी है कि हाउस की कार्यवाही सुचारू रूप से चलती रहे और हाउस के मैम्बर्ज के राइटस सुरक्षित रखना भी उनका कर्तव्य बनता है। इसलिये मैं आपके द्वारा उनसे यह प्रार्थना करूंगा कि लीडर आफ दि हाउस, पोहलू साहब की सस्पैन्शन को खुद रिवोक करवाने की कृपा करें। धन्यवाद।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): ठीक है, विचार करेंगे।

डा. मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, मैं तायल साहब की बात के साथ शामिल होता हुआ उनकी बात की ताइद करता हूं ओर मुख्यमंत्री महोदय से यह प्रार्थना करता हूं कि (शोर)

Mr. Speaker: I must congratulate Sh. Baldev Tayal for bringing out such a point and helping me in normalising the atmosphere in the House.

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैं मुख्यमंत्री महोदय की बात को एनडोर्स करता हुआ आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं, जैसा कि उन्होंने कहा कि विचार करूंगा, शौक से विचार करें, मगर

स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री महोदय को यह कहना शोभा नहीं देता कि किस ने किसकी वोट दिया है, किस को नहीं दिया है, (शोर)

Mr. Speaker: No please. Whatever happened outsiee the House is nobody's business.

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि * * * *

Mr. Speaker: It will not be recorded.

हाउस के बाहर कोई आपस में मजाक करें या सीरियसली बात करें या वोंटिग की बात करे तो उसके साथ मेरा कोई कंसर्न नहीं है। It has got nothing to do with the House. I can neither condemn it not encourage it. It is entirely everybody's own responsibility.

डा. मंगल सैन: अगर लाबी में कोई हाथापाई करे तो you are certainly concerned with it, Sir.

Mr. Speaker: I am very much concerned with 'Hatha Pai' I will find out who is responsible for it. I will take the strictest action, as far as I can take, against the person who started it.

Dr. Mangal Sein: Yes, Sir, action should be taken, against the person who started loose talking. You must take action.

11.00 बजे

चौ. राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, तायल साहब ने जो वहा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपसे और लीडर आफ दि हाउस से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि पोहलू साहब के बारे में विचार किया जाए। यह मैं आपकी कंसिड्रेशन के लिये कह रहा हूं क्योंकि आपने फरमाया था कि आप गौर करेंगे। रूल्ज के मुताबिक किसी मैम्बर को उस दिन बाकी के समय के लिये तो विदड्रा करने के लिए कहा जा सकता है लेकिन यह कहीं भी प्रोवीजन नहीं है कि रैस्ट आफ दि सैशन के लिये निकाल दिया जाए। रूल 104(2) जो है उसमें क्लीयर है कि अगर कोई चेयर की बात नहीं मानता है तो उसको उस दिन के लिए एबसैंट समझा जाएगा और कोई प्रोसीजर नहीं है। उसके खिलाफ क्वैश्चन आफ प्रिविलेज भी मूव नहीं हो सकता क्योंकि उसके लिए भी एक प्रोसीजर है जो फालो किया जाना चाहिए। फौल एंड शकधर की पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर आफर पार्लियामैंट' के अन्दर है कि जब कोई मैम्बर गैर हाजिर हो तो उसके खिलाफ प्रिविलेज मोशन मूव नहीं हो सकता।

श्री अध्यक्ष: मैं आपका प्वायंट कंसिडर करूंगा। जब जीरो आवर खत्म होता है।

वर्श 1980–81 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (तीसरी किश्त पेश) करना

श्री अध्यक्ष: अब एक मंत्री वर्श 1980–81 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेंटस (थर्ड इन्स्टालमैंट) पेश करेंगे।

वित्त मंत्री (चौ. खुरशीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं वर्श 1980–81 के सप्लीमैंटरी एस्ओमेटस (थर्ड इन्स्टालमैंट) प्रस्तुत करता हूं।

एस्टीमेटस कमेटी की वर्श 1980–81 के सप्लीमेंटरी एस्टीमेटस (तीसरी किश्त) पर रिपोर्ट पेश करना

श्री अध्यक्ष: अब सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (थर्ड इन्स्टालमैंट) पर एस्टीमेटस कमेटी की रिपोर्ट पेश होगी।

चौ. राजेन्द्र सिंह (चेयरमैंन, एस्टीमेटस कमेटी): मैं वर्श 1980–81 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (तीसरी किश्त) पर एस्टीमेटस कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: आनरेबली मैम्बर्ज, अब राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर डिस्कशन रिज्यूम की जाएगी। परसों 11 मार्च को हाउस उठने के समय चौ. हरिचन्द हुड्डा अपनी स्पीच दे रहे थे। उन्होंने

वैसे तो दो मिनट मांगे थे और पांच मिनट उस दिन भी बोल चुके थे। वे आज पांच मिनट तक और बोल सकते हैं।

चौ. हरिचन्द हुड्डा (किलोई): स्पीकर महोदय, कल मैंने यह कहा था कि जिस अभिभाशण से कोई मुयसर न हो उसको बिना देर किए जला दो। यह हमारी भावना नहीं है यह भावना मैं उन लोगों की बता रहा हूं जो 80 प्रतिशत देहातों और शहरों में पिसते आ रहे हैं। उनकी यह भावना है कि पिछले 32 साल से जो पूंजीपति सरकार चल रही है उसके तीन काम हैं। मीटिंग, चीटिंग ओर इटिंग। यह 80 प्रतिशत लोगों की धारणा है इसलिये आम लोगौं की बात को मैं यहां रख रहा हूं। इसके बाद गवर्नर साहब के अभिभाशण में किसान और मजदूर की बात आई। किसान में जो जागृति आई है यह परमात्मा की देन है। किसान जो है वह लंगोटी के साथ आया था और हरिजन या मजदूर जो हैं ये नंगे आए थे। वे आज भी नंगे हैं। ये पिछले 32 साल से इस पूंजीपति सरकार के हाथों पिसते आए हैं। इस पूंजीपति सरकार ने किसान और मजदूरों का कब्रिस्तान बना दिया हे जहां से आज भी बू आ रही है। इस चीज की जिम्मेदार यह सरकार है। इस दौरान भ्रश्टाचार भी बहुत बढ़ा है। लास्ट में मैं एक बात ही कहूंगा कि जहां तक इंडस्टरी का ताल्लुक है उसमें चमार के साधन को तो बाटा खा गया और लुहार के साधन को टाटा खा गया तथा कुमार के साधन को क्राकरी खा गई।

स्वामी आदित्यवेश: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या माननीय सदस्य चमार के सम्बन्ध में यहां बोल सकते हैं?

चौ. हरि चन्द हुड्डा: मैं ऋशि दयानन्द का चेला हूं, आपकी तरह नहीं हूं। मैं खुद चमार हूं और मेरा गांव भी चमारियां है (हंसी) लास्ट में में एक ही बात कहूंगा –

पंछी समझते हैं चमन बदला है, हंसत5 हैं सितारे कि गगन बदला है,

शमशान की खामोशी मगर कहती है, 32 साल की लाश वही है,

सिर्फ कफन बदला है।

इसलिये यह एक फर्जी ढोंग है इसलिये इसको जितनी जल्दी फाड़ा जाए फाड़ दो। मैं इस अभिभाशण का सख्त विरोध करता हूं और स्पीकर साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे समय दिया।

श्री अध्यक्ष: वैसे टाइम बहुत कम रह गया है। मैं हाउस के सामने दो सुझाव रखना चाहता हूं। पहले दर सदस्य 15–20 मिनट तक बोलते रहे हैं और अब भी काफी बोलने वाले हैं। अगर हाउस यकी सहमति है तो हर सदस्य के लिये समय दस मिनट का रिस्ट्रक्ट कर दिया जाए। दूसरा सुझाव है कि चूंकि बोलने वाले

बहुत हैं इसलिये समय आधे घंटे के लिये एक्सटैंड कर दिया जाए।

ट्रैजरी बैन्चिज की ओर से आवाजें: नहीं जी समय और न बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्ष: ठीक है यह हम 1.15 बजे डिसाइड कर लेंगे।

चौ. बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पिछले दो दिन से चर्चा हो रही है ओर हमारे विरोधी पक्ष के आदरणीय सदस्यगण ने इस पर अपने अपने विचार रखें हैं। दरअसल यह अभिभाशण आने वाले साल तथा पिछले साल की नीतियों को दर्शाता है जिन के आधार पर सरकार ने देश की उन्नति के शिखर पर पहुंचाया है। गवर्नर साहब के अभिभाशण पर हमारे आदरणीय दोस्त श्री सुमेर चन्द भट्टने जो प्रस्ताव रखा है, इसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। इस अभिभाशण पिछले साल की जो भी कारगुजारियां हैं उन पर राज्यपाल महोदय ने प्रकाश डाला है। इसी प्रकार यह भी बताया है कि आने वाले साल में सरकार की क्या कुछ करने की मन्शा है, किस प्रकार सरकार स्टेट के उत्थान के लिस और राज्य के गरीब लौगों के उत्थान के लिये कार्य करना चाहती है, यह सब बातैं अभिभाशण के कई पैराग्राफ्स में कही गई हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर

साहब, इसके साथ ही साथ मैं यह समझता हूं कि कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां हैं, सिद्धान्त हैं, वे सिद्धान्त जिन पर कांग्रेस की नीतियां निर्धारित की हुई हैं, इनके बारे में अगर मैं यह कहूं कि अभिभाशण में इस सिद्धान्तों को वह शक्ल नहीं दी गई जो दी जानी चाहिए तो कोई बुरी बात नहीं है। इस अभिभाशण में विभागों की अलग अलग मदों के लिए, अलग अलग कार्य के लिये जितने रूपये रखे गये थे और उसके बाद मदों में इन्क्रीज की गई है, वह इतनी नहीं की जितनी कि होनी चाहिए। दरअसल जिस कद्र आज महंगाई बढ़ रही है और इस मंहगाई को मदेनजर रखते हुए मदों की दरों में 10 या 15 परसैन्ट बढ़ौतरी करना बहुत कम है। मैं यह सोचता हूं कि कई महत्वपूर्ण कार्य, जैसे श्रीमती इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम इस देश की गरीब जनता को ऊपर उठाने के लिए दिया था, इस कार्यक्रम को अमलीजामा पहनाने के लिए इन मदों मे जो पैसा निर्धारित किया गया है, वह कम है और इस कार्यक्रम को पूरा करने के लिये जो गति, जो स्पीड होनी चाहिए वह नहीं है, क्योंकि राज्यपाल का अभिभाशण प्रगति की तरफ कोई संकेत नहीं देता।

उपाध्यक्ष महोदय, पिछले एक साल से केवल हरियाणा प्रदेश के अन्दरर ही नहीं बल्कि सारे देश के अन्दर कांग्रेस पार्टी सत्ता में है और इससे पहले अढ़ाई साल के अर्से में जनता पार्टी के राज में सारे देश की इकोनोमी को देश की आर्थिक दशा की बुरी तरह से तोड़ मरोड़ दिया गया और इस कदर पीछे धकेल

दिया गया कि आगे आने वाले 20–25 वर्शों में भी कांग्रेस पार्टी इकोनोमी को ठीक रास्ते पर लाने में शायद असमर्थ ही रहेगी, ऐसी सम्भावना पैदा हो रही है। उपाध्यक्ष महोदय, 1975–76 में हमारी नेता ने इस देश को नई आर्थिक–दिशा, आर्थिक कार्यक्रम दिया था इस देश के गरीब किसान, गरीब मजदूर, गरीब हरिजन ओर पिछड़ी जातियों के लोगों को इस नये कार्यक्रम द्वारा एक नया भविश्य, एक नई आशा प्रदान करना चाहती थी, लेकिन उसी समय देश की रिएक्शनरी फोसिज ने, चाहे वे इस देश के देहातों में बैठती हों जिनका प्रतिनिधित्व वे सदस्य करते हैं जो हाउस में हमारी मेन अपोजीशन है और इस देश की भारतीय जनता पार्टी जो शहरों में पूंजीपतियों के रूप में बैठी है।

चौ. उदय सिंह दलाल: यह चीज गवर्नर ऐड्रैस के कौन से पैरा में लिखी है? (व्यवधान)

चौ. बीरेन्द्र सिंह: यह सब लिखा हुआ है, आप पढ़ लें। (व्यवधान) मैं कह रहा था कि रिएक्शनरी फोर्सिज का प्रतिनिधित्व हमारी एक और विरोधी पार्टी करती है। इस देश में जब जब नई व्यवस्था कायम करने का नारा हमारी पार्टी ने, हमारी पार्टी की नेता श्रीमती इंदिरा गांधी ने दिया तो ये ताकतें उनके सामने हमेशा मुसीबतें पैदा करती रहीं और देश के भोले भाले लोगों को गुमराह करती रही जिन के लिए कांग्रेस पार्टी 20 सूत्री कार्यक्रम लेकर गरीबों को ऊपर उठाने के लिये आई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि जिस पार्टी की सत्ता, जिस पार्टी के कार्यकर्ता, जिस

पार्टी की महान नेता उन लोगों को ऊपर उठाने के लिये दृढ़–संकल्प थी, वह सत्ता से अलग हो गई। गरीब जनता को जाल में फंसा कर, गलत तरीके से गुमराह करके, कांग्रेस पार्टी को पावर से अलग कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, कहा जाता है कि 'काठ की हांडिया बार बार नहीं चढ़ती'। वही हुआ जो काठ की हांडिया के साथ होता है। इनके शासन काल में लोगों ने एक साल के अन्दर ही यह महसूस कर लिया कि उन्होंने अपने पांवों पर अपने आप ही कुल्हाड़ी मारी है और कांग्रेस पार्टी को सत्ता से नहीं हटाना चाहिए था। उपाध्यक्ष महोदय, दो साल जनता पार्टी ने शासन किया और इस दो साल के अर्से में जब जनता ने देखा कि उनकी आंखों पर नकली चश्में चढ़ा कर उनको गुमराह किया जाता है तो जनता ने फैसला किया कि वे फिर उसी पार्टी को, यानी कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाना चाहते हैं और देश की बागडोर उसी नेता के हाथों सौंपना चाहते हैं जो सही मायनों में गरीबों की हमदर्द है।

चौ. संत कंवर: चौ. छोटू राम की इसके बारे में क्या राय थी? (व्यवधान)

चौ. बीरेन्द्र सिंह: वह तो उस वक्त पैदा भी नहीं हुई थी? (व्यवधान)

चौ. संत कंवर: नेहरू के बारे में क्या राय थी?

Mr. Deputy Speaker: No direct talks please. (Interruptions.) Ch. Birinder Singh Ji, please wind up your speech now.

चौ. बीरेन्द्र सिंह: अगर आप राय जानना चाहते हों तो 20 सूत्री कार्यक्रम को पढ़ लो, आपको पता चल जाएगा। (व्यवधान)

चौ. संत कंवर: क्या आप 20 सूत्रीय कार्यक्रम के 20 प्वायंटस गिना सकते हैं?

चौ. बीरेन्द्र सिंह: मैं दावे के साथ कह सकात हूं कि अगर मैं 20 सूत्री कार्यक्रम के 20 प्वायंटस गिना दूं तेा आप इस्तीफा दे देना और अगर न गिना सकूं तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में जिन पार्टियो के लोग गरीबों के दावेदार बनते थे, किसानों और हरिजनों की भलाई की बात करते थे, वही आज देश में अफरा तफरी पैदा कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज गुजरात की घटनाएं इस बात की प्रतीक हैं कि इस देश के अन्दर ये अपोजीशन के भाई क्या हालात पैदा करना चाहते हैं। (शोर)

Dr. Mangal Sein: Deputy Speaker Sahib, how Gujrat is concerned here?

चौ. बीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, जब चोर की चोरी पकड़ी जाती है तो वह अपने आप सामने आने लगता है। (शोर)

डा. मंगल सैन: * * * *

चौ. बीरेन्द्र सिंह: * * * *

Mr. Deputy Speaker: Nothing will be recorded.

डा. मंगल सैन: * * * *

चौ. बीरेन्द्र सिंह: * * * *

Mr. Deputy Speaker: Nothing will be recorded.

Ch. Birinder Singh Ji, please wind up now.

चौ. बीरेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, ये जो अपने आपको गरीबों का हमदर्द कहते हैं इनको मैं अच्छी तरह से जानता हूं। ये बाजू मेरे आजमाए हुए हैं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल बात इसलिये नहीं कहना चाहता हूं क्योंकि ऐसा करना मैं ठीक नहीं समझता लेकिन जो देश में आज हो रहा है उसके बारे में मैं अवश्य कहूंगा क्योंकि उसका असर हमारे प्रान्त पर भी हो सकता है। आज तो ये हरियाणा के हिमायती बन गए हैं लेकिन 1966 में जब हरियाणा बना तो जनसंघ पार्टी ने इसका विरोध किया था।

Dr. Mangal Sein: Deputy Speaker Sahib, how it is relevant here?

Ch. Birinder Singh: It is very much relevant, Sir.

डा. मंगल सैन: अगर इन्होंने नम्बर बढ़वाने हैं तो और कोई बात करें, इस तरह की गलत बातें कहने से कोई फायदा नहीं है। (विघ्न)

श्री मूल चन्द जैन: डिप्टी स्पीकर साहब, इस कांग्रेस पार्टी के 50 आदमियों में से 40 आदमियों ने हरियाणा का विरोध किया था। ये किस मुंह से इस तरह की बात करते हैं? (विघ्न)

चौ. बीरेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात भी जानता हूं कि इन लोगों ने पानीपत में हरियाणा विरोधी दिवस मनाया था और तीन कांग्रेसियों को जिन्दा जलाया था। (शोर)

डा. मंगल सैन: डिप्टी स्पीकर साहब, ये बिल्कुल बेबुनियाद और गलत कह रहे हैं। (विघ्न) इस मामले में जो जुडीशियरी ने इनके मुंह पर ऐसी चपत मारी है कि ये याद रखेंगे। (शोर)

चौ. बीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, गरीब लोगों को जब हम ऊपर उठाना चाहते हैं, हरिजनों के लिये जब हम रिजर्वेशन करते हैं तो गुजरात के अन्दर ये स्वर्ण हिन्दुओं को बहका कर आन्दोलन करा रहे हैं। (शोर)

डा. मंगल सैन: यह सब कांग्रेस (आई) के औफिस बीयरर्ज कर रहे हैं। (शोर) डिप्टी स्पीकर साहब, क्या ये बिहार को भूल गये कि वहां क्या हो रहा है। (शोर)

चौ. जय नारायण: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हकूमत कांग्रेस (आई) की चल रही है लेकिन फिर भी हरिजनों के ऊपर अत्याचार हो रहे हैं। क्या ये बतायेंगे कि ऐसा क्यों हो रहा है?

Mr. Deputy Speaker: Ch. Birinder Singh Ji, please take your seat now.

चौ. बीरेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मैंने बहुत सी बातें हाउस के सामने रखनी हैं।

Mr. Deputy Speaker: All right, you will only have two minutes more.

चौ. बीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे एक बात का बड़ा अफसोस हैं। 10 साल पहले तो ये पंजाब के हिन्दुओं से कहा करते थे कि आप अपनी भाशा हिन्दी लिखवाओ लेकिन आज इनके नेता पंजाब का दौरा लगा कर कह रहे हैं कि आपनी मातृभाशा पंजाबी लिखवाओ अब आप देखें कि इनकी नीति क्या है? यह विघटन करने वाली ताकतें हैं। ये पूंजीपति लोग देश को ऊपर उठता हुआ नहीं देखना चाहते। (विघ्न)

डा. मंगल सैन: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि कंकरैन्ट लिस्ट के किन सबजैक्टस के ऊपर हम यहां विचार विमर्श कर सकते हैं क्योंकि जो बातें बीरेन्द्र सिंह जी कर रहे थे वे न तो कंकरैन्ट लिस्ट में कवर होती हैं और नही गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में

उनका जिक्र किया है? हिन्दी के बारे में डिप्टी स्पीकर साहब, इनको पता नहीं क्यों परेशानी हो गई? हम आज भी कहते हैं कि हिन्दी हमारी भाशा है। ये भाई तो उस समय पालने में झूल रहे होंगे जब हमने हिन्दी के लिये लाठियां खाई थीं। (विघ्न) ये उस समय अपनी मां की गोद में होंगे जे हमने हिन्दी के पक्ष में आवाज उठाई थी। इन्हैं चाहिए कि ये अपनी औकात को देखकर बात किया करें। (विघ्न) तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या यहां इररैलेवेन्ट बात हो सकती है?

श्री उपाध्यक्ष: वीरेन्द्र सिंह जी अब आप खत्म कीजिए।

चौ. बीरेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैं पोलिटिकल बात खत्म करके अब कुछ सुझाव रखना चाहता हूं। पहली बात तो यह है कि इनकी सरकार में मेरे नाम राशि श्री वीरेन्द्र सिंह जी जब इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर होते थे तो एक काल अटैन्शन मोशन के द्वारा मैंने यह कहा था कि हालांकि थीं डैम की ऐक्जिक्यूशन शुरू होने जा रही है लेकिन हरियाणा को उसका शेयर नहीं मिला और इन्होंने उस वक्त यह कहा था कि ऐक्जिक्यूशन में हमारा हिस्सा है जबकि आज यह बात सामने आई है कि हरियाणा का कोई शेयर नहीं है। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर।

श्री उपाध्यक्ष: आप जब बोलेंगे तो इसका जवाब दे देना।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, इनको बात का तो पता है नहीं। ये फजूल ही हाउस को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे ही इनके मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने भट्ठा ही बिठा दिया है। (विघ्न)

डिप्टी स्पीकर साहब, थीं डैम के बारे में पिछले सैशन में मैंने एक काल अटैन्शन मोशन दिया था और उसके जवाब में मुख्यमंत्री जी ने फरमाया था कि उसके बारे में ये बहुत कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा था कि इन्होंने प्रधान मंत्री को एक पत्र लिखा था और उसका जवाब इन्हें आया है। इस सम्बन्ध में मैंने रूल 84 के अधीन आपके सैक्रिटेरिएट में एक मोशन भी दिया हुआ है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, प्राईम मिनिस्टर से जो जवाब आया है उसमें लिखा था कि आया हरियाणा का थीं डैम में हिस्सा है या नहीं इसके बारे में वे जल्दी ही एक मीटिंग बुलाएंगी। मैंने उस वक्त भी इस बात पर एतराज किया था और कहा था कि हिस्सा तो हमरा सैटल हो चुका है, केवल क्वांटम सैटल करना बाकी है लेकिन आज ये इल्जाम हमारे ऊपर लगाते हैं। आप रिकार्ड चैक कराइये। हमने अपना हिस्सा मुकर्रर कर लिया था केवल क्वान्टम होना बाकी था लेकिन ये उसको भी खो बैठे हैं। (विघ्न)

चौ. बीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं थीं डैम के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। मेरी आपके द्वारा सरकार से गुजारिश है कि उसकी कन्सट्रक्शन में हमारा हिस्सा होना चाहिए। इस के बारे में गवर्नर ऐड्रैस में जिक्र आना चाहिए था। दूसरे

उपाध्यक्ष महोदय पिछले डेढ़ महीने से किसानों को बिजली के लिये कितनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, यह किसी से छिपी हुई बात नहीं है। किसानों के टयूबवैल्ज बन्द पड़े हैं। हरियाणा प्रदेश में हरित क्रान्ति लाने का श्रेय टयूबवैलों के इलाके को है। उपाध्यक्ष महोदय फरीदाबाद और जगाधरी में जहां पर इन्टस्ट्रीज लगी हुई है वहां पर बिजली की चोरी होती है। बड़े बड़े अधिकारी और इंजीनियर्ज मिल कर चोरी करवाते हैं। बिजली बोर्ड का यह कहना है कि एग्रीकल्चर सैक्टर की पावर लाइन में ट्रिपिन होती है। यह उसका बहाना करते हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि एग्रीकल्चर सैक्टर के लिये एक अलग लाइन बिजली बोर्ड का मोहिया करनी चाहिए और निश्चित घंटों में बिजली उस लाइन में चले और वह बिजली दूसरी लाइन में डायवट्र न हो। ऐसा करने से कम से कम किसानों को बिजली मिलती रहेगी ओर इंडस्ट्रियल सैक्अर को चोरी की शक्त में या एक किस्म से इनाम की शक्ल में बिजली नहीं आनी चाहिए।

श्री जय नारायण वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय दस मिनट का टाईम फिक्स हुआ था लेकिन ये 25 मिनट बोल चुके हैं। इसलिये दूसरे मैम्बरों का भी आप ख्याल रखें।

चौ. बीरेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. जिसको हरियाणा की जीवन लाईन कह सकते है, उसके चालू न होने से हरियाणा के किसानों को चार सौ करोड़ रूपये का नुक्सान हो रहा है। सरकार ने छः करोड़ रूपये का प्रावधान किया

है कि इस कैनाल पर खर्च किया जायेगा लेकिन मैं मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि इस काम को वार–फुटिंग पर करने के लिए हरियाणा के विधायकों से या जनता से जिस प्रकार का भी सहयोग चाहिए, देने के लिए तैयार हैं। अगर हम किसी समझौते पर पहुंचे तो यह जो छः करोड़ की राशि रखी गई है इसको बढ़ाया जाये और अगले साल तक यह प्रोजैक्ट पूरा हो जाना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का समर्थन करता हूं।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): उपाध्क्ष महोदय, राज्यपाल महोदय द्वारा दिए गए अभिभाशण के लिये कृतज्ञता जाहिर करने के लिये सरकार की ओर से भाई सुमेर चन्द भट्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव सदन में रखा और भाई हरस्वरूप बूरा ने उसका समर्थन किया है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के धन्यवादी तो हम भी हैं उनके अभिभाशण के प्रति कि वे राजभवन से उठकर आये और उन्होंने सदन की सम्बोधित किया। हम भी उनके प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर करना चाहते हैं। आप जानते हैं कि राज्यपाल महोदय का अभिभाशण उनकी अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं होता बल्कि सरकार का एक नीतिगत वक्तव्य होता है। सुमेर चन्द भट्ठ जी ने अपने वक्तव्य के प्रारम्भ में माना है कि राज्यपाल महोदय का अभिभाशण सरकार का एक वर्श का लेखा जोखा और कार्य कलापों की पूरी उपलब्धियां और उन्य उपलब्धियां होती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण को पढ़ने

से ऐसा लगा कि सरकार की तस्वीर का एक पहलू तो बहुत रगड़ रगड़ करके चमकाने की कोशिश की गई हैं। लेकिन दूसरा पहलू जो काला है, निकम्मा है, उसको तो बिल्कुल नजरअन्दान कर दिया गया है। उसको छिपा करके रख दिया गया है। इसलिये मुझे इस धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधन देने के आवश्यकता पड़ी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बता देती हूं कि संशोधन देकर राज्यपाल महोदय की अवमानना करने का मेरा कोई अभिप्राय नहीं है। बल्कि तथ्यों के प्रति एक सच्चाई प्रकट हो जाये, सही तथ्यों की उपेक्षा न हो इसलिये यह संशोधन प्रस्ताव मैंने धन्यवाद प्रस्ताव में दिया है। जिसके शब्द हैं कि–

''परन्तु खेद है कि डबवाली में हुए नृशंस अत्याचार का, कालांवाली में सरकारी ठेके पर बिकी हुई अवैध शराब से मौतों का, कुरूक्षेत्र और हिसार में छात्रों पर हुए लाठी चार्ज का, राज्य में उत्पन्न हुई बिजली संकट का और प्रदेश में व्याप्त भ्रश्टाचार का कोई वर्णन इस अभिभाशण में नही हैं।''

उपाध्यक्ष महोदय, मैं संशोधन की तफसीलात पर बोलना नहीं चाहूंगी। वरना सारा सयम इसी में निकल जायेगा। जहां तक डबवाली का जिक्र है, हमने डबवाली की जो रिपोर्ट आई है उस पर अलग से चर्चा की मांग की है जिसको हम तफसील में रखेंगे। कालांवाली में जो अवैध शराब से हुई मौतों का जिक्र है उसके बारे में हम पहले ही काफी कुछ बोल चुके हैं। कुरूक्षेत्र और हिसार में हुए छात्रों पर लाठी चार्ज का वर्णन मुझ से पहले बोलने

वाले मेरे साथी वक्ताओं ने ला–एंड आर्डर की सिचुएशन डिस्कशन करते हुए काफी कुछ कह दिया है। राज में उत्पन्न हुए बिजली के गम्भीर संकट का जिक्र हम लोगों के काल अटैन्शन मोशन के माध्यम से कर दिया इसलिये और कहने की भी आवश्यकता नहीं है क्योंकि मुझ से पहले बोलने वाले सरकारी पक्ष के वक्ताओं ने भी काफी कुछ कह दिया है। भाई बीरेन्द्र सिंह ने भी इस चीज का अहसास किया है और अपने मुंह से कहा है कि किसानों को महीने, डेढ़ महीने से बिजली की बहुत ज्यादा दिक्कत आ रही है। इसलिये इसकी व्याख्या करने की कोई जरूरत नहीं है। जहां तक प्रदेश में व्याप्त भ्रश्टाचार का प्रश्न है, मुझे तो खुशी होती है कि सत्ताधारी बैचों पर बैठे हुए लोगों की आत्मा ने भी उनको झकझोरा है। आज केवल विपक्ष ही भ्रश्टाचार के आरोप नहीं लगा रहा है बल्कि खुद सत्ताधरी बैंचों पर बैठे हुए एक बड़े वरिश्ठ सदस्य ने भ्रश्टाचार के आरोप केवल यूं ही नहीं लागाये हैं बल्कि बड़े प्रामाणिक तौर पर श्रीमती इन्दिरा गांधी तक पहुंचाये हैं। इससे पहले तक तो ये लोग कहते थे कि उन्हें चार्जशीट नहीं दी गर्ठ उन्होंने यह आरोप नहीं लगाया। लेकिन आज तो यह बात बहुत स्पश्ट हो गई कि पार्लियामैंट के फलोर पर श्री पी.वैंकट सवैया ने भी यह बात मानी हे कि सत्ताधारी पक्ष के एक एम.एल.ए. ने उनको एक चार्जशीट दी है जिसको उन्होंने टिप्पणी करने के लिये चौ. भजनल लाल जी को भेज दिया है। इससे अपने आप यह चीज स्पश्ट हो जाती है कि पूरे प्रदेश में, प्रशासन में और

मंत्रियों में कितना ज्यादा भ्रश्टाचार व्याप्त है। इसलिये इसकी तफसीलात के ऊपर मैं कोई ज्यादा बात करना नहीं चाहती।

उपाध्यक्ष महोदय, जेा पहलू इस अभिभाशण में चर्चित किए हैं वे बड़े गुमराह करने वाले हैं। मैं उन्ही तक अपनी बात सीमित रखना चाहूंगी। उपाध्यक्ष महोदय, 20 पन्नोकं के इस लम्बे–चौड़े अभिभाशण के हर पैरा पर तो शायद आप मुझे बोलने के लिये समय नही दे सकेंगे। इतना कम समय आपने रखा है। लेकिन जैसा कि कहते हैं कि 'चावल का एक दाना देख करके पूरे पतीले का आभास हो जाता है कि इसके अन्दर कैसा चावल है' तो उसी चावल के दाने की तरह मैं कुछ एक तथ्य आप लोगों के सामने रखूंगी। उपाध्यक्ष महोदय, अभिभाशण के प्रारम्भ में पैरा 3 जहां ये यह शुरू होता है उसका जिक्र करना चाहती हूं। पहले तो केवल मात्र स्वागत किया गया है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि 1800 करोड़ रूपये का परिव्यय पांचवी पंचवर्शीय योजना से तिगुनी वृद्धि का संकेत देता है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे समय नहीं आती। आप जानते हैं कि जब भी कभी किसी चीज की तुलना करने लगते हैं तो उससे फौरन पहले वाली चीज से तुलना की जाती है। यदि उससे तुलना की जाती है तो बात जचंती है। लेकिन इतना गुमहरा किया गया है कि 1974–79 के प्लान से 1980–85 के प्लान की तुलना की गई है। इन्होंने इस तथ्य को छिपा दिया है कि एक प्लान सन् 1978–83 की भी बन चुकी थी अगर इस प्लान से तुलना करते तो बात ठीक थी। अगेर 1978–83 वाली

प्लान से इस सरकार के आंकड़ो की तुलना की जाती तो तथ्यों की सच्चाई सामने आती। 1978–83 की प्लान से तुलना इसलिये नहीं की गई क्योंकि फिर तिगुनी वाली बात कह करके लोगों को गुमराह नहीं कर सकते थे इसलिये इसकी तुलना 1974–79 की पंचवर्शीय योजना से की गई है।

उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण के पैरा 4 में लिखा गया है कि हरियाणा में पिछड़े वर्ग कल्याण निगम को 2 करोड़ रूपये की प्राधिकृत पूंजी से स्थापित किया गया है। इसके बारे में तो मैं ज्यादा क्या कहूं। कल सदन में एक प्रस्ताव पिछड़े वर्ग की काफी मांगों के बारे में आया था। आप जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर पुराने 3 सत्रों से इस सदन में बहस चल रही थी। लेकिन सरकारी पक्ष के लोग कहते हैं कि हमें इस पर बहस करनी है। चूंकि वे अपने साथ हमदर्दी दिखाना चाहते हैं उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष और सरकार की हमदर्दी के दायरे कुछ अलग अलग हैं। हम लोगों की अपनी सीमांए हैं, हम लोगों की अपनी कुछ मजबूरियां हैं। हम किसी भी समस्या को केवल मात्र कह सकते हैं उसको हल नहीं कर सकते लेकिनसरकार के हाथ में ताकत है। अगर वह हमदर्दी रखती है तो उसे कहने की जरूरत नहीं है उसे बहस में पड़ने की जरूरत नहीं है। वह कुछ करके दिखा सकती है। करके क्या दिखाये? अब 2 कराउ़ रूपये की पूंजी से एक निगम बनाया गया है और उसमें पता नहीं क्या क्या प्लान बनाये है। उपाध्यक्ष महोदय, वजीफे दिए जायेंगे बैंक कर्जे, शहरी और देहाती क्षेत्रों में

मकान बनाने और स्वतः रोजगार स्कीमों से पूरा पूरा लाभ हासिल किया जायेगा। मुझे हैरानी होती है कि इस 2 करोड़ रूपये की राशि में इस सारे निगम की एस्टेबलिशमेंट का खर्चा भी शामिल है। पूरे वर्श के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन भी इसी राशि में शामिल है। इस सारे खर्चे को निकाल कर जो पैसा बचेगा उससे पूरे प्रदेश के पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए देहात में मकान बनवा देंगे, शहरी मकान बनवा देंगे, कर्जा दे देंगे। यह नहीं दिखाया कि उनको थोड़ा सा काम सिखा देंगे बल्कि उन्हें पूरा पूरा लाभ हासिल करा देंगे। इससे बड़ा फार्स इस अभिभाशण में दूसरा और क्या हो सकता है? उपाध्यक्ष महेादय जरा पैरा 5 पर आइए। कहते हैं कि 1978–79 के आंकड़ो के अनुसार गरीबी की सीमा रेखा के नीचे रहने वला लगभग 3.21 लाख परिवारों का सबसे बड़ा वर्ग अनुसूचित जातियों का है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले तो मुझे पढ़ कर खुशी हुई कि चलो इस सरकार ने कोई सत्यता तो स्वीकर की है। वरना स्वामी आदित्यवेश के कहने के अनुसार विश्व की महान नेता और इनकी सर्वमान्य नेता प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाधी तो यह कहती हैं कि गरीबी की सीमा रेखा से नीचे कोई है ही नहीं। चलिए इस सरकार ने यह तो माना कि अनुसूचित जातियों का बड़ा हिस्सा गरीबी की सीमा रेखा से नीचे रहता हे। उपाध्यक्ष महोदय, इन्हानं माना है कि ऐसे लोगों की संख्या 3.21 लाख है। अब जरा आंकड़े पढ़िए। कितना बड़ा टाल क्लेम किया है कि देहाती विकास के अनेक कार्यक्रमों के अन्तर्गत खर्च किये जाने वाला लगभग 66 प्रतिशत धन अनुसूचित जातियों

के लिए रखा गया है। उपाध्यक्ष महोदय पहले तो मैं आपको यह बताती हूं कि ये प्रतिशत के आंकड़े बहुत गुमराह करने वाले होते हैं और कई बार बड़े दिलचस्प भी बन जाते हैं। मैं आपको प्रतिशत का एक वाक्या बताती हूं कि एक बार हमारे कालेज में खबर आई कि एम.ए.हिन्दी क्लास के 25 प्रतिशत लड़को ने 100 प्रतिशत क्लास की लड़कियों के साथ शादी कर ली। उपाध्यक्ष महोदय, सारे कालेज में इतना भयावह, इतना असत्य कोई स्पीकार नहीं कर सकता था। इमने यह कहा कि यह पोलोगैमी कब से शुरू हो गई कि 25 प्रतिशत लड़कों ने 100 प्रतिशत लड़कियों से शादी कर ली? उपाध्यक्ष महोदय, जब बाद में तथ्यों की खोज की गई तो पता चला कि उस क्लास में 4 लड़के और एक लड़की पढ़ती थी। प्रतिशत तो सही था कि 25 प्रतिशत लड़कों की 100 प्रतिशत लड़कियौं के साथ शादी हो गई लेकिन सच्चाई यह थी कि एक लड़के की एक लड़की के साथ शादी हो गई थी। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के आंकड़े बड़े गुमराह करने वाले होते हैं। अब इन्होंने दिखाया है कि देहाती विकास पर कुछ खर्च का 66 प्रतिशत धन अनुसूचित जातियों के लोगों के लिए खर्च किया जायेगा। ये आंकड़े तो दिखा रहे हैं कि हम इतना पैसा खर्च कर रहे हैं लेकिन यह नहीं बताते कि कितना सही खर्च करने जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये मैंने सोचा कि इनकी दास्तां मतो मंगवा कर देखूं कि आया यह कितना धन खर्च कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, यह इनका 1980–85 का प्लान है जिसमें इन्होंने लिखा है कि डिवैल्पमेंट पर इतना खर्च कर रहे हैं। फलां पर इतना खर्च कर रहे हैं। सबसे पहले मैं आपको बताती हूं कि ये देहाती विकास पर कितना खर्च करने जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनके आकड़ो के अनुसार 49 करोड़ 60 लाख रूपया पांच वर्शो में खर्च होना है। जिसमें से 25 करोड़ 30 लाख रूपया स्टेट का शेयर है ओर 24 करोड़ 30 लाख का शेयर सैन्ट्रल सरकार का है। उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह सोचा कि जरा यह देखूं कि यह इतना लम्बा चौड़ा दावा कर रहे हैं कि हमने अनुसूचित जातियों के लिये यह कर दिया। हमने गरीबों के लिये यह कर दिया। इन्होंने हमारी प्लान को बिल्कुल नजर अन्दाज कर दिया है। इन्होंनें यह नहीं देखा कि हमने अपनी प्लान में कितना पैसा रखा था? उपाध्यक्ष महोदय, आत्मा झकझोर गई है, आंखे चौंधियां गई इतना ये लोग गुमराह कर रहे हैं। मैं अपनी प्लान का जो हमने बनाई थी उसका इनको पन्ना बता देती हूं ताकि इनको मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी 1978–83 की प्लान में पेज 90 पर हमने देहाती विकास के लिये कितना पैसा रखा था उसके आंकड़े सुनिए। हमने अपनी प्लान के अन्दर हेहाती विकास कार्यक्र के अन्तर्गत 78 करोड़ 98 लाख रूपये रखे थे। आगे सुनेगे तो आप हैरान रह जायेंगे कि केवल 14 करोड़ 21 लाख रूपये का स्टेट का शेयर था और 64 करोड़ 67 लाख रूपये का शेयर हमारी केन्द्र सरकार ने देहाती विकास पर खर्च करने के लिये देने को कहा था। अब जरा सुनिए कि इनके आंकड़ों के अनुसार कितने

लोग लाभान्वित होंगे और कितने लोग अपिछड़ित। यह कहते हैं कि it is estimated that about 2.93 lakhs beneficiaries woul be covered under this programme during 6th Five Year Plan perido and out of which about 1.95 lakhs beneficiaries would be from the Scheduled Castes. इनके आंकड़ो के अनुसार 2 लाख 93 हजार कुल बैनिफिशरीज होंगे और इनमें 1 लाख 95 हजार अनुसूचित जातियों के होंगे। जब जरा हमारे प्रोग्राम सुनिए हमने कहा था कि it is estimated that about 8.93 lakhs beneficiaries woul be covered under this programme during 5th Five Year Plan perido and out of which about 4.30 lakhs would be from the Scheduled Castes and Backward Classes. यानि 9 लाख लोगों को हम लाभान्वित करना चाहते थे जिसमें से साढ़े चार लाख लोग शिडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लास के होते। आज ये दावा करते हैं कि हम 2 लाख 93 हमार में से 1 लाख 95 हजार अनुसूचित जातियो ंके लोगों पर खर्च करेंगे। इसके बावजूद भी कहते हैं कि हमारी सरकार अनुसूचित जातियों के उत्थान की सरकार है। हमारी सरकार गरीबों की हितैशी है।

उपाध्यक्ष महोदय पैरा 6 में जहां से हाउसिंग स्कीम की बात शुरू होती है वहां पर बहुत बढ़ा चढ़ाकर लिखववा दिया कि शहरी क्षेत्रों में मकानों की कुल संख्या 11065 हो जायेगी और इस साल ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में 10000 मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अब हमारे लक्ष्य की और इनके लक्ष्य की तुलना कीजिए। मैं इनकी प्लान का पन्ना बता देती हूं।

पन्ना 295 के अन्दर इन्होंने जो हाउस टारगेट रखा है वह सुनिए। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने अगले पांच सालों में 11875 घर देने का और 59 हजार हाउस साइटस देने का लक्ष्य रखा है। अब हमारा लक्ष्य देखिए। हमारा लक्ष्य 11875 घर देने की बजाए अढ़ाई लाख घर बनाने का था ओर 29714 घर 1978–83 की प्लान में देने का था। अब आप स्वयं अन्दाजा लगा सकते हैं कि 59 हजार की बताये अढ़ाई लाख और 11875 की जगह दो खला से ज्यादा का यह लक्ष्य था।

उपाध्यक्ष महोदय, ये रूरल एरिया की बड़ी दुहाई दे रहे थे। श्री सुमेर चन्द भट्ठ जी का तो सारे का सारा भाशण देहाती विकास के ऊपर ही था। मैं इनसे कहती हूं कि ये तो पढ़े लिखे–पढ़ हैं। आंकड़ों को ये बहुत ज्यादा बात किया करते हैं। मैं भट्ठ साहब से यह कहती हूं कि जरा एक बार भाशण करने से पहले सन् 1978–83 की ड्राफ्ट फाईव ईयर प्लान को उठाकर देख लेते। यह कोई दुश्मन की प्लान नहीं थी। जिस समय यह प्लान बनाई गई थी उस समय ये उसी सरकार की पार्टी में शामिल थे। उपाध्यक्ष महोदय, क्या कहूं। भाई सुरेन्द्र सिंह जी या बीरेन्द्र सिह जी कुछ बात कहें तो समझ में आती है, क्योंकि वे दोनों के दोनों कांग्रेस 'आई' की टिकट पर चुकर आये थे।

स्वामी आदित्य वेश: आन ए प्वायंट आफर आर्डर, सर। उपाध्यक्ष महोदय, इनकी रोलिंग प्लान थी वह लुढ़क गई है। यह वास्तविक प्लान है जिसको हम अडाप्ट करने जा रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं।

श्रीमती सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, ये कह रहे है कि हमारी प्लान रोलिंग प्लान थी। मैं इनसे कहती हूं कि ये अपनी आत्मा को झकझोर करके तो देख लें कि वे उस समय इस प्लान में शामिल थे या नहीं। उपाध्यक्ष महेादय, जब इस तरह के सत्ताधारी पक्ष के लोग बोलते हैं तो मुझे एक ही बात कहने का दिल करता है किः–

''दोस्तों ने दोस्ती में जिस कद्र की दुश्मनी,

दुश्मनों की दुश्मनी का सब गिला जाता रहा।''

उपाध्यक्ष महोदय, जो कुछ मैंने कहा है उससे आप स्वयं रूरल ऐरिया के आंकड़ों का अन्दाजा लगा सकते हैं कि कितना पैसा इन्होंने घटाया है। अब मैं आपका ध्यान पैरा 10 और 15 की तरफ ले जाना चाहूंगी। उपाध्यक्ष महेादय, पैरा 10 में बिजली की खपत का जिक्र है ओर 15 और 16 में बिजली के उत्पादन का जिक्र हैं। बहुत बड़ी भाशा में लिखा है कि हमने पानीपत के अन्दर 110 मैगावाट का यूनिट चालू कर दिया है, फरीदाबाद में 60 मैगावाट का यूनिट चालू कर दिया है। यमुनानगर में पन–बिजली परियोजना चालू कर रहे हैं। यमुनानगर में थर्मल प्लांट का संयन्त्र बन रहा है। नाथपा–झाकड़ी त्रिपक्षीय समझौता हो गया है उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक बात पूछना चाहती हूं कि खेत में काम करने वाला किसान, फैक्ट्री में काम करने वाला

मजदूर इस बात को किसी कसौटी से जाचेगा कि बिजली का उत्पादन कितना बढ़ा है या कितने मैगवाट के यूनिट कहा पर चालू किये गये हैं। खेत में काम करने वाले किसान और फैक्टी में काम करने वाले मजदूर की केवल कसौटी इतनी ही है कि क्या उसके टयूबवैल को बिजली पूरी मिलती है, क्या वह खेत को पानी पूरा दे पाता है, क्या फैक्टी के काम करने वाले मजदूर का फैक्टरी में बिजली न होने के कारण जबरी छंटनी का शिकार तो नहीं होना पढ़ रहा, छुट्टी का शिकार तो नहीं होना पड़ रहा, उसको रिटैन्चमैंट का विक्टिम तो नहीं होना पड़ रहा। यह है वह कसौटी जिससे वह बिजली का उत्पादन आंकता है। उन कसौटियों के बारे में बड़े बड़े टाल क्लेम्ज सरकार कर रही है। मैं आपसे एक बात और बताना चाहती हूं। सरकार बिजली के बारे में इतनी बड़ी बड़ी प्लान्ज की बात तो करती है लेकिन वह कर कुछ भी नहीं पा रही है। हमारे यहां अम्बाला में सांइस उद्योंग एक ऐसा उद्योग है जिस पर सारे हरियाणा को गर्व होना चाहिए। इतनी छोटी इंडस्टी होते हुए भी एक्सपोर्ट की सबसे बड़ी इंडस्टी है। आपको यह भी पता है कि यह कितना छोटा उद्योग है। आप जानते नहीं तो अगर कभी अम्बाला की तरफ आपका चक्कर लगे तो देखना। एक एक आदमी अपने घर में एक एक लेथ की मशीन लगाकर बैठा है। उसके अन्दर वह वहां पर एक्सपोर्ट क्वालिटी का गिलास या सांइटीफिक चीजें पैदा करता है। लेकिन उनको भी बिजली नहीं दी जाती। बिजली अगर आती है तो उसकी रैगुलर सप्लाठ नहीं होती है। उनको पता नहीं कि कब वह मजदूर बुलायें और कब

उनकी छुट्टी करें जब वे अपनी मांग मनवाने के लिये बिजली बोर्ड के आफिस के सामने जाते हैं तो 10000 की भीड़ के ऊपर हरियाणा की पलिस द्वारा लाठी चार्ज की जाती है (शेम शेम की आवाजें) लोहारू के अन्दर क्या हुआ। मैंने स्वयं लोहारू के अन्दर जाकर देखा है। वहां पर किसान केवल मात्र बिजली की कटौती का समाप्त करने के लिये और यह मांग करने के लिये कि हमें ज्यादा घंटे बिजली दी जाये, बिजली बोर्ड के आफिस के सामने इक्ट्ठे हुए थे। सरकार गोलियों के साथ उनका स्वागत करती है। 19–20 वर्श की आय का और एक दूसरा 20–25 साल का नौजवान पुलिस ने गोलियां से इस तरह से मारा कि एक का तो दिमाग ही निकलकर बाहर आ गया और एक की स्पाईनल कोर्ड के अन्दर गोली लगी है फिर यह कहते हैं, सब ठीक है। ये सरकार तो एसी है कि ''मारो और रोने भी न दो''। एक तो बिजली पूरी नहीं देते और उसके खिलाफ अगर किसान जाये तो उनको गोलियों और लाठियों का शिकार होना पड़ता है। (शेम शेम की आवाजें) उपाध्यक्ष महोदय, पैरा 18 में इस सरकार ने यह दावा किया है कि देश में हरित क्रांन्ति हो रही है। इनके खेत लहलहा रहे हैं। मैं यह कहती हूं कि इनके खेत जरूर लहलहा रहे हैं। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, खेत में काम करने वाले किसानल का पेट भूख से कुलबुला रहा हैं किसान की कोठी अंधियारे में डूबी हुई है। मैं इनसे एक बात यह भी पूछना चाहती हूं कि 115 रूपये के भव पर उसका गेहूं खरीदते हो और 220 के भाव पर गेहूं उपभोक्ता को बेचने हो, क्या यही सरकार की नीति है? किसान से

खरीदते वक्त तो उसकी लागत से भी कम पर गेहूं खरीदते हो, जब बेचने का सवाल आता है तो उपभोक्ता की खरीदने की ताकत से भी मंहगे भाव गहूं बेचते हो। यह सरकार न तो उत्पादक की है और न ही उपभोक्ता की है। यह दोनों को एक साथ मारती है। 115 रूपये के भाव पर खरीदती है और 220 के भाव पर बेचती है। इससे कन्जूमार भी मरता है और प्रोडयूसर भी मरता है। उसके बाद यह दावा करते हैं कि जनहित की सरकार है यह गरीबों की सरकार है। यह प्रजातन्त्रवादी सरकार है या जनतन्त्रवादी सरकार है। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, बार–बार घन्टियां बजा रहे हैं। मैं अभी समाप्त कर देती हूं। यह सरकार कहती है कि हमने अन्तर्राश्ट्रीय विकलांग वर्श के लिये ये ये सुविधायें उनको दे दी हैं, नेत्रहीनों को हमने बस के अन्दर फ्री चलने की सुविधा दे दी है। मैं कहती हूं कि अन्तर्राश्ट्रीय विकलांग वर्श जब शुरू हुआ तो पहली सुविधा तुमने यहां सेक्रेटेरियेट में विकंलाग ओर अन्धों के ऊपर लाठी चारर्ज करके दी थी। (घंटी) (शेम शेम की आवाजें)... उपाध्यक्ष महोदय, मेरी और साथियों ने अभी बोलना है और आपका इशारा हो रहा है कि मैं अब बैठ जाऊं वरना अगर मुझे समय मिलता तो इन पन्नों के एक एक असत्य को मैं यहां पर उधेड़ कर रख देती। आपको बता देती कि कितना अन्याया हो रहा है हमारे हरियाणा की जनाता के साथ लेकिन आपको चूंकि संकेत है तो मैं यही कहते हुए कि यह जो संशोधन प्रस्ताव मैंने दिया है, यह सारे का सारा हाउस पास करें ओर यह संशोधित प्रस्ताव राज्यपाल महोदय को भेजें।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर अभिभाशण पर जो प्रस्ताव भट्ठ साहब ने रखा है और जिसका समर्थन चौ. बूरा साहब ने किया, मैं उसका विरोध करने के लिये और जो बहिन सुशमा ने संशोधन दिया है, उसका अनुमोदन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। बहिन सुशमा ने अभी–अभी इस अभिभाशण द्वारा आंकडों के साथ सिद्ध किया कि कितना बड़ा धोखा लोगों के साथ किया जा रहा है। जो बातें वे कह चुकी हैं, मैं उनको नहीं दोहराऊंगा। सबसे पहले आप इस अभिभाशण के पन्ना 38 को पढ़ें जिसमें ला एंड आर्डर के बारे में दिया हुआ है। इस बोरे में सरकार ने यह लिखा है:–

"it is a matter of great satisfaction for all of us that the law and order situation in the State during the current year remained under control and various steps taken in this regard have not only improved the image of the Government, but have also been instrumental in building up public confidence."

डिप्टी स्पीकर साहब, आपके द्वारा इन माननीय सदस्यों को मैं याद दिलाना चाहता हूं कि विशेशकर यानी खास तोर पर ट्रैजरी बैंचिज के लोगों को कि डबवाली कांड से अगर शुरू किया जाये तो पता लग जायेगा कि ला एण्ड आर्डर की स्टेट में क्या हालत है? डबवाली कांड, कालांवालों कांड, जब कालांवाली कांड हुआ था, हाउस सैश्रान में था और मैंने यह कहा था ऐसे कांड तो रोजाना होते रहेंगे। बहिन सुशमा ने स्पीकर साहब को यह कहा

था कि आप गवर्नमैंट से कहिये कि हाउस का कुछ आईम बढ़ायें क्योकि अंपगों पर लाठी चार्ज हुआ है, अन्धों पर लाठी चार्ज हुआ है, स्टडैन्टस को बन्द किया गया है, एम.एल.एज. को अन्दर ठोका गया है। आपको याद होगा रण सिंह मान और अजीत सिंह हमार एम.एल.एज. गिरफतार हुए थे। तो मैंने यह कहा था बहिन सुशमा जी, जब तक चौ. भजन लाल जी मुख्यमंत्री रहेंगे, तब तक ऐसे काम तो रोजाना होते रहेंगे, कितना टाईम बढ़वाओगे। इस तरह से तो हाउस को हर रोज ही सैशन में रहना पड़ेगा। पहले कालांवाली कांड हुआ जिसमें 63 आदमी मारे गये। यह कहते हैं कि सरकार का इमेंज इम्प्रूव हुआ हैं। ठीक तीन दिन के बाद नरवाना कांड हुआ जिसमें 43 आदमी मारे गये। फिर यह कहते हैं कि इमेंज इम्प्रूव हुआ है। इससे आगे चलिए। बात यही पर खत्म नहीं हो जाती हैं। जी.टी. रोड हाई–वे पर रौबरीज बढ़ रही हैं। मेन सउ़क है दिन दिहाड़े रौबरी होती है। उसको भी आप भूल जाइये। हिसार शहर में आज से लगभग 15 दिन पहले 7 डाकाजनी की वारदातें हुई। दिन–दिहाड़े वहां पर गांधी चौक के पास डाकांजनी की वारदात हुई जब पुलिस के डी.आई.जी., डी.सी. और एस.एस.पी. वहां पर मौजूद थे और लोगों को तसल्ली दे रहे थे और यह कह रहे थे कि चिन्ता मत करो मुलजमान को फौरी तोर पर गिरफतार किया जायेगा उसी समय अनाज मंडी में वहां से लगभग आधा किलोमीटर दूरी पर गोल्डन टी कम्पनी वालेां के यहां पर डाका डाला गया। इससे आप देख लीजिए कि ला एण्ड आर्डर की सिचुऐशन इम्प्रूव हुई है या नहीं। यही नहीं आप आगे

चलिये। खैरमपुर और सूलीखेड़ा दो गांव हैं। यह वह गांव है जहा से चौ. भजन लाल जी श्री रण सिंह को भट्ठू के बाई–इलैक्शन में जिला कर लाये हैं। खैरमपुर में डकैती पड़ी। डकैत आये और एक घर का दरवाजा खटखआया और औरतों से कहा गया कि दरवाजा खोलो आप का कोई रिश्तेदार आया है। औरतों ने दरवाजा खोल दिया। 3–4 बदमाश अन्दर दाखिल हो गये। औरतों को पीटा गया उनकी जांघों पर गर्म लोह की सलाखें रखी गयीं ओर उनके बालों पर मिट्टी का तेल डालकर जला दिया गया। 53000 रूपये का माल वे लाग वहा से लूट कर ले गये। सारे गांव वाले कुलबला रहे थे। हमने कहा कि हमें तुमसे हमदर्दी हैं। उन्होंने कहा कि आगे से इस मुख्यमंत्री का हम विश्वास नहीं करेंगे। हमने तो इसका विश्वास करके एक–एक आदमी ने 5–5 वोट भुगताये थे। आगे से हम इसका विश्वास नहीं करेंगे। (व्यवधान व शोर)

12.00 बजे

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं बिजली के बारे में बाद में कहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से सूलीखेड़ा गांव में कांड हुआ। लोहारू में किसानों के ऊपर फायरिंग हुई। डिप्टी स्पीकर सहाब, एक केस गूगनराम का हुआ। वह गढ़ी गांव जो हांसी में है का रहने वाला था और उसने तीन हजार रूपया गोबर गैस प्लांट के लिए लिया था। डिप्टी स्पीकर सहाब, लिया नहीं था, आपको याद होगा कि गोबर गैर प्लांट के लिये गवर्नमैंट

जबरदस्ती दिया करती थी। तीन हजार रूपये के लिये गूगन को गिरफ्तार किया गया। उसके साथ इल–ट्रीटमैंट किया गया और उसको रैवेन्यू लौकअप में रख गया और वहां उसकी डैथ हो गई। डिप्टी स्पीकर साहब, इससे सरकार का क्या इमेज बढ़ा हैं डिप्टी स्पीकर सहाब, ला एंड आर्डर की सिचुएशन ऐसी रही है कि इस सरकार की इमेज समाप्त हो गई है। डिप्टी स्पीकर साहब, पाढ़ा के सरपंच की डैथ हुई जिसके बारे में आप सवेरे ही डिस्कशन हुआ है। डिप्टी स्पीकर सहाब, उस सरपंच को शाम को थाने में बुलाया गया सिर्फ एक लड़की की लाख की वैरीफिकेशन के लिए। पुलिस का वशन है कि उसको रात को थाने में रखा गया। सरपंच एक मुअजिज आदमी होता है। रात को उसके लिये चारपाई डाल दी गर्ठ ऐसा पुलिस का बर्शन है। डिप्टी स्पीकर साहब, आजकल जो थानों का वातावरण है उसमें कोई भी आददमी रात को आराम कैसे कर सकता है। आखिर बात वही हुई कि वह बेचारा मारा गया। डिप्टी स्पीकर साहब, पुलिस की थ्यौरी मिथ्या है। इतने कांड करने के बाद भी आज यह सरकार समझती है कि उसकी काफी छवि बढ़ है तो इसके लिये मैं मुबारिकबाद देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां लोग तिलमिला रहे हों, जहां पर लोगों ंकी इज्जत महफूज न हो और जहां पर लोगों को कोई चीज मिलती न हो, ऐसाी हालत में लोग इनको बखशेगे नहीं। एक साल में वह मौका आने वाला है और इस बात की भी सम्भावना है कि शायद वह मौका जल्दी ही आ जाए। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब इस सरकार ने विकास कार्यों के बारे में बड़ी बड़ी बातें लिखी हैं

कि हमने यह कर दिया है वह कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, जब से मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल बने हैं, मैं पूछना चाहता हूं कि कौन सी नई माइनर कंस्ट्रक्ट हुई है? कौन सा नया अस्पताल बनाया गया है सिवाए आदमपुर के? कौन सा नया वाटर वर्क्स इस प्रदेश में बनाया गया है, कौन सी सड़कें इस प्रदेश में बनाई गई हैं, कोन सी नई कालेज की बिल्डिंग इस प्रदेश में बनी हैं? डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक आदमपुर का ताल्लुक है वहां पर भरपूर विकास ही रहा है। मैं दसन की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि आदमपुर के पन्द्रह मील के रेडियस के अन्दर पांच साल कालेज हैं। फतेहाबाद में कालेज, टोहाना में कालेज और हिसार में तीन कालेज इन्होंने मन्जूर किए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हमें कोई आपत्ति नहीं है। वे बच्चें भी हामरे ही हैं, वे बच्चे भी हमारे प्रदेश के हैं। ये नारनौद का अस्पताल आदमपुर ले गये, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। वहां पर जाकर लोग इलाज करा लेंगे। सब से बड़ी आपत्ति मुझे एक रैस्ट हाउस पर है जो यह बना रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, उस रैस्ट हाउस पर ये कई कराउ़ रूपया ख्र्चा करने जा रहे हैं ऐसा लोग कह रहे हैं। वह रैस्ट हाउस बहुत ही बढ़िया बनाया जा रहा है। एक कमरा केवल इन्हीं के लिये होगा। उस कमर में ये ही ठहरा करेंगे ओर कोई नहीं ठहरा करेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, आदमपुर एक मंडी है। उस मंड़ी में मुख्यमंत्री जी की दुकान है। आप सारे हरियाणा में घूमकर देख लें, सारी मंडियों मैं दुकानों के थड़े आपको टूटे फूटे मिलेंगे लेकिन आदमपुर में दुकानों के थड़ों को टिन के कवर किया हुआ

है। डिप्टी स्पीकर साहब केवल एक हल्के में यह किया हुआ है सारे प्रानत की तो हालत ही खराब है। यह हरियाणा प्रान्त लोगों के साथ अन्याय है। जिस सरकार का यह हाल हो वह सरकार जनहित की सरकार नहीं हो सकती है। इस तरह की इम्प्रूवमैंअ की बात इस ऐड्रैस में कही गई है। डिप्टी स्पीकर साहब, दो चार पावरफूल मिनिस्टर्ज हैं केलव उन लोगों की इम्प्रूवमैंट की जा रही है या मुख्यमंत्री जिनकी तरहफ मुस्करा देते हैं उनकी इम्प्रूवमैंट की जा रही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक असैंशियल कमोडिटिज का ताल्लुक है उसके बारे में बाबू मूल चन्द जैन ने बताया था। उन्होंने कहा था कि न आटा मिलता है, न कैरोसीन मिलता है ओर न कंट्रोल का कपड़ मिलता है। सरकार लछमन सिंह मेरे बड़े अच्छे दोसत हैं। मैंने इनको कहा था कि तुम वजीर बनोगें तो मुझे इतलाह देना मैं तुम्हें माला डालने आऊंगा। मुझे पता लगा कि इनको सिविल सप्लाइज का महकमा दिया गया है। बड़ी खुशी हुई कि शायद हालत सुधर जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, हांसी में एक डिपो होल्डर है। उसका नाम लछमण दास है। गवर्नमैंट का डिपों है। वह डिपो होल्डर आटा बांटता है, आटा वहां मिलता है लेकिन पांच किलो आटे में अढ़ाई किलो बजरी और अढ़ाई किलो आटा मिलता है। मैंने चण्डीगढ़ में सरदार लछमन सिंह को कंटैक्ट करने की कोशिश की। मुझे पता लगा कि यह सो रहे हैं। मैं

समझ गया कि क्यों सो रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने ब्यान दिया था .....

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री लछमन सिंह): आन ए प्वायंअ आफ आर्डर। डिप्टी स्पीकर साहब, वीरेन्द्र सिंह मेरे मित्र हैं। इन्होंने कहा कि मैं सो रहा था। इनको पता होना चाहिए कि मैं बारह साढ़े बारह बजे से पहले रात को सोता नहीं हूं और 6 बजे मैं उठ जाता हूं। मैं दिन में नहीं सोता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि जब ये वजीर बने तो इन्होंने एलान किया कि हम रेड करेंगे, हम चैक करेंगे। जब मुझे यह जवाब मिला कि वे सो रहे हैं तो मैंने सोचा कि ये क्यों सो रहे हैं। ये इसलिये सो रहे हैं कि रेड मारते मारते यह थक गए हैं और यह मान गए हैं कि इसका कोई इलाज नहीं है। किसी ने ठीक ही कहा है:—

किस किस को कहिए किस किस को रोइए

आराम बड़ी चीज है मुंह ढक के सोइये।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं बिजली की बात कहना चाहता हूं। मैंने पिछले सैशन में मुख्यमंत्री जी को कहा था कि बिजली का महकमा चौ. मेहर सिंह राठी के पास है। यह बात ठीक है कि वह बहुत बढ़िया आदमी हैं बलड प्रैशर का मरीज है। इनको यूनिट का पता नहीं, मैगावाट का पता नहीं, क्यूसिक का इनको पता नहीं है, मेहरबानी करके यह महकमा खुरशीद अहमद को दे

दो, सरकार तारा सिंह को दे दो। शुक्र करो कि यह महकमा सरदार तारा सिंह के पास आ गया है। जब से इनके पास बिजली का महकमा आया है तब से आसमान में तारों में बिजली चमकती है बल्ब में बिजली नहीं चमकती। बिजली का तो यह हशर हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे मुख्यमंत्री महोदय यह क्लेम करते हैं कि सरकार की बड़ी छवि है, सरकार की इमेंज बहुत बढ़ी हैं। मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने क्रेडिबिलिटी खो दी है (व्यवधान)। इस सरकार के बारे में चौ. रिजक राम बता देंगे, लाला बलवन्त राय तायल बता देंगे। मैं तो कहता हूं कि वे इस सैशन में ही बता दें .....

चौ. रिजक राम: मेरा प्वायंट आफर आर्डर हैं ये खुशफहमी में न रहें। मैं इस सैशन में कुछ नहीं बताऊंगा।

श्री वीरेन्द्र सिंह: ये सब कुछ प्रधान मंत्री को बता आए हैं। हमें नहीं बताना चाहते। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक इस गवर्नमैंट की क्रैडिबिलिटी का ताल्लुक है, मुख्यमंत्री जी जहां जाते हैं तो वहां बड़े–बड़े फंक्शन होते हैं, वहां ये बादशाह की तरह से ग्रांट देते हैं, मुख्यमंत्री की तरह नहीं देते। ये अपने आपको मुख्यमंत्री नहीं समझते। जब ग्रांट देते हैं तो कहते हैं तीन लाख रूपया, चार लाख रूपया लेकिन जब कालेजिज की मैनेजिंग कमेटीज को चिट्ठी भेजी जाती है तो उसमें लिखा जाता है कि सरकार की ओर से आपको जो अस्सी परसैन्ट, पचासी परसैन्ट ग्रान्ट दी जाती है वह ग्रान्ट इन तीन लाख रूपये से अधिक बनती

है इसलिये डिस्क्रिश्नरी कोटे से कुछ नहीं मिलेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बिलकुल फ्राड है। (व्यवधान)। मैं जाट कालेज को जो चिट्ठी गर्ठ है वह दिखा सकता हूं, आपको पेश कर सकता हूं। इसी कारण से इनको अब लोग घोशणा मंत्री कहने लग रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, पत्थर तो ये हर जगह पर रखते आ रहे हैं और जब सीमेंट का पूछते हैं तो कहते हैं कि नहीं। प्रोजैक्ट चालू हैं पर काम कुछ नहीं * * * * (विघ्न)

चौ. राजेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, चौ. वीरेन्द्र सिंह गवर्नर ऐड्रैस पर बोल रहे हैं या कि कोई सपनों की बात कर रहे हैं .....(शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: आप कृपया जल्दी खत्म कीजिये।

श्री वीरेन्द्र सिंह: हां तो मैं कह रहा था कि * * * *

गृह मंत्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): डिप्टी स्पीकर साहब, श्री वीरेन्द्र सिंह जी अच्छा बोल रहे थे। वे अपनी तकरीर करते वक्त जो फरमा रहे थे, उस वक्त कुछ मजाक भी कर रहे थे पर यह पर्सनल अटैक वाली बातें यहां पर नहीं होनी चाहिएं नहीं तो कोई और दिक्कत खड़ी हो जाएगी (शोर व व्यवधान) ऐसा उनके लिये कहना मुनासिब नहीं हे।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): डिप्टी स्पीकर साहब, इनको छूट है लेकिन जब मैं बोलू तो फिर मेरी बात ध्यान से सुन लें।

श्री उपाध्यक्षः मैं मैम्बर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे अपनी स्पीच जल्दी वाइंड अप करें।

चौ. भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैम्बर साहब को पूरी छूट होनी चाहिए कि वे जो चाहें बोलें पर वे मेरी बात भी आराम से बैठ कर जरूर सुन लें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, बस, आखिरी बात कह कर मैं अपना स्थान लूंगा। * * * * इन शब्दों के साथ, डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया है।

चौ. उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, आप कभी इधन भी देख लीजिए, मुझे भी थोडा सा समय मिलना चाहिए। जब भी मैं बोलने के लिये खड़ा होता हूं तो आप कह देते हैं कि इसके बाद .....

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, मैं आपसे वायदा करता हूं कि आप इनके बाद बोल लेना।

राव बंसी सिंह (अटेली)**:** डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। गवर्नर ऐड्रैस के ऊपर, सबसे पहले गवर्नर साहब ने तीन नये मैम्बरों का पहली बार यहां चुनकर आने पर अपने भाशण में स्वागत कियाहै, इसके लिये मैं उनका बहुत बहुत धन्यवादी हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस पर कई दिनों से यहां हाउस में

चर्चा चल रही है। पक्ष और विपक्ष की और सइ इस पर काफी गर्मा–गर्मी की बहस हुई है जिसके कारण हाउस का काफी समय व्यर्थ गया है। हमने पहले भी चौ. बंसी लाल और चौ. भजन लाल जी की सरकारों में अपोजीशन के बैंचिज पर बैठकर अपना फर्ज अदा किया है और ऐसे मौके पर हमने कभी भी हाउस का कीमती समय व्यर्थ में गवाने की कोशिश नहीं की थी। अतः सभी मैम्बर साहेबान को बोलते हुए हाउस के कीमती समय का अवश्य ध्यान रखना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं डिस्ट्रिक्ट महेंन्द्रगढ़ की कुछ कठिनाइयों की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं क्योंकि मैं महेन्द्रगढ़ का रहने वाला हूं, इसलिये वहां के लोगों की दिक्कतों को सरकार के नोअिस में लाना मैं अपना कर्त्तव्य समझता हूं कि वे लोग आजकल कितनी कठिनाईयों में से गुजर रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस पर मेरे से योग्य भाइयों ने अपने विचार रखे हैं, उनको मैंने अच्छी तरह से सुना है। अब मैं ज्यादा समय न लेता हुआ चन्द शब्दों के अन्दर अपनी कुछेक बातों यहां हाउस के सामने रखना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर महोदय, वहां पर पानी के साधन नहीं हैं, केवल बिजली के साधन हैं। सबसे पहले मैं बताना चाहता हूं कि राव साहब जब पंजाब की हकूमत में थे तो उस वक्त उन्होंने सोहना लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के जरिये नहर ले जाने की भरसक कोशिश की थी पर दुर्भाग्यवश उन्हें उस वक्त अपनी कुर्सी खोनी पड़ी और वे इस काम में

कामयाब न हो सके और 12 सालों का बनवास भी काटना पड़ा था। उस वक्त अपोजीशन में रहते हुए वे सदा इस इलाके में नहर ले जाने की मांग करते रहे। एक वक्त आया जब मुख्यमंत्री बंसी लाल जी की वजारत में चौ. भजन लाल मंत्री थे, उस वक्त जवाहर लाल नेहरू कैनाल हमारे इलाके में से निकाली गयी और आज उस नहर का काम पूरा होने जा रहा है। इसी सिलसिले में, मैं कहना चाहूंगा कि इस नहर के पूरा होने के कारण जो जो गांव उनके अन्दर आये है, उनकी जमीनें दो भागों में बंट गयी हैं यानि कुछ जमीन नहर की एक तरफ और कुछ जमीन नहर के दूसरी तरफ चली गई है जिसके कारण गांव वालों को इधर उधर आने जाने में काफी दिक्कतें आ रही है क्योंकि नहर के ऊपर पुलियां नहीं हैं। चूंकि सरकार के रूल्ज के मुताबिक हर एक किलोमीटर पर पुल बनने चाहिएं लेकिन अभी तक यह काम नहीं हुआ है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि कानून बनाने वाले हम है और हम ही इन कानूनों में अदला बदली कर सकते हैं, इसलिये सरकार से मैं अदब से गुजारिश करूंगा कि इस मेरे सुझाव पर सहानुभूति से विचार किया जाए और पुल बनाये जाएं ताकि नहर के जो दूसरी तरफ गांव में रहने वाले लोग हैं, उनकी अपनी पैदावार ले जाने, ले आने में किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

इससे दूसरी बात और हे कि आज यह नहर बनकर तैयार हो गयी है पर उसके अन्दर पानी नही गया है। इसके साथ साथ यह भी नोअिस में लाना चाहता हूं कि जिन जिन लोगों की

जमीनें एक्वायर की गयी थी, उन लोगों का करोड़ों रूपया अीाी तक मुआवजा के रूप में बकाया पड़ा है ओर यह सिलसिला अभी तक यू का यू लटक रहा है। इस मामले को भी जल्दी से जल्दी निपटाया जाए और इस काम के लिये परमानैन्ट एल.ए.ओज. लगाये जायें ताकि यह काम जल्दी से जल्दी निपटाया जा सके। कुछ दिन पहले राव बीरेन्द्र सिंह, कृशि मंत्री, भारत सरकार नारनौल गये थे। उनके साथ मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल जी भी थे। उस वक्त भी, मैंने इस बात की डिमांड की थी कि यहां के किसानों को मुआवजा दिलाया जाए लेकिन आज तक यह मुआवजें की रकम पूरी तरह से अदा नहीं की गयी हैं। मैं मुख्यमंत्री महोदय का इस बात के लिये धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस मामले को निपटाने के यि एल.ए.ओज. अप्वायंट किये हैं पर वे अफसर कभी कभी वहां जाते हैं जिससे किसानों को तसल्ली नहीं है। इसलिये मैं सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि इन अधिकारियों को इस तरह की हिदायतें दे दी जाएं कि वे और शीघ्रता से इस ओर ध्यान दें और इन मामलों को जल्दी से जल्दी निपटायें।

तीसरी बात मैं अपनी सरकार से यह कहना चाहता हूं कि जिस तरीके से मेवात ऐरिया की डिवैल्पमैंट के लिये एक डिवैल्पमैंट बोर्ड सरकार की तरफ से बनया गया है, उसी तरह से हमारे इलाके में भी एक डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया जोकि महेन्द्रगढ, लोहारू और कोसली जैसे बैक्वर्ड इलाकों को कवर करे। इसके साथ साथ मैं मुख्यमंत्री जी को और सारे हाउस को बताना चाहता

हूं कि ठीक है जैसे बहिन सुशमा ने कहा था कि किसान को मैगावाट और थर्मल प्लांट से मतलब नहीं है उसको तो खेत में बिजली मिलने से मतलब है। मैं हाउस को याद दिलाना चाहता हूं कि हमने अपनी इलैक्शन के समय लोगों से यह बात कही थी कि हर मामले में हम आपको इन्साफ दिलाएंगे। दूसरा वायदा हमने यह किय था कि तुम्हारे खेतों को हम सूखने नहीं देंगे। जब हमारे इलाके में किसानों की फसल खराब हुई तो मैं एक हफ्ते के अन्दर अन्दर वह मामला मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाया। आज भी मेरे इलाके के किसान यहां आए हुए हैं मैंने उनको बताया है कि आपकी फसलें सूखने नहीं देंगे वहां पर पानी जा रहा है। इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। जिला महेन्द्रगढ़ में कोई टैक्नीकल कालेज नहीं हैं। इसलिये सरकार से मेरी प्रार्थना है कि वहां पर एक रीजनल इंजीनियरिंग कालेज बनाया जाए। धन्यवाद।

चौ. उदय सिंह दलाल (बादली): डिप्टी स्पीकर साहब, पहले तो मैं आपका शुक्रिया अदा कर दूं कि आपने इस खींचा तानी के बाद कुछ कहने का मुझे भी मौका दिया क्योंकि टाइम बहुत कम है और कहानी बहुत लम्बी है इसलिये मैं दो तीन मतलब की ही बातें कहूंगा। सबसे पहले तो मैं गवर्नर महोदय से ऐड्रैस की मुखाल्फित करता हूं और जो बहिन सुशमा ने संशोधन दिया है उसकी स्पोर्ट करता हूं। इसमें बताया गया है कि बैकवर्ड

क्लासिज की भलाई के लिये एक बैकवर्ड निगम बनाई गई है। बैकवर्ड क्लासिज की तरक्की यह हुई है कि उस निगम का मर्हूत करते हो * * * * (शोर)

Finance Minister (Ch. Khurshid Ahmed): Point of order, Sri. The person who is not present in the House cannot defend himself and, as such, the remarks which have been made against him should be expunged.

Mr. Deputy Speaker: That should be expunged.

चौ. उदय सिंह दलाल: डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद आइटम नम्बर 6 में हाउसिंग बोर्ड के बारे में लिखा गया है। अगर मैं इस बारे में बताऊं तो मेरे कुछ दोस्तो को वह बात अच्छी नहीं लगेगी। हाउसिंग बोर्ड की जो कार–करदगी होनी चाहिए थी वह नहीं हुई। वह सारी स्टेट में बदनाम है। (विघ्न) चौ. राम किशन जी कुछ कह रहे हैं ये भी इस बोर्ड के चेयरमैन रह चुके हैं। उस वक्त बहुत अच्छा काम चला था (हंसी) मैं चाहता हूं कि अब भी उसका काम ठीक तरीके से चलना चाहिए।

चौ. राम किशन: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं दलाल साहब का बड़ा आदर करता हूं, ये मेरे बड़े भाई हैं लेकिन जो बात इन्होंने की वह गल्त है। (शोर)

चौ. उदय सिंह दलाल: डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के बारे में भी इसमें लिखा गया है कि बिजली की कितना प्रबन्ध करेंगे और कितना कोयला लाएंगे। सरदार साहब ने कहा कि

कोयले की दिक्कत है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि यह दिक्कत हमने पैदा नहीं की। सैन्ट्रल गवर्नमै।अ भी इनकी है और हरियाणा सरकार भी इनकी है। ये अपनी कोयले की गाड़ियों ज्यादा ले लें और अपनी लेबर भरती करके कौलरी में लगा दें। अगर दोनों सरकारें लि कर कोयले का प्रबन्ध नहीं कर सकतीं तो यह लोगों का कसूर नहीं है। एक बात मैं सरकार साहब से कहूंगा कि उनके पास तो यह महकमा अभी आया है पहले तो यह राठी साहब के पास था इसलिये सरदार जी का इसमें कसूर नहीं है। बात यह है कि बहुत से गांवों में किवाड़ों के साथ साथ तार लगे हुए हैं। कई बार उनमें करन्ट आ जाता है जिसकी वजह से बहुत खतरा हो जाता है। इसलिये मेरी रिकवैस्ट है कि वह तार खम्भों में शिफट किये जाएं। इसके अलावा रास्तों में जो बहुत से खम्बें गाउे हुए हैं यह आम शिकायत है कि बहुत से खम्बें जोहड़ों में गड़े हुए हैं। जब भैंसे या और पशु जोहड़ में जाते है तो उनको करन्ट लग जाता है इसलिए इसको भी चैकिंग करवाई जानी चाहिए। इसके अलावा ड्रेन्ज की बात हैं इसका मेरे हल्के से खास सम्बन्ध है। यहा पर जो भी भाई खड़ा होता है वह कह देता है कि ड्रेन्ज बनवाओ लेकिन सारे हरियाणा का सांप घूम कर हमारे इलाके में चला जाता है। यानी हरियाणा सरकार करोड़ों रूपये खर्च करके ड्रेन्ज बनवाए और उधर दिलली की सरकार पानी को यमुना में न गिरने दे तो सारा पानी ड्रेन नम्बर 8 में पड़ता है और वह सारा पानी बादली में इकटठा हो जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, दिल्ली सरकार से हमारा एग्रीमैंट था कि तीन साल में नजफगढ़ नाले को

डबल किया जाएगा। तीन साल हो चुके हैं लेकन दिल्ली सरकार ने अभी तक वहां पर एक कस्सी भी नही चलावाई। उस नाले की कैपेसिटी दस हजार क्यूसिक्स करनी थी। मेरा मुद्छा यह है कि जब तक हरियाणा के पानी के निकास का प्रबन्ध नहीं होगा तब तक ओर नई ड्रैन्ज को खोदने का कोई फायदा नहीं होगा। ऐसा करके तो आप बीस गावों को बचाओंगे ओर बीस को डुबो दोगे। इसी तरह से नहरों का सवाल है। नहरो पर हमने अरबों रूपया खर्च कर दिया लेकिन जब तक हमारे पास पानी का प्रबन्ध नहीं होगा तो उन नहरों का क्या फायदा है। जब तक पंजाब से पानी नही आएगा तब तक इन नहरों में चूहे फिरेंगे। चाहिए तो यह था कि पहले पंजाब के हिस्से में नहर तैयार करवाते और उसके बाद हरियाणा के हिस्से में काम शुरू करवाते। इस पानी की सहूलियत हासिल करने में हमारी कोई अपोजीशन पार्टी नहीं है और न किसी एम.एल.ए. का किसी प्रकार का विरोध है। अगर चीफ मिनिस्टर साहब पंजाब से पानी लारने के लिये हमारे से कोआप्रेशन चाहेंगे तो सारी पार्टियां उन्हें कोआप्रेशन देंगी। इसलिये हमें मिल कर कोई हल निकालना चाहिए।

श्री मूल चन्द मंगला (पलवल): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करने के लिये खड़ा हुआ। अभिभाशण में पैरा न. 4 में हरिजनों के लिये बहुत कुछ कहा गया है कि हरिजनों को न्याय देंगे। पिछले दिनों हिसार में गुलाब सिंह जैन जो पहले मंत्री भी रह चुके हैं हरिजनों के नाम से पैसे खा गये

लेकिन आज तक यह पता नहीं चला कि उस केस का क्या बना। उन्होंने हरिजन कल्याण निगम से ही पैसा लिया था।

श्री लहरी सिंह मेहरा: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। पैरा 4 में हरिजन कल्याण निगम या हरिजनों का कोई जिक्र नहीं है। ये गल्तब्यानी कर रहे हैं।

श्री मूल चन्द मंगला: इसके साथ ही पैराग्राम पांच में यह कहा गया है कि हरिजनों को कनैक्शन देंगे। बड़ी खुशी की बात है लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि कनैक्शन तो दे देंगे बिजली भी देंगे या नहीं? (विघ्न) जब बिजली ही नहीं है तो बिजली कहां से दोगे। किसानों के पौधे सूख रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, पानी के बिना आज किसान के खेत सूख रहे हैं, उनकी हालत दिनों दिन बदतर होती जा रही है, मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि किसान को टयूबवैल्ज के कनैक्शन जल्दी से जल्दी दिए जाएं ताकि वे अपने सूखे खेतों को पानी दे सके। इसके इलावा डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने पिछले दिनों बिजली के रेटस बढ़ाये हैं, लेकिन छोटे दुकानदारेां पर 21 रूपये महीने की दर से रेट फिक्स कर दिया। यह देखने में आया है कि एक दुकानदार बड़ी मुश्किल से एक कनैक्शन लेकर महीने की दो रूपये की बिजली कंज्यूम करता है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि उसका रेट 21 रूपये महीना कर दिया। छोटे छोटे दुकानदार जो बड़ी मामूली काम करते हैं, 21 रूपये महीने का खर्चा वे बर्दाश्त नहीं कर सकते, यह बहुत ज्यादा हैं मुश्किल से दो रूपये की बिजली कंज्यूम करता है

इसलिये इस रेट को कम किया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके इलावा मैं एक बात बिजली की कमी के बारे में कहना चाहता हूं। आज बिजली की इतनी कमी है कि किसान के खेत सूखे रह गये हैं। किसान थोड़ी बहुत सिंचाई बिजली के बल पर कर लेता था लेकिन वह भी इस साल नहीं हुई, इसलिये जब तक सरकार किसानों का पर्याप्त बिजली का इन्तजाम नहीं करेगी तब तक किसान की हालत ठीक नहीं होगी। सरकार ने फरीदाबाद और पानीपत में थर्मल प्लांटस लगाये हुए हैं लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि उनको चलाने के लिये कोयला नहीं मिलता। अभी अभी मंत्री जी ने विश्वास दिलाया है कि कोयले का इन्तजाम करने के लिये सरकार ने एक अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के पास भेजा हुआ है जो कोयले का इन्तजाम करेगा लेकिन मैं जानता हूं कि वह आदमी ईमानदार नहीं है, हमें उसकी नीयत पर शक है। वह पैसे लेकर गड़बड़ कर जाता है जिसकी वजह से आज हरियाणा प्रान्त को पानीपत और फरीदाबाद के थर्मल प्लांटस चलाने के लिये बिजली को कोयला नहीं मिल रहा। मेरा सरकार ने निवेदन है कि बिजली और कोयला क्यों नहीं मिल रहा इसकी बाकायदा इन्क्वायरी होनी चाहिए ओर उस अधिकारी की जगह कोई दूसरा आदमी जो सरकार की नजरों में विश्वासपात्र हो, बिजली और कोलले का इन्तजाम करने के लिये भेजा जाए ताकि ये थर्मल प्लांटस चालू किये जा सकें।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक किसान की फसला का ताल्लुक है, किसान से 115 रूपये क्विंटल गेहूं खरीदा जाता है लेकिन बाद में 200 रूपये प्रति क्विंटल बेचा जाता हैं। मेरे कहने का मतलब यह हे कि किसन को उसकी फसल का उचित दाम नहीं दिया जाता। बहुत कम रेट पर किसान की फसल खरीद कर बाद में 200 रूपये क्विंटल के भाव से बेचना, इसमें किसान के हित की कौन सी बात है? किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। अगर सरकार किसान को उचित मूल्य नहीं दिला सकती तो किसान हमेशा परेशान रहेगा। इसके इलावा किसान को बिजली, फर्टीलाइजर और ट्रैक्टर वगैरा के पुर्जे टूयबवैल के पुर्जे महंगे भाव पर दिय जाते हैं। जो दूसरी डेली जरूरियात की चीजें हैं वे भी उनकी महंगी दी जाती हैं लेकिन इसके मुकाबले में फसल सस्ते भव पर खरीदी जाती है। किसान को दोनों तरफ से मार पड़ती है, एक तरफ से जरूरियात की चीजें महंगी मिलती हैं और दूसरी तरफ उसकी फसल का उचित दाम नहीं दिया जाता जिसके कारण आज किसानों में हहाकार मची हुई है। जहां तक मैं समझता हूं, यह सरकार किसान के हित की सरकार नहीं है बल्कि किसान की रोटी रोजी खोसने वाली सरकार है। सरकार ने कभी किसानों को आश्वासन तक नहीं दिया कि उनकी फसल का उचित मूल्य दिया जाएगा इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दिलाया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि प्राइवेट कालेजिज के प्रोफैसर्ज को छः छः महीने या एक–एक साल से तन्खाह नहीं मिली है, हरियाणा के अन्दर इस बात की बड़ी चर्चा है। सैकड़ों प्रोफैसर चण्डीगढ़ में आये हुए है और वे विधानसभा के बाहर इस बात की मांग कर रहे हैं कि उनको एक–एक साल की तन्खाह दी जाए कई प्रौफैसर कह रहे थे कि उनको बिना तन्खाह से बड़ी परेशानी उइानी पड़ रही हैं यह ठीक है कि सरकार प्राईवेट कालेजिज को 75 परसैन्ट ग्रांट देती है लेकिन इस ग्रांट से कुछ होने वाला नहीं है। मैं पर्सनली जानता हूं कि प्रोफैसर्ज में बड़ी बेचैनी है। ये लोग हमारे बच्चों को शिक्षा देते हैं, अगर यह ही परेशान होंगे तो हमारे बच्चे अपने आप परेशान होंगें। जिस प्रोफेसर को एक साल से तन्खाह न मिली हो और भूखा हो तो वह बच्चो को क्या शिक्षा दे सकता है? जहां प्रोफेसरों को परेशानी है वहां साथ ही साथ कालेज के बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह स्कूलों और कालेजिज में जाकर देखें कि बच्चों को एजुकेशन देने का क्या प्रबन्ध है? क्या बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, अगर नहीं कर रहे तेा इसका कारण क्या है? इन कारणो ंकी छानबीन करके बुराइयों को दूर करके शिक्षा देना सरकार का फर्ज है। आज विद्यार्थी बड़े परेशान नजर आ रहे हैं, उनकी पढ़ाई का इन्तजाम ठीक नहीं है, पढ़ने के लिए समय नहीं मिलता, प्रोफैसर्ज की समस्याये हल नहीं हो रहीं, जहां ऐसी हालत हो वहां शिक्षा का स्तर कैसे ऊंचा उठ सकता है? उपाध्यक्ष

महोदय, बहुत से प्राईवेट कालेजिज सरकार ने अपने अधीन ले लिये और जो बाकी रहते हैं उनको 75 परसैन्ट ग्रांट देती है लेकिन 75 परसैन्ट ग्रांट से उनका प्रबन्ध ठीक से चलता नहीं। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस ग्रांट को बढ़ाकर 100 परसैन्ट कर दिया जाना चाहिए ताकि प्रोफैसर्ज की समस्यायें हल हो सकें। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

अध्यक्ष महोदय, हाउस में हौस्पिटलस की बात आई। पलवल की 55 हजार की आबादी है लेकिन वहां पर सिर्फ 30 बैडज का एक छोटा सा हस्पताल बनाया हुआ हैं। मंत्री महोदय वहां पर गये थे और उन्होंने आश्वासन दिया था कि इसको बढ़ाकर 60 बैडज का हस्पताल कर दिया जाएगा, लेकिन अभी तक इस बात पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पलवल के आसपास हसनगढ़, होडल वगैरा 400 गांव हैं। इन गांवों से हर रोज 100 से 150 तक मरीज पलवल हस्पताल में इनडोर पैशेंट के तौर पर दाखिल होने के लिये आते हैं लेकिन केवल 30 बैडज होने की वजह से उनको वापिस जाना पड़ता है, इस तरह से इन इलाकों के लोगों को बड़ी भारी दिक्कत है। पलवल जी.टी. रोड पर होने की वजह से और आपपास 400 गांव होने की वजह से पलवल के हस्पताल को 60 बैडज का हस्पताल किया जाना चाहिए। यह समस्या हल हो जाये तो जनता को बड़ी सुविधा होगी।

स्पीकर साहब, सरकार ने कहा है कि गांव गावं में पानी देगी। पलवल के आसपास लगभग 300 गांव हैं जिन में से मुश्किल

से 3 गावों में पीने के पानी की सुविधा होगी, बाकी 90 फीसदी से ज्यादा गांव ऐसे हैं जिन में या तो कड़वा पानी उपलब्ध है या कुछ गांवों के लोग जोहड़ों के पानी को छान कर पीते हैं। सरकार ने इस बात की इन्क्वायरी करवाई है और यह चीज इन्क्वायरी रिपोर्ट में लिखी है कि बहुत से लोग बरसाती पानी जो जोहड़ों में इक्ट्ठा हो जाता है, उसको छान कर पीते हैं। इसलिये मैं सरकार से चाहूंगा कि इन गांवों के लोगों के लिए मीठे पानी का प्रबन्ध करे। हमारी मातायें, बहिने दो दो मील से पानी लेने के लिये आती हैं। अगर सरकार मीठे पानी का प्रबन्ध कर देगी तो लोगों को बड़ी सहूलियत होगी। जहां तक खेती के पानी का ताल्लुक है, अगर किसान टयूबवैल लगाता है तो नीचे से कड़वा पानी निकलता है। इसलिये टयूबवैल लगाने का कोई फायदा नहीं होता। अगर सरकार किसी छोटी मोटी नहर का इन्तजाम कर देती है तो जहां किसानों को खेती का पानी मिलेगा वहां पीने का पानी का इन्तजाम भी हो जायेगा। इसयिले मेरी सरकार से प्रार्थना है कि कोई छोटी मोटी प्लान बनाकर किसानों को खेती का पानी तथा मीठा पानी उपलब्ध कराने की कृपा करे।

इसके इलावा स्पीकर साहब, सोहना, होडल टूरिस्ट कम्पलैक्स हैं, यहां पर कमरों की तादाद बढ़ाई जा रही है। इन टूरिस्ट कम्पलैक्सिज में गरीब लोगों के लिये, गरीब हरिजन या बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के ठहरने का कोई प्रबन्ध नहीं होता। जो लोग अयाशी करने के लिये आते हैं उन्हीं को कमरे दिये जाते

हैं, गरीबौं को कोई नहीं पूछता। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि यह जो कमरों की तादाद बढ़ाई जा रही है, यह उन लोगों के लिये बढ़ायें जो गरीब हैं ताकि एक गरीब हरिजन, साधारण किराया देकर उन कमरो में ठहर सके और उसको रात काटने के लिये इधर–उधर न जाना पड़े।

अध्यक्ष महोदय, ला एंड आर्डर की व्यवस्था आज प्रदेश में बहुत खराब है। मैं यहां तक कहूंगा कि जितनी डकैतियां और चोरियां जी.टी. रोड होडल के नजदीक आ हुई हैं, इतनी पहले कभी नहीं हुई थीं। दिन दिहाड़े डाके पड़ रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: मंगला साहब, अब आप खत्म करें।

श्री मूल चन्द मंगला: बस जी खत्म ही कर रहा हूं। मैं कह रहा था कि आज ला एंड आर्डर की हालत बहुत खराब है, दिन दिहाड़े डाके पड़ रहे हैं, सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री अध्यक्ष: अब चीफ मिनिस्टर साहब बोलेंगे।

श्री रण सिंह मान: स्पीकर साहब, मुझे दो मिनट का टाईम दे दीजिए। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Mann Sahib, I am sorry I can not give you time.

श्री रण सिंह मान: स्पीकर साहब, आपने प्रोमिस किया था कि मुझे टाईम मिलेगा।

Mr. Speaker: Yes, I remember, I had made a promise that I would give you time. But I am sorry, I can not do it now. लेकिन बजट पर आपको सबसे पहले टाईम दिया जाएगा।

श्री रण सिंह मान: स्पीकर साहब, अब मुझे सिर्फ पांच मिनट का टाईम दे दें। मैं आपसे दोबारा अनुरोध कर रहा हूं, मैंने पहले भी रिक्वैस्ट की थी।

Mr. Speaker: I am sorry, Mann Sahib, I have now called upon the Chief Minister to speak.

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, पिछले चार रोज से राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बहस हो रही है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: No interruptions please.

चौ. भजन लाल: राज्यपाल महोदय ने बहुत तफसील के साथ सारी प्रगति के बारे में अपने अभिभाशण में वर्णन किया है। माननीय सदस्यों को चाहिए था कि अच्छी बात को वे जरूर अच्छा कहते। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि प्रजातन्त्र में हर आदमी को अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन हाउस की गरिमा को ध्यान में रखते हुए बहुत ही आदर और सम्मान के साथ इभ्क बात

को ठीक कहना चाहिए जैसा कि जहां आप बैठे हैं उसके साथ वाले स्तम्भ पर लिखा हुआ है परन्तु यहां डिबेट का स्तर इतना नीचा चला गया है कि बात को देख कर बेहद दुख और खेद होता है। जो इन्सान जनता से चुनकर आए हैं उन्हें कम से कम इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिएं विशेश करके तब जब कि गैलरी में बैठी हुई हरियाणा की जनता हमारी बातों को सुन रही हो। अध्यक्ष महोदय, यहां बहुत से ऐसे सदस्या हैं जो काफी पुराने है। उनको मैं आदर करता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यहां पर अपोजीशन के बहुत से भाइयों ने बोलते हुए सरकार पर बहुत से इल्जाम लगाए। बाबू मूल चन्द जी ने कहा कि यह हरिजन विरोधी सरकार है। ला एंड आर्डर के बारे में बाबू मूल चन्द जैन जी ने, डा. मंगल सैन ने तथा और भी कई साथियों ने, जिनमें से चौ. वीरेन्द्र सिंह जी, जो होम मिनिस्टर भी रहे हैं, शामिल हैं, कहा कि प्रदेशर में ला एंड आर्डर ठीक नहीं है। इसके लिये इन्होंने सरकार को क्रिटिसाइज किया है। क्रिटिसाइज करना इनका अधिकार है लेकन ये अपने समय को भूल जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी होती है कि जितनी अच्छी ला एंड आर्डर की पोजीशन आज हरियाणा प्रान्त में है उतनी अच्छी देश के किसी प्रान्त में नहीं हैं। (ट्रैजरी बैन्चिज से प्रशंसा) ला एंड आर्डर की इतनी अच्छी पोजीशन आपको कही नहीं मिलेगी। इस बात को सारे देश के अखबार जानते हैं, सारे देश की जानता जानती है और हरियाणा प्रदेश की जनता जानती है। अध्यक्ष महोदय, यह पोजीशन भी उन हालात में है जबकि अपोजीशन के भाइयों को

एक ही काम रह गया है कि किसी न किसी तरह से सरकार को बदनाम किया जाए और लोगों को गुमराह किया जाए और ला एंड आर्डर को बिगाड़ा जाये। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जिस आदमी को कुर्सी काट जाए उसका इलाज लुकमान हकीम के पास भी नहीं था (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको कुर्सी काट गई है। यह तो बिल्ली के भाग से छिक्का टूट गया था जेा इनके हाथ में कुर्सी आ गई थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब चूंकि इनकी कुर्सी छिन गई इसलिये ये इस तरह की बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि कैंसर का पहली स्टेज पर इलाज हो जाया करता हे बशर्ते शुरू में पता लग जाए क्योंकि अमेरिका ने इसकी कोई दवाई निकाल ली हैं दूसरी स्टेज पर भी इलाज हो जाता है लेकिन आखरी स्टेज में इलाज नहीं होता। पागल कुत्ते को काटे हुए का पहले तो कसौली में ही इलाज हुआ करता था लेकिन जब हर हस्पताल में इसके टीके मिलते हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कहने का मतलब यह है कि आज हर बीमारी का इलाज है लेकिन कुर्सी के काटे हुए का इलाज नहीं है। इनको तो कुर्सी काट गई है। आज ये किसान को भड़काते फिरते हैं। कहते है तिक किसान को गन्ने का भाव ठीक नहीं मिला, किसान को जीरो का भाव ठीक नहीं मिला, गेहूं को भाव ठीक नहीं मिला, आलू का भाव ठीक नहीं मिला और कपास का भाव ठीक नहीं मिला। ये बातें कह करके ये किसान को भड़काने की कोशिश करते हैं लेकिन किसान समझता है कि ये कुर्सी के काटे हुए हैं और ये उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जितना भाव आज की सरकार

ने किसान को दिया है इतना अच्छी भाव शायद ही पहले किसी समय में उन्हें मिला हो। इतिहास में इस बात की आपको मिसाल नहीं मिलेगी कि 26 रूपये का भाव किसान को गन्ने का आज की सरकार ने दिया है। (विघ्न) भारत सरकार ने जीरी का नीचे का भाव 105 रूपये तय किया है लेकिन आज 115 से लेकर 125 रूपये तक जीरी मार्किट में बिक रही है। इसी तरह से कपास की बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इनके वक्त का भाव भी साथ साथ बता देता हूं इनके वक्त में साढ़े तीन और चार रूपये क्विंटल गन्ना किसी ने नहीं उठाया तो किसान ने उसे खेतों में जलाया था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इन्हें कहें कि ये इस तरह से बीच में न बोलें। इन्होंने अगर मेरी बात का जवाब देना हो तो बाद में दे लें। इसके लिए अगर समय भी बढ़ाना पड़े तो मुझे कोई एतराज नहीं।

अध्यक्ष महोदय, इनके समय में जीरी का भाव 75 रूपये से 78 रूपये तक था लेकिन आज 120 रूपये है। गेहूं इनके समय में 80 रूपये के भाव पर मंडियों में सड़ता रहा लेकिन आज 150 रूपये बिक रहा है। (विघ्न) इसी तरह से कपास की बात है। इनके वक्त में किसी ने कपास को 200–225 रूपये के भाव से नहं उठाया लेकिन आज पांच सौ साढ़े पांच सौ रूपये बिकती ळै। जब तक इनके हाथ में राज नहीं आया था तब तक तो ये ऐजिटेशन किया करते थे और कहा करते थे कि किसान के गन्ने का भाव कम से कम 25 रूपये होना चाहिए लेकिन जब इनका राज आया

तो गन्ना साढ़े तीन रूपये क्विंटल बिका। (ट्रैजरी बैन्चिज की ओर से शेम, शेम की आवाजें) अध्यक्ष महोदय, हिसार, भिवानी और सिरसा में कपास बहुत बोते हैं। वहां पहले कपास के भाव बहुत कम थे। चौ. देवी लाल जी कहा करते थे कि कपास का भाव किसान को 700 रूपये से कम नहीं मिलना चाहिए लेकिन जब स्वयं मुख्यमंत्री बने तो 200–225 रूपये से ऊपर भाव नहीं दिया। इस पर लोगों ने क्या कहा वह अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अर्ज करता हूं–

'ऊपर जाट नीचे जाट

नरमें का भाव 208।' (हंसी)

यह एक हकीकत है। यही हाल आलू का था। आलू का भाव चार रूपये बोरी था। एक दिन मैं चण्डीगढ़ से दिल्ली जा रहा था। उस समय मैं एम.एल.ए. था।

डा. मंगल सैन: आन ए प्वायंट आफर आर्डर, सर। मेरा निवेदन यह है कि कास्ट का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

चौ. भजन लाल: इसमें मजाक की बात नहीं है, यह तो हकीकत है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मैं स्वयं जाट हूं, इनकी इस बात की परेशानी क्यों हो रही है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: आप जाट कहां हैं, आप तो बिश्नोई है।

चौ. भजन लाल: बिश्नोई जाट हूं।

श्री अध्यक्ष: अगर मुख्यमंत्री जी अपने आपको जाट डिक्लेयर करते हैं तो आपको कया एतराज है?

श्री वीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, अगर मैं अपने आप को ब्राहमण डिक्लेयर करूं तो क्या कोई मान लेगा? (शोर)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, आज लोग तो यह कहते हैं कि –

'भजन लाल बिश्नोई

तैने बिजली कहां लुकोई।' (हंसी)

चौ. भजन लाल: इसका भी मैं जवाब दे दूंगा तो अध्यक्ष महोदय, मैं आलू की बाबत हाउस में बात बता रहा था। यह शाहबाद की बात है। वहां एक आदमी आलू के ढेर के पास सोया हुआ था। मैं वहां खड़ा था क्योंकि कार में कुछ खराबी आ गई थी। सरदार जी चारपाई उठाये आ रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि सरदार जी कित्थों आए हो? सरदार जी कहने लगे कि चौ. आलू दी राखी सुत्ता सी। मैंने उससे पूछा कि आलुआं नू की खतरा हैं, वह कहने लगा कि आलू नूं तो खतरा नहीं है, खतरा तो यह है कि नाल दे खेत वाले मेरे आलू दे ढेर विच होर आलू न सुट जान। (विघ्न) इनके राज में आलू का यह हाल था। इसलिये किसानों को आपस में डर था कि कोई मैरे खेत में आलू न डाल

जाये क्योंकि खाली बोरी की कीमत पांच रूपये थे और भरी हुई बोरी की कीमत चार रूपये थी। इसका कारण यह था कि मार्किट में आलू बोरी समेत बिकता है इसलिये खेतों में जो किसान सो रहा था उसको यही डर था कि कोई दूसरा आदमी मेरे खेत में आलू डाल गया तो मुझे बोरी में भर कर बेचने में महंगा पड़ेगा। यह हालत थी इनके राज में आलू की।

जहां तक हरिजनों की भलाई का ताल्लुक है जितना भला इस सरकार ने किया है उतना भला किसी भी सरकार ने नहीं किया। इन्होंने हाउस में हरिजनों के बारे में कई बातें कहीं। जब मूल चन्द जैन जी अपनी बात कह रहे थे तो बड़े जोश में और चेहरे को ऐसा बना कर कहा रहे थे जिससे ऐसा लगता था उन्हें ही हरिजनों से बहुत ज्यादा हमदर्दी है। मैं हाउस के नोटिस में यह बात भी लाना चाहूंगा कि जिस पार्टी के वे नेता हैं वह पार्टी तो हरिजनों को इलैक्शन में अपने वोट को इस्तेमाल भी नहीं करने देती (शोर) जो कुछ मैं कह रहा हूं यह सारे देश की जनता जानती है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: यह बिल्कुल गलत है। (शोर)

चौ. भजन लाल: सारे देश की जनता जानती है।

श्री भले राम: आप ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्ष: किस रूल के तहत आप प्वायंट आफ आर्डर उठाना चाहते हैं? आप बैठिए।

चौ. भजन लाल: जितना हरिजनों का भला इस सरकार ने किया है वह आपके सामने है। ज्यादा तफसील में नहीं जाऊंगा।

जहां तक ला एंड आर्डर की पोजीशन का सम्बन्ध है वह किसी से छिपी हुई बात नहीं है कि अपोजीशन के भाईयों ने लोहारू के अन्दर किसानों को भड़काने की कोशिश की, कहीं पर विद्यार्थियों को भड़काने की कोशिश की यानी बहुत ज्यादा फिजा खराब करने की कोशिश की जैसे कि लोहारू और हांसी मैं की।

अध्यक्ष महोदय, मैं लोहारू के बारे में बताना चाहूंगा, इन्होंने लोगों को भड़काया और लोगों ने एक्सीयन के दफतर को घेर लिया, * * * * इन लोगों ने जनता को उकसाया कि एक्सीयन बिजली नहीं दे रहा है। यह बात ठीक है कि वहां पर स्ट्राइक थी।

श्री मूल चन्द जैन: आन ए प्वायंट आफर आर्डर सर। स्पीकर साहब, सी.एम. साहब यह कैसे कह सकते हैं कि * * * * पब्लिक को भड़काया। उनके खिलाफ अदालत में केसिज दर्ज हैं।

चौ. भजन लाल: बाबू जी आप क्यों गर्म हो रहे हैं। मैंने यह नहीं कहा। मै। आपको ठण्डा करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: अगर कोई केस सबजूडिस है तो उसका यहां जिक्र न करें।

चौ. भजन लाल: मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि कुछ सियासी लोगों ने जनता को भड़काया और गुमराह करने की

कोशिश की जिसके कारण एक्सीयन के दफतर को लोगों ने घेर लिया। हमार अधिकारियों ने उनको समझाया लेकिन लोगों ने बसों को रोक लिया, बसों पर पथराव किया बसों के शीशे तोड़ दिये। पुलिस को मजबूर होकर कार्यवाही करनी पड़ी। आप जानते हैं कि अगर कोई कानून को अपने हाथ में लेगा तो सरकार को कानून अपने हाथ में नहीं लेने देगी। कुछ सियासी लोगों ने अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए यह सब कुछ किया। यह कोई इन्दिरा गांधी जी की तरह तो इतने पापुलर हैं नहीं कि जिस तरह से लोग उनके साथ जेल भर देते हैं इनके साथ भी भर दैंगे।

Sh. Baldev Tayal: On a point of order, Sir, Sir, I inviate your kind attention to the reule on the subject, which reads –

"100 (2) (iv) refer to a matter of fact on which a judicial decision is pending."

Mr. Speaker: I have already given my decision on that. फिर आप रिपीट क्यों कर रहे हैं? मैं अपनी रूलिंग पहले ही दे चुका हूं कि अगर कोई मामला सब–जुडिस है तो उसके बारे में यहां जिक्र न करें।

Sh. Baldev Tayal: Because he is again referring to the matter which is subjudice.

श्री अध्यक्ष: इन्होंने कहा है कि चन्द एक लोगों ने लोगों का भड़काया। इसका कोई मतलब नहीं है।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब जब ये कोई बात कहते हैं तो कैसे हो सकता है कि सरकार उसके बारे में अपना जवाब भी न दें।

Sh. Baldev Tayal: But I must submit to your honour, Sir, that bate, it is not the persons who are required not to be mentioned in the debate, it is only a matter on which a judicial decision is pending, which should not be referred to. This whole matter is pending under consideration of a Court since the F.I.R. has been registered. Sor I may request the Hon. Chief Minister, only through your honour, not to refer to this incident at all.

Mr. Speaker: If I find that any matter which is subjudice has been referred, I will get it expunged.

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं ऐसी बातें नहीं कहता हूं। जो मामला कोर्ट में हो उसके बारे में नहीं कहना चाहता लेकिन श्री बलदेव तायल ने खुद कहा कि हांसी पुलिस ने जुडिशियल लाक–अप में एक आदमी को मार दिया। स्पीकर साहब मैं इस बारत का जवाब हाउस में न दूं तो अपने फर्ज से कोताही करता हूं। इसी प्रकार से बाबू मूल चन्द जैन ने लोहारू का जिक्र कर दिया और कहने लगे कि जब मैं वहां गया तो मुझे आंसू आ गये इस लिये जिस बात का जिक्र इन्होंने किया हो, उसका मैं उत्तर न दूं तो ठीक बात नहीं होगी।

Sh. Baldev Tayal: Sir, there is no matter pending about Hansi.

श्री अध्यक्ष: मैंने कह दिया है कि मैं एग्जामिन करूंगा कि अगर कोई मामला सबजुडिस है और उसका कोई जिक्र है तो I will expunge that. But it is very difficult for me at the present moment to find out which matter is subjudice and which is not. However, if I find that there is anything- for example some one says that it is subjudice and the Hon. Minister says it is not – then I will examine the record and decide about that. Now please no undue interruptions.

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय अगर ये समझते है कि कोई ऐसी बात है तो उन शब्दों को वापिस ले लूंगा। हांसी के बारे में श्री बलदेव तायल जी ने कहा कि पुलिस ने उस आदमी को मार दिया।

श्री बलदेव तायल: मैंने नहीं कहा। श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा था।

चौ. भजन लाल: जैसा कि वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा और पूरा डिटेल में श्री शेर सिं हजी ने जवाब दिया था कि सात आदमी लाक–आप बन्द थे। सरकार ने उन लोगों से पैसा लेना था। वे रात को आपस में बातचीत करते रहे। श्री बलदेव तायल हांसी के एम.एल.ए. है और वहीं के रहने वाले हैं उनको हकीकत का पता है। वे आपस में 12 बजे तक बात करते रहे। उनमें से एक आदमी ने रात को अपनी धोती गले में बान्ध कर जुडिशियल लाकअप में अटक कर आत्महत्या कर ली। जब सुबह छः आदमी उठे तो उन्होंने उसको वहां लटके हुए देखा। उन्होंने चपड़ासी

और तहसीलदार को वहीं पर बुलवाया कि फलां आदमी मर गया। उन लोगों ने अपनी स्टेटमैंट दी है कि उसमें किसी का भी दोश नहीं था। हमारे सामने रात को सोया था। जब हम सुबह उठे तो वह लटक रहा था। उस आदमी के बारे में चौ. वीरेन्द्र सिंह कहते हैं कि जुडिशियल लाक अप में मार दिया गया। वे खुद होम मिनिस्टर रहे हैं और वकील भी हैं। उनको कोई बात जिम्मेदारी से कहनी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह: वह आदमी लाक–अप में बन्द था। आप लोगों ने जो कुछ भी ब्यान लिखे हैं, अपनी मर्जी से लिखे हैं।

13.00 बजे

चौ. भजन लाल: मैं खुद हिसार गया था, हमारी पूरी तसल्ली है कि इसमें सरकार का कोई दोश नहीं है। स्पीकर साहब, जहां तक पुलिस का सम्बन्ध है पुलिस ने बड़ा ही अच्छी कार्य किया है। यू.पी. के अन्दर और दूसरी कई जगहों पर डकैतियां पड़ी हैं। होडल के पास और सोनीपत के पास हमारे पुलिस दस्ते में मौके पर ही डाकुओं को पकड़ा है और एक डाकू मारा भी गया है। कितने ही ऐसे गिरोहों को पकड़ा है जिन्होंने दूसरे प्रदेशों के अन्दर लाखों रूपये की चोरी की है। उन प्रदेशों का चोरी किया हुआ माल हमारी पुलिस ने बरामद किया है। इस बात के लिए मैं अपनी पुलिस को जितनी भी बधाई दूं वह थोड़ी

है। (तालियां) हमारे प्रदेश की पुलिस बड़ी निडरता के साथ बड़ी बहादुरी के साथ अपने प्रान्त की सेवा कर रही है। इसलिये हमारी पुलिस बधाई की पात्र है।

अध्यख महोदय, चौ. वीरेन्द्र सिंह जी ने एक बात कही, उस समय आप तो चेयर पर नहीं थे * * * * डा. मंगल सैन जी ने कल परसों कहा कि कोई हरियाणवी पिक्चर बन रही है उसके लिए दस लाख रूपया ग्रान्अ दे दी गई। अध्यक्ष महोदय, एक पैसा ग्रान्ट किसी फिल्म को नहीं दिया गया है। मैं आज भी इन्कइट करता हूं कि हरियाणा प्रान्त के बोर में हरियाणवी भाशा में कोई पिक्चर बनाना चाहे तो सरकार उसको हर हालत में लोन देगी। हमैं कोई एतराज नहीं है। डा. मंगल सैन जी, आप भी बनवाना चाहें तो आप भी बनवा लें, हमें कोई एतराज नहीं है। (शोर)

डा. मंगल सैन: हम तो इसको बना कर पछता रहे हैं और पिक्चर क्या बतायेंगे? * * * * चौ. भजन लाल * * * *

Sh. Baldev Tayal: * * * *

चौ. भजन लाल:* * * *

चौ. रिजक राम: स्पीकर साहब मेरा प्वायंट आफर आर्डर है। स्पीकर साहब, * * * *

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, * * * *

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, * * * *

चौ. रिजक राम: स्पीकर साहब, * * * *

डा. मंगल सैन: * * * *

चौ. भजन लाल: * * * *

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, * * * *

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, * * * *

डा. मंगल सैन: * * * *

चौ. रिजक राम: स्पीकर साहब, * * * *

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, * * * *

चौ. भजन लाल: * * * *

Mr. Speaker: All this will be expunged and will not be recorded.

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री वीरेन्द्र सिंह:: * * * *

चौ. भजन लाल: * * * *

श्री वीरेन्द्र सिंह:: * * * *

चौ. भजन लाल: * * * *

श्री अध्यक्ष: बड़ी खुशी की बात है कि हाउस पांच मिनट बड़े लाइट मूड में रहा है। अब मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि अब फिर सीरियस मामले पर कंसन्ट्रेट करें।

चौ. रिजक राम: स्पीकर साहब, * * * *

स्वामी अग्निवेश: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत मुख्यमंत्री महोदय तथा दूसरे साथियों से यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह गरिमामय सदन है। इसमें ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। .. ..

चौ. भजन लाल: जब इन्होंने कहा था, उस समय आपने क्यों नहीं कहा? (शोर एवं व्यवधान)

स्वामी अग्निवेश: स्पीकर साहब, मैं यह समझता हूं कि यह हम सब के लिये शोभाजनक बातें नहीं हैं। मैं आपका धन्यवादी हूं कि आपने उन्हें रिकार्ड नहीं करवाया है लेकिन मैं समझता हूं कि अगर इस तरह की चीजें हाउस में चलती रहीं तो कम से कम हमें तो यहां बैठते हुए भी शर्म महसूस होती है। लीडर आफ दी हाउस एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। मैं उनसे यह अनुरोध करूंगा कि वे इस प्रसंग को अब यही पर समाप्त करें और राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के बारे में जो बुनियादी प्रश्न उठाये गये हैं, उनके बोर में अगर कुछ बोलना चाहते हैं तो बोलें।

Mr. Speaker: I am grateful to Swami Agnivesh for bringing out his view point. But my observation on this is that

this House is not a monastry. यह कोई आश्रम तो नहीं है कि कोई ऐसी बात कही ही नहीं जा सकती है। लाईट मूड में कोई बात हो जाये या कोई हंसी मजाक की बात हो जाये तो कोई हर्ज नहीं है। यह बात आप सब लोग जानते हैं कि जो चीजें या जो भी बातें यहां पर कही जाती हैं, उनमें से ज्यादातर मजाक के तौर पर होती हैं और मेरे ख्याल में उनमें रत्ती भर भी कोई सच्चाई नहीं होती। इससे आगे का जो आपका सुझाव है यह बहुत अच्छा है कि अब हाउस सीरियस हो जाये। (शोर व व्यवधान)

वाक आउट

Smt. Sushma Swaraj: Speaker Sir, I want to draw your kind attention to clause (iii) of sub-rule (2) of Rule 100, which says –

"A member while speaking shall not –

* * * *

(iii) utter treasonable, seditious, defamatory of offensive words."

अध्यक्ष महोदय, अगर कोई ऐसे शब्द मुख्यमंत्री महोदय के बारे में चौ. वीरेन्द्र सिंह ने इस्तेमाल लिये हों, हम लोग तो यहां पर बैठे नहीं थे मगर उस समय भी चेयर पर कोई न कोई व्यक्ति होगा, उसको वे शब्द उन्हें इस्तेमाल नहीं करने देने चाहिए थे। जिस तरह की बातें यहां पर कही गयी हैं, मैं उसके बारे में

आपसे एक दरख्वास्त करना चाहूंगी। आपने कहा कि हाउस में मजाक चलता ही रहात है, यह कोइ आश्रम नहीं है। मैं यह कहना चाहूंगी कि कम से कम शालीनता के नाम पर यहां पर महिलाओं की मौजूदगी का अहसास तो कर लेना चाहिए। इस प्रकार की अगर लैंग्वेज यूज की जाती है तो यह सदन नहीं एक प्रकार से अश्लीलता का अखाड़ा बनता है। यह कोई सम्मान की बात नहीं है। मैं हाउस की तमाम महिला सदस्यों से रिक्वैस्ट करती हूं कि इसके विरोध में हमें वाक–आउट करना चाहिए और इसके विरोध में हम महिला सदस्याएं वाकआउट करती हैं।

(इस समय श्रीमती सुशमा स्वराज व डाक्टर कमला वर्मा सदन से वाक–आउट कर गयी।)

श्री कन्हैया लाल पोसवाल: जब उधर से ऐसी बातें कहीं जा रही थी और पर्सनल अटैक्स किये जा रहे थे तो हमारी बहिनें कैसे सुनती रहीं? अब जबकि उनका जवाब दिया जा रहा है तो माहौल को बड़ अपमानजनक समझने लगी हैं। मैं आपसे एक गुजारिश करूंगा कि आपने ये शब्द तो एक्सपंज कर दिये हैं। मगर आप उनके द्वारा इस बारे में कहे गये सारे शब्द भी एक्सपंज करवा दें और वे भी रिकार्ड में न आयें तो बात समाप्त हो जाती है। (शोर व व्यवधान) .....

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय * * * *

श्री वीरेन्द्र सिंह:: * * * *

Mr. Speaker: All such remarks wold be expunged and would not be recorded.

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत यह कहना चाहता हूं कि यह हाउस है और इसमें मर्यादा से रह कर बात कहनी चाहिए। जो सच्ची बात हो, वह कहनी चाहिए, किसी तरह की बे–बुनियाद और गैर जिम्मेदाराना बाता नहीं कहनी चाहिए।

Mr. Speaker: Now I would request both the lady members to come in the House because now the discussion will be above the belt and not below the belt.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह अर्ज कर रहा था कि जो कुछ इन्होंने कहा है, कितना बेबुनियाद और गैर जिम्मेदाराना काह है। मैं माननीय सदस्य की बहुत इज्जत करता हूं लेकिन आप ही सोचिए कितनी गैर जिम्मेदारान बातें इन्होंने सरकार के बारे में कही हैं। इसके साथ–साथ में बहिन सुशमा के शेर के बारे में भी कहना चाहता हूं जो उन्होंने यहां पर कहा है।

एक आवाज: आपको आजकल शेरो–शायरी कहां से आ गयी?

चौ. भजन लाल: जो शेर इन्होंने पढ़ा है, वह ठीक नहीं पढ़ा है, शेर को ठीक तो पढ़ा करें। उस शेर की असली लैग्वेज यह है:—

''दोस्तों के फैज से वह उठायें दुश्मनी

कि दुश्मनों की बे वफाई का गिला जाता रहा।''

बहिन सुशमा जी अगर कोई शेर कहें तो कम से कम भाशा तो ठीक बोलनी चाहिए थी। अध्यक्ष महोदय, किसान रैली का भी जिक्र आया। अब मैं उस प्वायंट पर आता हूं। किसान रैली अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड के इतिहास में इतनी बड़ी रेली थी जितनी आज तक जब से यह पृथ्वी और दुनिया बसी है, तब से देखने को नहीं मिली होगी। उसमें 50 लाख आदमियों ने हिस्सा लिया। उस रैली में बहुत ज्यादा किसानों ने वहां पर जाकर प्रदर्शन किया ओर उनमें इतना हौसला था वहां पर जाने के लिये जैसे किसी को शादी में जाने का चाव होता है। वह उस चाव के साथ वहां पर गये। उसमें सारे हरियाणा प्रान्त के किसान थे। अध्यक्ष महोदय, सब लोग जानते हैं, इससे दो साल भी एक किसान रैली हुई थी। (व्यवधान व शोर)

चौ. संत कंवर: वह असली किसान रैली थी।

Mr. Speaker: No interruptions please.

चौ. भजन लाल: उस किसान रैली में कितना चन्दा इक्ट्ठा किया गया और कितना पैसा इक्ट्ठा किया गया, उसका कोठ हिसाब–किताब नहीं है। (व्यवधान) हम जबरदस्ती किसी को लेकर नहीं गये सब लोग अपनी मर्जी से गये हैं। इस रैली के बारे में यह भी कहा गया है कि सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग किया गया, सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया, कितनी गैर–जिम्मेदाराना बात ये लोग कहते हैं, इसमें कोठ सच्चाई नहीं है। (शोर व व्यवधान) आपके कहने से कफद नहीं बनता। (शोर व व्यवधान)

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, क्या चीफ मिनिस्टर साहब इस बात की जुडीशियल इन्क्वायरी करवाने के लिये तैयार हैं कि किसान रैली में सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग/इस्तेमाल किया गया है या नहीं किया गया है। कैसी गैर–जिम्मेदारान बात कहते हैं? अगर हमने कोई नुक्ताचीनी की है तो यह उसे गैर–जिम्मेदाराना कहते हैं। अगर ऐसी बात है तो जुडीशियल इन्क्वायरी करवा लें, पता लग जायेगा। (शोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आर्डर प्लीज। Babu Ji, please sit down. (Interruptions.) Order please. देखिये अब तक जो डिस्कशन गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर हुई है, उसमें कोई इन्टरप्शन नहीं हुई। अब जब मुख्यमंत्री महोदय जवाब दे रहे हैं तो सबको शान्ति से सुनना चाहिए। There are various other stages when you will get opportunities to contradict anything that you feel is not

correct. Now I would request all of you to kindly listien to the Chief Minister calmly.

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, फिर तो पिछली किसान रैली के बारे में इन्क्वायरी करवानी पड़ेगी। (व्यवधान व शोर) अध्यक्ष महोदय, बाबू मूल चन्द जैन जी हालांकि बड़े काबिल आदमी हैं, पऐ लिखे हैं ओर एल.एल.बी. भी पास हैं, इन्होंनं हरिजनों के बारे में एक बात कही। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त में हरिजन परिवार 3 लाख 21 हजार हैं, यह ठीक बात है। एड्रैस में लिखा है कि पचार हजार परिवारेां की हालत सुधारने में साठ साल लगेंगे। मैं जैन साहब को कहना चाहता हू ंकि कम से कम हिसाब किताब तो ठीक लगा लेते (व्यवधान)। स्पीकर साहब, इस काम को करने में सिर्फ पांच–सात साल लगेंगे।

श्री मूल चन्द जैन: हिसाब–किताब में आप मेरा क्या मुकाबला कर सकते है। मैं 1936 में पंजाब यूनिवर्सिटी में फर्स्ट आया था।

चौ. भजन लाल: जैन साहब, आपके हिसाब लगाने में फर्क है। बात यह है कि जब आदमी 58 साल टप जाता है तो थोड़ा बहुत दिमाग घूमने लग जाता है। उम्र का तकाजा है।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, मैंने पांच हजार कहा था। गवर्नर ऐड्रैस में पांच हजार है। (शोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जब आपने कहा था तो इन्होंने कोई कन्ट्राडिक्शन नहीं की थी अब ये कह रहे हैं तो आप क्यों कन्ट्राडिक्ट करते हैं?

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब, हरिजनों की बहबूदी के लिये 1981–82 में 35 करोड़ 57 लाख रूपया रखा है ताकि इन लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाया जा सके।

डा. मंगल सैनः डबवाली के बारे में भी बता देना।

चौ. भजन लालः डबवाली के बारे में भी बताऊंगा। (व्यवधान)

डा. मंगल सैनः आदमपुर और हिसार वाली बात भी बात देना। (व्यवधान)

चौ. भजन लालः उन पर भी आऊंगा। मोम वाली बात भी बताऊंगा। स्पीकर साहब, सरकार पर इल्जाम लगाया गया कि हरिजनों की चौपालों का रूपया लैप्स हो गया। स्पीकर साहब, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। पता नहीं ये कहा से यह खबर लाए हैं। बाबू जी ने कुछ आंकड़े रखे थे लेकिन वे ठीक नहीं हैं। स्पीकर साहब, डेढ़–पौने दो साल मे इस सरकार ने बत्तीस लाख रूपया हजिनों की चौपालों पर खर्च किया है .....

श्री मूल चन्द जैन: डेढ़ वर्श कह रहे हैं, स्पीकर साहब इनकी होशियारी देख लो। इस साल में कितना खर्च किया आप यह बताएं?

चौ. भजन लाल: जो साल 31 मार्च को खत्म होने जा रहा है उसमें पच्चीस लाख रूपये खर्च हो जायेंगे।

कुछ आवाजें: लैप्स कितना हुआ है?

चौ. भजन लाल: लैप्स कुछ नहीं हुआ है। स्पीकर साहब, बाबू जी ने बेरोजगारी के बारे में कहा। स्पीकर साहब, डेढ़ साल में 4227 इंडस्ट्री के यूनिट खोले है। जिनमें तेरह हजार दो सौ लोगों को रोजगार मिला है। जिस पढ़े–लिखे, नौजवान और बैकवर्ड क्लास या हरिजन नौजवान ने इंडस्ट्री लगाई है हर व्यक्ति ने बारह सौ से लेकर दो हजार रूपये तक प्रौफिट कमाया है। बेरोजगारी दूर करने के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है। बेरोजगार लोगों को सारी फैसिलीटीज दी जाती हैं। दस हजार से लेकर एक लाख रूपया तक को लोन दिया जाता है। लोन पर पन्द्रह परसैन्ट सबसिडी रखी है ओर ब्याज की दर छः परसैन्ट रखी है। डा. मंगल सैन ने डबवाली के बारे में बात की है। स्पीकर साहब, जहां तक डबवाली कांड का ताल्लुक है, बाकायदा कमिशन की रिपोर्ट हाउस में पेश हो चुकी है और हमने तो रिपोर्ट के पेश होने के पहले से ही मुकदमें दर्ज कर रखे हैं .....

श्री मूल चन्द जैन: फायरिंग के बारे में कोई मुकदमा दर्ज नहीं है।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि डबवाली कांड के बारे में पुलिस अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। कमिशन की रिपोर्ट आ चुकी है, हाउस में रिपोर्ट पेश हो चुकी है। सरकार जो भी कार्यवाही करनी आवश्यक होगी, उसको करने में पीछे नहीं हटेगी। सरकार पूरी कार्यवाही करेगी।

डा. मंगल सैन: जो मुकदमा दर्ज है उस पर कोई कार्यवाही की गई है?

Mr. Speaker: Dr. Sahib, there is a detailed report on that matter and why are you interrupting the Leader of the House unnecessarily now?

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, देहात में गरीब आदमी को ठीक ओर सस्ते भाव पर सारी चीजें मुहैया हो सकें इसलिए सरकार ने फैसला किया है कि दो हजार आबादी वाले सभी गांवों में कोआप्रैटिव स्टोर खोले जाएंगे ओर हम खोल रहे हैं।

आवाजें: वहां पर तो कुछ चीज भी नहीं मिलती है।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, स्टेट में हमने अभी तक 5213 दुकानें खोली हैं इनमें से 4069 दुकानें देहात में हैं ओर 1114 दुकानें शहरेां में हैं और इन दुकानों पर बाईस प्रकार की

चीजें मिलती हैं। साबुन से लेकर कपड़ा तक इन दुकानों पर मिल सकता हैं ताकि गरीब आदमी ठीक भाव में साफ और बिना मिलावट के चीज ले सके।

आवाजें: मिट्टी का तेल तो वहां मिलता ही नहीं है।

चौ. भजन लाल: मिट्टी का तेल भी वहां पर मिलता है। स्पीकर साहब, जहां तक प्रौढ़ शिक्षा का ताल्लुक है 1979–80 में 50 लाख 82 हजार रूपया खर्च किया है और हमने 2 हजार 856 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र खालें हैं। 26 हजार लोग इनमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। प्रौढ़ शिखा की तरफ सरकार का पूरा ध्यान है .....

श्री मूल चन्द जैन: आने 1979–80 के आंकड़े दिए हैं। 1980–81 में आपने क्या किया हैं? आपने 1980–81 में कुछ नहीं किया है?

चौ. भजन लाल: यह भी मैं बता देता हूं .....

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, 1979–80 की स्कीम 1980–81 कर दी थी।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, ये क्यों बोल रहे हैं? स्पीकर साहब, 76 हजार आदमी इससे लाभ उठा रहे हैं। स्पीकर साहब, जितने स्कूल इस सरकार ने अपग्रेड किए हैं इतने अरसे में आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किए हैं। हमने सबको एक आंख से देखा है। (शोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बीच में कोई इन्ट्रप्ट न करे।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि हाउस का समय आध घंटा बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: पन्द्रह मिनटर का समय बढ़ा देते हैं अगर उसमें पूरा नहीं होगा तो फिर पन्द्रह मिनट बढ़ा देंगे।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हमारी पूरी कोशिश होगी कि अगले साला ज्यादा से ज्यादा स्कूल अपग्रेड किए जाए। जहां तक मौरल ऐजुकेशन का ताल्लुक है, स्पीकर साहब, हम चाहते हैं कि आध घंटा स्कूल और कालिजिज में ऐसा पीरियड हो जिसमें बच्चों को बताया जाए कि धर्म के प्रति, समाज के प्रति और देश के प्रति उनका क्या कर्त्तव्य है और स्पीकर साहब, हम इसको लागू करने जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: यह तो आपने बाबू जी के दिल की बात कह दी है।

श्री मूल चन्द जैन: स्पीकर साहब, अगर सरकार चाहे तो मैं इस काम में मुकम्मल तौर पर ऐसोशिएट करने के लिये तैयार हूं।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, जो प्राईवेट कालिजिज हैं उनकी मैनेजमैंट अपने स्टाफ को तनखाह नहीं दे पाती है

इसलिये हमने फैसला यिका है कि अगले साल से यानी अप्रैल से जो प्राईवेट कालिजिज हैं उनको 95 परसैन्ट ग्रांट देंगे। (शोर एवं व्यवधान)।

स्पीकर साहब, बहन कमला जी ने एक इल्जाम लगाया और यहां तक कह दिया कि जीन्द में, जोकि श्री मांगे राम का हल्का है, सट्टा हो रहा है और मांगे राम जी, पर इल्जाम लगा दिया कि वह उनसे पैसे ले रहे हैं। स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बरों को बहुत ही जिम्मेदारी के साथ इल्जाम लगाना चाहिए जिसमें कि कुछ तो सदाकत हो, कुछ तो सच्चाई हो। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब हमने कागज और मोम के कोटों के बारे में इन्क्वायरी करवायी है जोकि इन्हीं के वक्त में दिये गये थे। उसमें कुल मिलाकर 357 कागज और मोम के कोटे ऐसे हैं जोकि गल्त दिये गये हैं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण –

डा. मंगल सैन द्वारा

डा. मंगल सैन: स्पीकर साहब, आन ए पर्सनल एक्प्लेनेशन ये मोम और कागज की बातको दोहरा रहे हैं। यह मामला कई बार इसी हाउस में आ चुका है। बार बार कह कर हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं। जहा तक सट्टे की बात है,

वहां पर अभी भी चल रहा है, मैं दावे के साथ कहता हूं। (शोर एवं व्यवधान) इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः मैं मैम्बर साहेबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे बीच में इंट्रप्ट न करें।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये बीच में बोल रहे हैं, इनको आप रोकिए।

आवाजें: अध्यक्ष महोदय, यह मजाक की बातें एक्सपंज होनी चाहिएं।

श्री लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि अगर किसी बात की इंक्वायरी करवाऐंगे ते डाक्र मंगल सैन का कुछ नहीं जाएगा और इनके कार्यकर्ता पकड़े जाएंगे।

डा. मंगल सैनः ठीक है, अध्यक्ष महोदय, पता चल जाएगा कि कौन कितना गुनाहगार है। चाहे हम हों, चाहे ये लोग हों, इंक्वायरी होनी चाहिए।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि किसी को भी बड़े सोच समझ कर इल्जाम लगाना चाहिए * * * * (शोर) यूं ही इलजाम लगाना शोभा नहीं देता।

श्रीमती डा. कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, आप इस बात की इन्क्वायरी करवा लीजिएगा। (शोर एवं व्यवधान)

आवाजें: अध्यक्ष महोदय, यह एक्सपंज करवा दीजिए। (शोर)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इससे आगे यहां पर यह भी कहा गया कि लाला बलवन्त राय तायल जी ने, जब वे वित्तमंत्री थे, व्यापारियों से 2 लाख रूपया ले लियाा ओर 4 परसैन्ट से 1 परसैन्ट सेल्ज टैक्स कम कर दिया। अध्यक्ष महोदय, सरकार को कुछ काम प्रानत के हित में भी करन पड़ते हैं लेकिन हम ने फिर भी बगैर किसी कारण के कोई टैक्स कम नहीं किया। चार परसैन्ट सेल्ज टैक्स पहले भी और अब भी उतना ही है, कोई कम नहीं किया गया। यह इलजाम भी बेबुनियाद और निराधार है, ऐसे इलजाम इनको नहीं लगाने चाहिए।

इससे आगे अध्यक्ष महोदय, मैं सड़को के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं कि देश में हरियाणा प्रान्त एक ऐसा प्रान्त होगा जिसमें 31 मार्च, 1981 तक हर गांव को पक्की सड़को से मिला दिया जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

आवाजें: नहीं जी, ये बिल्कुल गल्त कह रहे हैं। (शोर)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हर गांव सड़कों से मिलाया जाएगा। इसके बाद यहां पर विकलागों के बारे में भी

चर्चा की गयी। हमारी सरका ने विकलांगों के लिये सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत रिजर्वेशन रखी है और उनको रोजगार पहले देने का फैसला किया गया है।

डा. मंगल सैन: जरा ओम प्रकाश हिटलर वाली बात पर भी आ आजो। (शोर)

चौ. भजन लाल: हां मुझे तो यह भूल ही गया था डा. साहब ने याद दिलवा दिया। स्पीकर साहब, मैं श्री ओम प्रकाश 'हिटलर' नाम के व्यक्ति को अच्छी तरह से जानता हूं। ये कहते हैं कि वे मेरे मित्र है, अध्यक्ष महोदय, मैं असलियत बता देता हूं। वे चौ. देवी लाल जी के नजदीकी चाचा या ताऊ के भाई लगते हैं और लोक सभा अध्यख श्री बलराम जाखड़ जी के साले भी हैं मैं उनके घर गया था, वहां खाना भी खाया था। ओम प्रकाश 'हिटलर' के खिलाफ न कोई दिल्ली में केस है और न ही हरियाणा प्रान्त में उनके खिलाफ कोई केस दर्ज है इस बारे में जो कुछ यहां पर कहा गया है वह सब कुछ बेबुनियाद और निराधार है। असल में कहानी इस प्रकार है कि एक कार दिल्ली से चोरी हो गयी थी और उस कार का दिल्ली की पुलिस पीछा कर रही थी ओर उस का का ड्राइवर एक मुसलमान राजस्थान का रहने वाला था। संगरिया के पास एक गांव में जहां चौ. देवी लाल जी का छोटा लड़का श्री जगदीश ब्याह रखा है, रास्ते में उस कार में वे बैठकर चौटाला आ गये, उसमें कोई भी बैठ सकता था उन्होंने वहां पर आकर चौक में गाड़ी खड़ी कर दी। श्री ओम

प्रकाश 'हिटलर' के घर के आगे एक बहुत बड़ा मैदान है। काफी जगह है। मैं भी वहां पर गया था, चौ. देवी लाल जी भी गये थे। सभी लोग वहां शादी में गये थे। कार वहां उनके घर के सामने मैदान में खड़ी थी, इतने में पुलिस पीछा करती हुई वहां आ पहुंची और खड़ी कार को पकड़ लिया। ओम प्रकाश के घर में कोई किसी किस्म का रेड नहीं हुआ। न ही ओम प्रकाश घर में था।

डा. मंगल सैन: यह भी बता दो कि क्या वह बस्ता अलफ पर रहे हैं? (शोर)

चौ. भजन लाल: कौन रहा, कौन नहीं रहा, मैं तो यह कह सकता हूं कि वह अच्छे खानदान से है। अच्छा खाता–पीता है और उसकी जायदाद शायद चौ. देवी लाल जी से ज्यादा है। इस बात को तो शायद श्री वीरेन्द्र सिंह जी भी जानते होंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह: हां, यह बात ठीक है कि उसकी जायदाद काफी है।

चौ. भजन लाल: इससे आगे अध्यक्ष महोदय, यहां पर 20 सूत्री कार्यक्रम के बारे में भी कहा गया है कि यहां गवर्नर एड्रैस में बीस सूत्री कार्यक्रम के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। मैं इस बारे में क्लीयर करना चाहता हूं कि वे गवर्नर के एड्रैस के 5, 7, 13, 14 और 16 पैरा को पढ़ कर देखें तो उन्हें पता

चलेगा कि इन में जो सरकारी कार्यक्रम दिये गये हैं, वे इस 20 सूत्री कार्यक्रम के अधीन ही आते हैं। हमारे देश की महान नेता माननीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी का जो प्रोग्राम है, उसको हम सुचारू रूप से लागू करना चाहते हैं और आपको यह बताते हुए मुझे बेहद खुशी का अहसास हो रहा है कि देश में हरियाणा प्रान्त पहला प्रान्त है जिसने सरप्लस जमीन को 31 मार्च तक भूमिहीनों में बांटने का वायदा किया है और कब्जा भी मौके पर ही देने का वायदा किया है। (तालियां) (शोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त देश में पहला प्रान्त होगा जिससे 30 जून तक सारे प्रान्त में हरिजन बस्तियों में चाह वे शहर में हैं या देहात में हैं बिजली देने का फैसला किया है। हमने यह भी फैसला किया है कि अकेले हरिजनों की ही बात नहीं है चाहे लोकदल के भाई का घर हो, बी.जे.पी. के भाई का घर हो या मेरा घर हो – (शोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफर आर्डर है। मुख्यमंत्री के एक–एक फिकरे के साथ ये भाई बोल रहे हैं और ऐसा करके लीडर आफ दि हाउस को इन्ट्रप्ट कर रहे हैं। अगर ये ऐसा ही चाहते हैं तो कल को हम भी ऐसा कर सकते हैं।

Mr. Speaker: I entirely agree with what the Hon. Minister has said. I have been noticing that with e4ach sentence that the Leader of the House has said, there were at

least half a dozen interruptions. I would request you kindly not to indulge in that. I would now start naming the members who will try to interrupt the speech. Please try to control yourself, use proper language and maintain the decorum of the House, otherwise, I will start naming, if there is any interruption.

चौ. भजन लाल: इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मैं बीस सूत्री प्रोग्राम के बोर में आपको बता रहा हूं। हरिजन बस्तियों के अलावा हमने फैसला किया है कि पांच साल के अन्दर अन्दर हम हरियाणा प्रान्त के हर मुहल्ले में बिजली देंगे। इस साल हम 1500 गांवों के हर मुहल्ले में बिजली पहुंचाएगे। इसके अलावा नेशनल परमिटस का भी यहां पर जिक्र किया गया कि 450 के करीब नेशनल परमिट स्टेट ने देने हैं। उसमें कहा गया कि क्या इनमें से हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज को भी दिये जाऐंगे। मैं बताना चाहता हूं कि इनके लिए भी हमने बाकायदा कोटा फिक्स किया है जो कि आज से पहले नहीं था। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, यहां पर छठी पंचवर्शीय योजना का जिक्र किया गया। इसका जिक्र बहिन सुशमा ने किया था। छठी पंचवर्शीय योजना के लिये हरियाणा सरकार को भारत सरकार न 1800 करोड़ रूपये की मन्जूरी दी है। आप दूसरे प्रान्तों के आंकड़े `ख लें तो आप खुद महसूस करेंगे कि इन्दिरा जी की और भारत सरकार की हमारे ऊपर कितनी कृपा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक एनुयल प्लान का ताल्लुक है यानी जो पैसा हमने अगले साल में खर्च करना है वह 290 करोड़ रूपये एक साल में खर्च करने का प्लान है। इसके

अलावा जहां तक बिजली का ताल्लुक है, कुछ माननीय सदस्यों ने बिजली की चर्चा की ओर करनी चाहिए थी कयोकि बिजली और पानी सबसे जरूरी चीजें हैं अभी बाबू मूल चन्द जैन जी ने कहा कि 'भजन लाल बिश्नोई बिजली कहां लुकोई' (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, क्योंकि समय थोड़ रहता है इसलिये आप हाउस का टाईम दस मिनट के लिये और बढ़ दीजिए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: अगर हाउस सहमत हो तो दस मिनट का समय और बढ़ा दिया जाए?

आवाजे: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: बैठक का समय दस मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली का ताल्लुक है मैं मानता हूं कि पीछे बिजली की कमी रही। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंह: * * * * (विघ्न)

वित्त मंत्री (चौ. खुरशीद अहमद): उन्होंने अपना प्राईवेट जनरेटर लगा रखा था। (विघ्न)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, उस समय हम जब शहरों में जाते थे तो कमला जी ने कहा था कि फैक्ट्रियों को बिजली नहीं मिलती जिसकी वजह से लेबर बेकार हो रही है। शहर वाले तो यह भाशा बोलते हैं और जब हम देहातों में जाते थे तो वे भी कहते हैं कि हमें बिजली नहीं मिलती। यह ठीक बात है कि पिछले डेढ़ दो महीनो से हमारी स्टेट में बिजली बोर्ड के इंजीनियर्ज द्वारा वर्क अू रूल करने की वजह से कुछ खराब हालत रही। हमने उनको बहुत प्रार्थना की कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करके आप स्टेट का बड़ा भारी नुक्सान कर रहे हैं। जहां तक उनकी मांगों का सम्बन्ध है, कमिशन ने जो रिपोर्ट दी थी उन पर हमने गहराई से विचार किया था। मैं आपको बताना चाहता हूं कि जो स्केल हरियाणा के बिजली बोर्ड ने दिए हैं उतने किसी भी प्रदेश ने नहीं दिए। उसके बावजूद भी उन्होंने ठीक काम नहीं किया। मैं फिर भी उनका आभार मानता हूं कि उन्होंने मेरी अपील पर अपनी स्ट्राइक विदड्रा की। अब ये ज्यादा बिजली पैदा कर रहे हैं। पहले उन्होंने जानबूझ कर स्टेट का नुक्सान किया ओर जितनी कोयले की खत्प होनी चाहिए थी उससे कहीं ज्यादा खप्त की। अब वे मेरे भाई अपने रास्ते पर आ गए हैं इसलिये में उनका धन्यवाद करता हूं। जो उनकी जायज मांग हैं या कोइ एनोमली रह गई है उसको हम बहुत जल्दी दूर करने की

कोशिश करेंगे ताकि वे भी अपने फर्ज को निभाते रहे और स्टेट का नुक्सान न हो। इसके अलावा हमने नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट का भी एग्रीमैन्ट किया है वहां से 1020 मैगावाट बिजली पैदा होगी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, जब कोई मैम्बर बोल रहा हो तो उसको बीच में इन्ट्रप्ट न किया जाए। दोनों तरफ से सदस्यों से यह मेरी रिकवेस्ट है।

चौ. भजन लाल: इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, यमुना नगर में एक 800 मैगावाट के थर्मल बिजली संयन्त्र की योजना बनाई गई है। इसके अलावा 64 मैगावाट बिजली हमें पश्चिमी यमुना नगर पन बिजली परियोजना से मिलेगी। इसका निर्माण कार्य तेज कर दिया गया है। इसी तरह से हमने यह भी फैसला किया है कि जहां भी हमें पानी का फाल मिलेगा वहां पर हम बिजली तैयार करेंगे। जहां तक रावी ब्यास के पानी का ताल्लुक है, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में हैं। भारत सरकार ने इन्टरवीन करके 17 मार्च का तारीख हमें दी है। हमें पूरा भरोसा है कि भारत सरकार दोनों प्रान्तों की आपस में बातचीत करवाएगी और मसले का हल निकल आएगा। अगर कोई हल न निकला तो सुप्रीम कोर्ट फैसला करेगा। मुझे भरोसा है कि बहुत जल्दी फैसला हो जाएगा अध्यक्ष महोदय, मैंने बातें तो बहुत कहनी थी लेकिन मेरे साथी बैठे हैं और खाने का भी टाइम हो गया है इसलिये मैं प्रार्थना करूंगा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद

के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया जाए। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

Sh. Inderjit Singh: On a point of order, Sir. I do not know what Sh. Verender Siingh insinuated some time back by referring to electricity being consumed in * * * * house for 24 hours a day. This is an allegation which is totally false.

Mr. Speaker: This has got no concern with this House.

श्री वीरेन्द्र सिंह: यह अखबार में आया था।

श्री अध्यक्ष: अगर राव वीरेन्द्र सिंह जी का कोई जिक्र आया है तो उसे एक्सपंज कर दिया जाए। (विघ्न) बोलना बहुत आसान है लेकिन गैर जिम्मेदारी से बोलने से कोई शान नहीं बढ़ती।

Sh. Verender Singh: We are sorry, Sir.

Mr. Speaker: Thank you very much. I am grateful to Ch. Verender Singh for this. I would request the leaders of all the parties that it is not that I am doubting the ability, knowledge and experience of the hon. Members of this House, but to speak un-necessarily out of their turn, will not increase their ability. I would earnestly request कि सक पार्टी लीडर्ज की अपनी–अपनी पार्टी में हाउस के प्रोसीजर वगैरा के मुताल्लिक आपस में थोड़ी बहुत चर्चा होनी चाहिए, यह मेरी सब साहेबान से रिक्वैस्ट है।

Now I will put the amendment by Smt. Sushma Swaraj to the vote of the House.

Question is –

That in the motion, the following be added at the end, namtely:-

"but regret that no mention has been made in the Address regarding brutal atroctities committed in Dabwali, deaths occurred due to sale of illicit liquor at government vends at Kalawali, lathi-charge onthe students at Kurukshetra and Hisar, serious crisis of electricity created in the State, and the corruption prevalent in the State."

The motion was lost.

Mr. Speaker: Now I will put the main motion to the vote of the House.

Question is –

"That an Address be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha Assembled in the Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 9th March, 1981."

The motion was carried.

Mr. Speaker: The House stands adjoured till 2.00 p.m. onteh 16th March, 1981.

*13.52 बजे

(The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. on Monday, the 16th March, 1981.